शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकारी सम्मान के साथ अभिनेत्री सरोजादेवी का हुआ अंतिम संस्कार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 16 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-195

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया तुर्की ढाका में मुंह मार रहा

तुर्की से पेंग बढ़ा रहा एहसान फरामोश बांग्लादेश

शुभ-लाभ सरोकार

भारत के विरोधियों के साथ गठजोड़ करके, बांग्लादेश अल्पकालिक लाभ और दीर्घकालिक जोखिम का खतरनाक खेल खेल रहा है। रणनीतिक स्मृति को रणनीतिक विस्मृति से प्रतिस्थापित नहीं किया जाना चाहिए। बांग्लादेश उस ऐतिहासिक यथार्थ से दूर भागने की कोशिश रहा है जब भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उसके उदय को आकार दिया था। 1971 में भारत द्वारा निभाई गई निर्विवाद भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक करोड़ से ज्यादा शरणार्थियों को शरण देना, महत्वपूर्ण सैन्य सहायता प्रदान करना और यहां तक कि बंगाली आबादी की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी पंचवर्षीय योजना को स्थगित करने जैसे योगदान को कोई एहसान-फरामोश और घृणित नस्ल ही भुला सकती है। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर बैठी जमात ने अपनी नस्ल दिखा दी है। भारत ने बांग्लादेश के आंतरिक आर्थिक संकट के समय में भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग किया। जबकि भारत का समर्थन और सहयोग किसी भी लेन-देन का नहीं था। यह नैतिक और मानवीय था।

फिर भी, आज उस बलिदान और 1971 की भावना बांग्लादेश की राष्ट्रीय स्मृति से

भारत के तीन शत्रुओं का पिछलग्गू बनने को तैयार यूनुस

धुंधली होती दिख रही है, क्योंकि वह उन देशों को तेजी से गले लगा रहा है जो कभी उसके निर्माण के खिलाफ थे और अब इस क्षेत्र में भारत के हितों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में, भारत के उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्षों के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के समय जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तब चीन भारत के बारे में पाकिस्तान को लाइव जानकारी दे रहा थी। पहले हमारी दो सीमा थी और दो विरोधी थे पाकिस्तान और चीन। लेकिन वास्तव में भारत के चार शत्रुओं का चेहरा उजागर हुआ। पाकिस्तान, चीन के साथ तुर्की और बांग्लादेश। अब भारत की तीन सीमा पर दुश्मन बैठा हुआ है। पाकिस्तान और चीन भारत का सबसे पहला शत्रु है। पाकिस्तान को चीन हर संभव उकसावा और हर संभव मदद दे रहा है। तुर्की ने भी चीन की तरह ही भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ दिया और अब बांग्लादेश उन्हीं तीनों को अपना आका मान कर उसका पिछलग्गू बना हुआ है। जबकि बांग्लादेश को पैदा भारत ने किया है।

चीन, पाकिस्तान और तुर्की की तिकड़ी भारत के सामरिक हितों को कमजोर करने के लिए मिलकर काम कर रही है। अब बांग्लादेश भी इन्हीं शैतानी शक्तियों के साथ मिल कर भारत विरोधियों की चौकड़ी बनाने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में जुलाई 2025 में, तुर्की के शीर्ष रक्षा अधिकारी ▶10 पर

चीन के राष्ट्रपति से मिले भारत के विदेश मंत्री

हाथ से हाथ मिले आंख से आंख

बीजिंग, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच बीते कुछ वर्षों से चले आ रहे सीमा तनाव के बीच एक सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह पहला मौका था जब जयशंकर ने सीमा पर हालिया तनाव कम होने के बाद शी जिनपिंग से सीधे बात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंधों में हाल के सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेताओं का रुख इस संबंध में काफी अहम रहा है और रिश्तों को नई दिशा देने में मदद

राष्ट्रपति शी जिनपिंग से हुई सीधी बात

तनाव कम करने की सकारात्मक पहल

कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और इसके पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी से भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की हुई मुलाकात के बाद दोनों देशों को यह महसूस हो रहा है कि सीमा को लेकर दोनों देशों में तनाव कम हुआ है। चीन के समक्ष यह स्पष्ट हुआ है कि भारत-चीन के संबंध दुनिया के लिए कितने अहम हैं। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले नौ महीनों में हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की दिशा में अच्छी प्रगति की है। यह सीमा पर तनाव के समाधान और वहां शांति बनाए रखने की हमारी क्षमता का परिणाम है। यही पारस्परिक रणनीतिक विश्वास और संबंधों के सहज विकास की बुनियाद है। अब जरूरी है कि हम सीमा से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी ध्यान दें, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है। विदेश मंत्री ने कहा, ▶10 पर

अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए अंतरिक्ष यात्री

यह गगनयान मिशन में मील का पत्थर है

वाशिंगटन, जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 20 दिन अंतरिक्ष में और 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताने के बाद अपने अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आज धरती पर सकुशल लौट आए। शुभाशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरा। शुभांशु शुक्ला का यान सोमवार शाम करीब 4.45 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अनडॉक हुआ था।

शुभांशु शुक्ला की धरती पर सकुशल वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह गगनयान मिशन की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक

शुभांशु शुक्ला पर पूरे देश को गर्व: पीएम मोदी

कामयाब हुआ ऐतिहासिक एक्सिओम मिशन-4

अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है। परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग के केंद्रीय राज्यमंत्री मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, भारत ने आज अंतरिक्ष की दुनिया में सचमुच एक स्थायी स्थान प्राप्त कर लिया है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है क्योंकि हमारा एक यशस्वी पुत्र सफल यात्रा पूरी करके वापस लौट आया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला से बात की और शुभांशु की ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण निर्देश

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर लगेगा पोषण-लेबल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को पैकेज्ड फूड पर फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबल को लागू करने का निर्देश दिया है। एफओपी पोषण लेबल उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद करती है कि कोई उत्पाद कितना स्वस्थ है। एफएसएसएआई एक स्वायत्त निकाय है, जो भारत में खाद्य सुरक्षा और मानकों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह सुनिश्चित करता है कि देश में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थ सुरक्षित और स्वस्थ हैं। फ्रंट-ऑफ-पैक (एफओपी) पोषण लेबल, खाद्य पदार्थों के पैकेज के सामने की तरफ दी गई जानकारी है, जो उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद करती है कि कोई उत्पाद कितना स्वस्थ है। यह जानकारी अक्सर एक सरल, संक्षिप्त और ग्राफिक प्रारूप में प्रस्तुत की जाती है, जैसे कि रंग-कोडित प्रणाली या ▶10 पर

आधुनिक शैली में मजबूत किए जाएंगे सीमा पर बसे गांव

म्यांमार से सटे अरुणाचल के 66 गांवों में काम शुरू

ईटानगर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल की सीमा से लगे गांवों को मजबूत किया जाएगा। सीमा से लगे गांवों में सुरक्षा से लेकर तकनीक, सड़क, सम्पर्क सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत की जाएंगी। सीमावर्ती गांवों को पर्यटन के रूप में भी विकसित किए जाने का काम शुरू हो रहा है। इस योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में सीमा पर स्थित गांवों के मजबूतीकरण का काम किया जा रहा है। चीन-म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश के 66 गांवों और पाकिस्तान सीमा पर जम्मू कश्मीर के 124 सीमावर्ती गांवों को को इस प्रोजेक्ट में लिया गया है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि ये गांव सीमावर्ती राज्य के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों में हैं। इनमें

जम्मू कश्मीर के 124 सीमावर्ती गांवों का होगा विकास

से 42 गांव चांगलांग जिले में हैं, तो 13 लोंगडिंग में और 11 तिरप जिले में हैं। खांडू ने इस पहल को आखिरी छोर तक विकास की पहल बताते हुए कहा कि इन गांवों में सड़क, दूरसंचार, बिजली, आजीविका और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीएम ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के म्यांमार की सीमा से सटे 66 गांव अब केंद्र के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) के तहत संवारे जाएंगे।

अरुणाचल प्रदेश के अधिकारियों के मुताबिक, वीवीपी का उद्देश्य आजीविका, बुनियादी ढांचे, पर्यटन, कौशल विकास, सड़क, दूरसंचार, आवास और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कनेक्टिविटी की कमियों को दूर करना है ताकि यहां के लोगों को सीमावर्ती गांवों में रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। केंद्र सरकार ने 15 फरवरी, 2023 को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के पहले चरण में भारत-भूटान और भारत-तिब्बत सीमा पर 455 गांवों को विकसित करने की मंजूरी दी थी। इनमें से 135 गांव अभी भी संपर्क से वंचित हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक, वीवीपी के तहत विकास के लिए चुने गए गांवों में लोंगडिंग ▶10 पर

राहुल गांधी द्वारा सेना पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला

लखनऊ कोर्ट में राहुल ने किया समर्पण, मिली जमानत

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में एनबीडब्लू जारी होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लखनऊ में एमपी-एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत में लिया। इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के बाद 20-20 हजार के दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी गई। यह मुकदमा उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है।

एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया था। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,390/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,13,880/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 22°

भारत-नेपाल सीमा पर भारत विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों का डेरा

गंदी गतिविधियों के लिए दक्षिण भारत से आ रहा मोटा धन

मस्जिद, मदरसे, मजार, धर्मांतरण और लव जेहाद बस यही काम

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर मस्जिद-मदरसे बनाने और धर्मांतरण के खेल के लिए दक्षिण भारत की से फंडिंग हो रही थी। यह फंडिंग सैकड़ों करोड़ में है। नकद के अलावा यह फंडिंग यूपीआई के जरिए भी हुई है। आयकर विभाग की एक गोपनीय रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। आयकर विभाग की शुरुआती जांच में 150 करोड़ की फंडिंग के सुराग भी मिले हैं। इसका इस्तेमाल अवैध धर्मांतरण के साथ मस्जिद, मदरसे और मजारें बनाने में किया जा रहा है।

आयकर विभाग ने गृह मंत्रालय को यह विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। इस रिपोर्ट में फंडिंग के अलावा रिपोर्ट में नेपाल से सटे जिलो में मुस्लिम आबादी बढ़ने की भी जानकारी है। इनमें श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर जैसे जिले शामिल

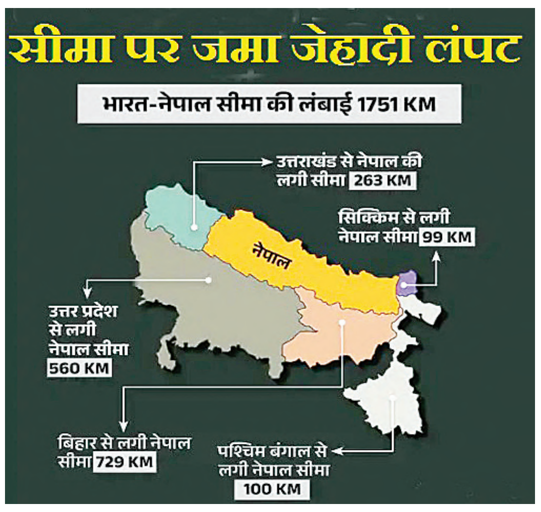

हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कई जिलों के गांवों में मुस्लिम आबादी बढ़ी है तो वहीं हिंदू आबादी घटी है। नेपाल सीमा के जिलों की डेमोग्राफी बदलने का यह अभियान बीते एक दशक से ज्यादा समय से चल रहा है। इसमें कई एंगल से जांच चल रही है।

नेपाल से सटे रक्सौल, रुपईडीहा, बढ़नी आदि इलाकों में 2000 के नोट अवैध तरीके से बदले जा रहे थे। इसकी सूचना पर आयकर विभाग अलर्ट हुआ और छापेमारी की। विभाग ने बड़े स्तर पर बैंक खातों में ट्रांजेक्शन की जांच की, जिसमें यूपीआई के जरिए संदिग्ध खातों में करोड़ों रुपए के लेन-देन की जानकारी लगी। आयकर विभाग की शुरुआती जांच में 150 करोड़ की फंडिंग के सुराग भी मिले हैं। इसका इस्तेमाल अवैध धर्मांतरण के साथ मस्जिद, मदरसे और मजारें बनाने में किया जा रहा है। जांच में एक मुस्लिम व्यक्ति के बैंक खाते में करीब 12 करोड़ पहुंचे थे, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

राग और द्वेष ये ही कर्म के दो बीज हैं: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित पूज्य साध्वी निर्मलाजी के सानिध्य में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी उपासना ने कहा कि संसार में सुख और दुख दोनों ही हमारे जीवन में आते हैं। इनका मूल कारण हमारे अपने पुण्य और पाप हैं, जो कर्मों के आधार पर ही बंधते हैं।

जैसे बिना बीज बोए वृक्ष नहीं उगता, वैसे ही बिना कर्म किए उसके फल नहीं मिलते। उन्होंने समझाया कि राग और द्वेष ये ही कर्म के दो बीज हैं। जैसे घड़ी का पहला घंटा हमे बताता है कि आत्मा एक है वैसे ही घड़ी का दूसरा घंटा हमें यही सिखाता है कि राग और द्वेष, दोनों से हमे बचना चाहिए। जब ये दोनों बीज समाप्त हो जाते हैं, तभी आत्मा कर्मों के बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि राग अत्यंत सूक्ष्म लेकिन गहरे बंधन वाला होता है, जो जड़ और चेतन दोनों से जुड़ जाता है।

वहीं द्वेष मुख्यतः चेतन के प्रति होता है। त्याग से ही राग का शमन होता है। जब जीवन में त्याग आता है, तब राग समाप्त होता है। जहां राग नहीं, वहां द्वेष नहीं और जहां द्वेष नहीं, वहां कर्म नहीं और जहां कर्म नहीं, वहीं आत्मा का मोक्षद्वार खुलता है। यदि हम राग रूपी अग्नि को शांत कर दें, तो द्वेष की ज्वाला स्वतः शांत हो जाती है। इस बंधन से मुक्ति के लिए उन्होंने त्याग को प्रमुख उपाय बताया। प्रवचन के अंतिम दौर में उन्होंने वाणी के प्रभाव पर भी विशेष प्रकाश डाला। एक मधुर वाणी परिवार को स्वर्ग बना सकती है, जबकि कटु वाणी पूरे परिवार का पतन कर सकती है। वाणी ही दीवार का काम करती है, और वाणी ही द्वार खोलती है। अंत में साध्वी उपासना ने चित्तौड़ की रानी पद्मावती, जो भारतीय इतिहास में सौंदर्य, शौर्य और आत्मबलिदान का अप्रतिम उदाहरण है, की प्रेरणादायक कथा से श्रृंखला को आगे बढ़ाया। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। साध्वी नंदिनी ने चौमुखी नवकार महामंत्र जाप की अखंड साधना जो प्रतिदिन दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक गतिमान है की जानकारी दी। धर्म सभा में उप-स्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रवचन के पश्चात साध्वी निर्मलाजी ने मांगलिक एवं आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर कोप्पल से श्रेणिक सुराणा व बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुगण मौजूद रहे। हेमा नवीन मुणोत ने सात उपवास के पच्चक्खान लिए। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

हनुमंतनगर एचबीएसटी की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर एचबीएसटी की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में रविवार को आयोजित किया गया। प्रातः 11.30 बजे मंगला-चरण के साथ ही साधारण सभा की कार्यवाही प्रारम्भ हुई। अध्यक्ष गौतम दक ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया।

पूर्व मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने गत साधारण सभा की कार्यवाही को सभा पटल पर रखा। तत्पश्चात मंत्री हेमराज मांडोत ने वर्ष 2024-2025 का वार्षिक मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष नाथूलाल बोल्या ने आय व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बोहरा, पूर्व अध्यक्ष तेजमल सिंघवी, उपाध्यक्ष मुकेश मेहता, गौतम कातरेला, सह मंत्री राजेश मारू, आर. महावीर देरासरिया, संगठन मंत्री नवरतन बोहरा, परामर्शक रोशन मांडोत, प्रकाश देरासरिया, उदयलाल कटारिया, लक्ष्मीलाल कटारिया का पूरा सहयोग रहा। कार्य समिति सदस्य महावीर भटेवरा, प्रकाश गांधी, हेमराज लोढ़ा, भंवरलाल संचेती, शांतिलाल बोल्या, पूनमचंद बोल्या, शांतिलाल मांडोत, गणेशलाल मांडोत, माणकचंद दक, माणकचन्द खाब्या, पुखराज कटारिया, दिलीप गांधी, राजेश सामरा, संपत पोरवाल, महावीर पोरवाल, संपत मांडोत, मुरलीधर सिंघवी सहित अनेक ट्रस्टी गण उपस्थित रहे।

राजराजेश्वरी नगर किशोर मंडल 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन में हुआ शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की ओर से अहमदाबाद में आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित तीन दिवसीय 20वें राष्ट्रीय किशोर मंडल अधिवेशन में राजराजेश्वरी नगर से 11 सदस्यों ने साध्वी श्री पुण्ययशा जी का मंगल पाथेय एवं मंगल पाठ प्राप्त कर भाग लिया। तेयुप अध्यक्ष विक्रम मेहर ने किशोरों का उत्साह बढ़ाते हुए विशेष अवसर का पुरा लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

यह अधिवेशन सभी के लिए ज्ञानवर्धक हो यही सभी के प्रति मंगल कामना की। किशोर मंडल ने अधिवेशन में विशेष काउंटर लगाकर एक्सप्लोर विद एआई नामक पुस्तक के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तनों की जानकारी दी। मंडल की ओर से तेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, महामंत्री अमित नाहटा, किशोर मंडल राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा, गायक रिशी दुगड़, प्रतीका लुणिया आदि को यह पुस्तक भेंट की गई। इस अवसर पर सदस्यों ने आचार्य श्री महाश्रमण, मुनि महावीर कुमार, योगेश मुनि, साध्वी प्रमुखा श्रीजी एवं साधु साध्वी आदि के दर्शन किए। आचार्य महाश्रमण जी के विशेष दर्शन कर एआई नामक पुस्तक और तुलसी संगीत सुधा एवं तेयुप द्वारा प्रकाशित स्वर सरिता बुक भेंट की गई। राजराजेश्वरी नगर किशोर मंडल प्रभारी महावीर पितलिया, संयोजक नमन छाजेड़ और अन्य सदस्यों ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह अधिवेशन प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विपुल जैन ने दी।

मेगा आई कैंप के बैनर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) के तत्वावधान में मिशन दृष्टि 2025 के अंतर्गत शुक्रवार को एक दिवसीय मेगा आई कैंप का भव्य आयोजन देशभर में किया जाएगा। यह सेवा प्रकल्प 101 स्थानों पर एक साथ आयोजित होगा, जिसका उद्देश्य एक ही दिन में एक लाख से अधिक छात्रों की नेत्र जांच करना एवं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है। यह सेवा कार्य अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम है, जो समाज सेवा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस महाअभियान के शुभारंभ से पूर्व, गांधीनगर सभा भवन, बेंगलूरु में मिशन दृष्टि के बैनर का विधिवत विमोचन मुनिश्री डॉ. पुलकित कुमार जी एवं मुनि आदित्य कुमार जी के पावन सान्निध्य में हुआ। इस आयोजन की अध्यक्षता टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत ने की। इस अवसर पर दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, सचिव वर्षा जैन, ज्ञानशाला प्रमुख तथा टीपीएफ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। मिशन दृष्टि विशेषतः स्कूली छात्रों एवं ऐसे बच्चों पर केंद्रित है जिन्हें प्राथमिक स्तर पर नेत्र जांच की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य के प्रति सजगता लाने एवं नेत्र रोगों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रेरणादायी आयोजन में 200 से अधिक श्रावक-श्राविका समाज की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन को विशेष समर्थन एवं ऊर्जा प्राप्त हुई।

भक्ति और ज्ञान पर किसी जाति विशिष्ट का अधिकार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के सानिध्य में लोकेश मुनि जी ने व्याख्यान की शुरुआत में फरमाया कि जीने का विधान तो हर धर्म में दिखाया जाता है। लेकिन करने की कला सिर्फ और सिर्फ जैन धर्म में ही बताया गया है। अगर किसी मनुष्य ने पूरे जीवन काल में भी धर्म न किया हो तो भी सिर्फ अपने अंतिम समय में अगर वह समाधि मरण का चयन कर ले तो भी उसका भाव सुधर जाएगा। वैराग्य आने के पूर्व ही भगवान ऋषभदेव ने कथन कर दिया था कि भरत चक्रवर्ती जी को केवल ज्ञान होगा और वह मोक्ष को जाएंगे। गौतम स्वामी जी ने जितने भी श्रावकों और श्राविकाओं को दीक्षा दी उन सभी को केवल ज्ञान हुआ और गौतम स्वामी जी के प्रश्नों की वजह से ही हमें महावीर स्वामी जी के कथन की गाथाएं सुनने को मिली, जो आज आगम कहलाते हैं। पूज्य गुरुदेव ज्ञान मुनिजी ने बताया कि आचार्य हस्तीमल जी ने जैन धर्म का मौलिक इतिहास लिखा, जिसमें चार से पांच भाग थे। उसमे लिखा गया था कि भक्ति और ज्ञान पर किसी जाति विशिष्ट का अधिकार नहीं है। भक्त अगर मन की आँखों से देखे तो भगवान भी मिल जाते हैं। जो इंसान छल, कपट और ढोंग के बिना भक्ति करता हैं वही असली भक्त कहलाता हैं। चिक्कबल्लापुर से उत्तमचंद कोठारी एवं सुनील मरलेचा की उपस्थिति रही। सभा में कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया एवं सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

स्वभाव में विनम्रता, शब्दों में मिठास और कर्म में कर्तव्यनिष्ठा श्रेष्ठ संस्कारों के परिचायक: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि स्वभाव में विनम्रता, शब्दों में मिठास और कर्म में कर्तव्यनिष्ठा ये श्रेष्ठ संस्कारों के परिचायक हैं। इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि आपकी परवरिश श्रेष्ठ संस्कारों में हुई है। मनुष्य के शब्द नहीं बोलते अपितु उसका संस्कार बोलता है। शब्द किसी मनुष्य के संस्कारों के मुल्यांकन का सबसे प्रभावी और सटीक आधार होता है। कभी-कभी जीवन निकल जाने पर भी शब्दों के घाव नहीं निकल पाते इसलिए जीवन में जब भी बोला जाए मर्यादा में रहकर ही बोला जाए ताकि किसी दूसरे के द्वारा आपके संस्कारों के ऊपर कोई प्रश्न चिह्न खड़ा न किया जा सके। इसलिए थोड़ा गहराई से पढ़ने की आदत रखिएगा फिर वो चाहें शब्द हो या फिर कोई शख्स हो। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि यदि शब्दों में सहजता और नजर में सौम्यता है तो विश्वास करे, सम्मान और शुभचिंतको की कोई कमी नहीं होगी। शंखेश्वर भगवान की आरती और मंगल दीपक का लाभ संघवी घेवरचंद, चुन्नीलाल परिवार एवं गुरुदेव की आरती श्रीप-ालकुमार, मोहनलाल परिवार ने लिया। मुबंई से ललित कुमार, चरली, राजेश जैन, अंजना जैन, रंजन जैन का सम्मान श्री शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ की ओर से किया गया। जाप का लाभ अनिल कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार एवं आशापुरा गारमेंट ने लिया। वियासणा का लाभ उषा कुमारी, शेषमल धाणसा ने लिया। संघ अध्यक्ष पूनमचंद जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् हासन द्वारा तेरापंथ भवन, गाँधी नगर, बेंगलूरु में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। आचार्य श्री महाश्रमणजी के विदुषी सुशिष्य मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का संचालन तेरापंथ युवक परिषद, गांधी नगर (बेंगलूरु) के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने कुशलता पूर्वक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ, उसके पश्चात विजय-गीत और श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। संस्कारक अमित भंडारी ने जैन विधि के अनुसार अत्यंत सुंदर एवं सुसंगठित विधि से शपथ ग्रहण सम्पन्न करवाया। पूर्व अध्यक्ष गौरव गुलगुलिया ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष नितेश सुराणा को शपथ दिलाई। तत्पश्चात नितेश ने अपनी नवनिर्मित कार्यकारणी टीम को शपथ ग्रहण करवाई। मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हासन युवक परिषद पहले से ही सक्रिय है, और इस नई टीम के गठन से परिषद नई ऊँचाइयों को स्पर्श करे और एबीटीवाईपी के निर्देशानुसार सभी कार्य सफलता पूर्वक करें। अंत में प्रसन्न धोका ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ अखिल भारतीय वचन साहित्य एवं सांस्कृतिक परिषद बेंगलूरु द्वारा मैसूरु रोड स्थित पूर्णिमा पैलेस में आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन समारोह में गौ सेवा के लिए महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष थिम्मप्पा एवं विभिन्न मठों के मठाधीश मौजूद रहे।

16वां रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अपने मानव सेवा प्रयासों के तहत रक्तदान अभियान - आशा की बूंद को आगे बढ़ाते हुए रविवार को शहर के यशवंतपुर स्थित प्लैटिनम सिटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 3-4 घंटे चले इस शिविर में 15 यूनिट रक्त एकत्र हुआ, जबकि इस वित्तीय वर्ष में शाखा द्वारा एकत्रित कुल 16 शिविर में रक्त यूनिट की संख्या 822 तक पहुँच चुकी है। प्रत्येक शिविर में गो-ग्रीन प्रकल्प के तहत पहली बार रक्तदान करने वाले दाताओं और नारायणा हृदयालय की टीम को एक पौधा भेंट कर पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने सभी शिविर प्रबंधक कुशल दिनोदिया एवं योगेश जिंदल को उनके आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। शाखा संयोजक सौरभ रूंगटा ने प्रांतीय अधिकारी श्याम जालान एवं शाखा उपाध्यक्ष गौरांग गुप्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य प्रशांत दायमा के साथ की भरपूर सराहना की। उन्होंने सेवा प्रयास पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमारे इन प्रयासों से मानवता को जीवनदान की सेवा मिलती है और कहा की अगले सप्ताह भी 2 और शिविर लगाए जा रहे है। उन्होंने नारायणा हृदयालय की टीम का भी आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ विप्रकुटा बेंगलूरु द्वारा बसवेश्वरा नगर स्थित श्री अवनी शंकर मठ में तीसरा वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। हिंदुत्व जाति या संप्रदाय नहीं मैत्री सद्भावना एवं देश प्रेम का नाम है। विप्रकुटा के नागराज, सुरेश, मोहन, रमेश एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सरकारी सम्मान के साथ अभिनेत्री सरोजादेवी का हुआ अंतिम संस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कन्नड़ की पहली सुपरस्टार अभिनेत्री, प्रतिष्ठित पद्मभूषण पुरस्कार विजेता बी. सरोजादेवी, जिन्होंने दशकों तक कई भाषाओं में अभिनय किया, का अंतिम संस्कार बेंगलूरु दक्षिण जिले के चन्नपटना तालुक स्थित उनके पैतृक गाँव दशवारा में वोक्कालिगा परंपरा के अनुसार पूरे सरकारी सम्मान के साथ किया गया। उनके पुत्र गौतम ने अंतिम संस्कार किया। 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय के बाद दक्षिण भारत की सबसे सफल अभिनेत्री के रूप में जानी जाने वाली सरोजादेवी अब केवल एक स्मृति बनकर रह गई हैं। सरोजादेवी की अंतिम इच्छा के अनुसार, उनके पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर में दफनाया गया और दशवारा स्थित उनके बगीचे वाले घर में उनकी माँ रुद्रमा की समाधि के बगल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। चन्नपटना के विधायक सी.पी. योगेश्वर सहित

कई गणमान्य व्यक्ति अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे पहले सुबह, मल्लेश्वरम स्थित उनके आवास पर गणमान्य लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, जमीर अहमद और कई फिल्मी हस्तियों ने दिवंगत अभिनेत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, मल्लेश्वरम स्थित उनके आवास से एक विशेष वाहन में उनके गृहनगर तक एक जुलूस निकाला गया। जैसे ही पार्थिव शरीर शहर की मुख्य सड़कों पर पहुँचा, प्रशंसकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। वाहन बेंगलूरु के मल्लेश्वरम से रवाना हुआ और मैसूरु-बेंगलूरु एक्सप्रेसवे से होते हुए रामनगर पहुँचा। फिर, वहाँ से चन्नपटना पहुँचने पर जनता के दर्शन की अनुमति दी गई। वहाँ के स्थानीय लोगों ने इस दिग्गज अभिनेत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में जनता को गांधी भवन में एक घंटे के लिए उनके दर्शन की अनुमति दी गई। पुलिस ने पूरे सरकारी सम्मान के साथ दिग्गज अभिनेत्री को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए हवा में तीन राउंड सलामी दी।

कन्नड़ सिनेमा की वरिष्ठ अभिनेत्री बी. सरोजादेवी ने मृत्यु में भी सार्थकता प्राप्त की है। व्यक्ति की पाँच इंद्रियों में आँखें सबसे महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने अपनी आँखें दान करके नेत्रहीनों को दृष्टि प्रदान की है और उनके जीवन में उजाला लाया है। उन्होंने बेंगलूरु के नारायण नेत्र चिकित्सालय को अपनी आँखें दान की थीं। इसके बाद, डॉक्टरों की एक टीम मल्लेश्वरम स्थित उनके घर पहुँची और नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की।

उनके पति, अभिनेता डॉ. राजकुमार, पुनीत राजकुमार ने भी नेत्रदान किया था। पुनीत राजकुमार के असामयिक निधन के बाद, उनकी आँखें नारायण नेत्र चिकित्सालय में दो नेत्रहीन लोगों को प्रत्यारोपित की गईं। इसके माध्यम से, पुनीत राजकुमार उन दोनों के जीवन में एक प्रकाश बन गए हैं। अब, राजकुमार और पुनीत के पदचिन्हों पर चलते हुए, सरोजादेवी ने भी अपनी आँखें दान कर अपनी जीवन यात्रा पूरी कर ली है। बी. सरोजा देवी का जन्म 7 जनवरी, 1938 को हुआ था। उन्होंने 17 साल की उम्र में फिल्म महाकवि कालिदास से कन्नड़ फिल्म उद्योग में प्रवेश किया।

वरिष्ठ अभिनेत्री सरोजा देवी को भी कई पुरस्कार मिले थे। उन्हें 1969 में पद्मश्री और 1992 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहीं बी. सरोजादेवी ने सोमवार सुबह बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। लगभग 6 दशकों तक फिल्म उद्योग की सेवा करने वाली सरोजादेवी ने न केवल कन्नड़, बल्कि तमिल, तेलुगु, हिंदी और मलयालम भाषाओं में भी अभिनय किया था। उन्होंने 5 भाषाओं में 200 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया था।

सिद्धरामैया ने दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 87 वर्षीय अभिनेत्री का सोमवार को आयु संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। उन्होंने कहा मैं अपनी और कर्नाटक सरकार की ओर से उनकी आत्मा की शांति और उनके परिवार के सदस्यों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। सिद्धरामैया ने यह भी घोषणा की कि उनके अंतिम संस्कार में राजकीय सम्मान दिया जाएगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने उनके निधन को पूरे फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ी क्षति बताया। सिद्धरामैया ने कहा बी. सरोजा देवी ने बहुत ही कम उम्र में फिल्म उद्योग में प्रवेश किया और लगभग 70 वर्षों तक इस क्षेत्र में अपनी सेवाएँ दीं। कम उम्र में ही उन्हें 'अभिनय सरस्वती' की उपाधि मिल गई और वे एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री बन गईं, जिन्होंने कन्नड़, तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने आगे कहा कि सरोजा देवी ने अपने निभाए किरदारों में जान डाल दी और अपने दौर के प्रमुख अभिनेताओं, जैसे एम. जी. रामचंद्रन, एन. टी. रामाराव, शिवाजी गणेशन, दिलीप कुमार, देव आनंद, राजेंद्र कुमार, अक्किनेनी नागेश्वर राव और डॉ. राजकुमार के साथ अभिनय किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरोजा देवी ने कन्नड़ फिल्म उद्योग के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कई मौकों पर सरोजा देवी से हुई मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने याद करते हुए कहा वह हमेशा गर्मजोशी और स्नेह से भरी रहती थीं। मैंने उनकी कुछ यादगार फिल्में जैसे कित्तूर रानी चेन्नम्मा, भाग्यवंतालु, बब्रुवाहन और न्यायवे देवरु भी देखी हैं।

दृष्टिबाधित यात्रियों के लाभ के लिए ध्वनि पहचान उपकरण स्थापित करने की परियोजना शुरू

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य परिवहन विभाग ने दृष्टिहीन यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए एक नई पहल की है और परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने परिवहन बसों में वॉइस पल्स डिवाइस लगाने की परियोजना का शुभारंभ किया। परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने मैसूरु सिटी बस स्टेशन पर इस नई परियोजना का शुभारंभ किया। दृष्टिहीन यात्रियों की सुविधा के लिए, परिवहन बसों में एक वॉइस पल्स डिवाइस लगाया गया है। यह डिवाइस एक वॉइस एम्पलीफायर के माध्यम से मार्ग की जानकारी प्रदान करेगा। यह एक ऐसा उपकरण है जो दृष्टिहीन लोगों को बस स्टॉप तक पहुँचाएगा। यह बस स्टॉप के 30 मीटर के दायरे में बसों की जानकारी प्रदान करेगा। मैसूरु शहर के 77 मार्गों पर 200 से अधिक बसों में यह डिवाइस लगाया गया है। लॉन्च के बाद बोलते हुए, मंत्री रामलिंगारेड्डी ने कहा रेडियो फ्रीक्वेंसी वॉइस एम्प्लीफायर के जरिए बस की लोकेशन का पता लगाना एक उपलब्धि है। हम नेत्रहीनों की सुविधा के लिए बसों में नई तकनीक लेकर आए हैं। बस का बटन दबाने पर आपको बस कहाँ जा रही है, इसकी जानकारी मिल जाएगी। यह

व्यवस्था दिल्ली और मुंबई में पहले से ही है। अब हमने मैसूरु में इस व्यवस्था को बड़े पैमाने पर लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था 200 बसों में पहले ही लागू हो चुकी है। सितंबर के बाद राज्य में कोई क्रांति नहीं होगी, कोई मुख्यमंत्री नहीं बदला जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सब कुछ बंद कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि मैं पाँच साल तक मुख्यमंत्री रहूँगा। उपमुख्यमंत्री ने भी कहा है कि मैं पार्टी की बात मानूँगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए अच्छा होगा कि हमारे विधायक और मंत्री इस बारे में बार-बार न बोलें। सुरजेवाला ने विधायकों की रिपोर्ट माँगी है। मुझे नहीं पता कि आपने किस मंत्री के बारे में शिकायत की है। रामलिं-गारेड्डी ने कहा कि पार्टी आलाकमान इसे ठीक कर देगा। कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा सिद्धरामैया को बाहर से आकर दो बार मुख्यमंत्री बनाने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, रामलिंगारेड्डी ने कहा चाहे वह कहीं से भी आए हों, वह अब एक कांग्रेसी नेता हैं। वह एक लोकप्रिय नेता थे। इसीलिए वह मुख्यमंत्री बने। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में लोगों के लिए अच्छा काम किया है। शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री रामलिंगारेड्डी ने कहा शिवकुमार जन्मजात कांग्रेसी हैं और अपने छात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। वह मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन हमें नहीं पता कि कब। उन्होंने कहा कि इसके लिए भी समय आएगा।

कर्नाटक नशे का स्वर्ग बनता जा रहा है: एन. रविकुमार

उद्योग को महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक एक तरह से नशे का स्वर्ग बनता जा रहा है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक एक तरह से नशे का स्वर्ग बनता जा रहा है। यह अफसोस की बात है कि कर्नाटक उन राज्यों की सूची में शामिल हो रहा है जहाँ नशे ने पूर्वोत्तर राज्यों और पंजाब के युवाओं का जीवन बर्बाद कर दिया है। कलबुर्गी, बेंगलूरु, मेंगलूरु- सभी जिलों में नशे की बहुतायत पाई जा रही है। नशे की बरामदगी की खबरें हफ्ते में एक बार सुर्खियाँ बन रही हैं। कलबुर्गी में, कांग्रेस के गुलबर्गा साउथ ब्लॉक के अध्यक्ष, एक प्रमुख नेता प्रियांक खड़गे और विधायक अल्लामा प्रभु पाटिल के करीबी लिंगराज कन्नी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत है कि वह कई सालों से नशे के धंधे में शामिल था। उन्होंने आर-ोप लगाया कि मल्लिनाथ सोंथ का बेटा भी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था और वह भी कांग्रेस

कार्यकर्ता था। उन्होंने आपत्ति जताई कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे का करीबी है। 120 प्रतिबंधित बोतलें मिली हैं। वे इसे ले जा रहे थे।

जानकारी है कि इसे लाखों रुपये में बेचा जा रहा था। प्रियांक खड़गे के आस-पास के लोग किस तरह के सुनहरे चेले हैं, जो भाजपा और उसके उम्मीदवारों पर व्यंग्य कर रहे थे? अब आप बताएं कि आपकी कांग्रेस पार्टी में किस तरह के सुनहरे नेता हैं। क्या कलबुर्गी गणराज्य में पुलिस संरक्षण और निगरानी में मादक पदार्थों की तस्करी हो रही थी? उन्होंने मांग की कि गृह विभाग इस संबंध में कार्रवाई करे। प्रियांक खड़गे को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कलबुर्गी जिला 50 वर्षों से खड़गे के परिवार के कब्जे में है। ड्रग्स शून्य होना चाहिए था। आप क्या कार्रवाई करेंगे। दो-तीन महीने पहले गुलबर्गा में ड्रग्स जब्त किए गए थे। तब भी किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। कन्नी की गिरफ्तारी से पहले, प्रियांक खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वे ड्रग्स के खिलाफ मुहिम चलाएँगे। अब, लिंगराज कन्नी को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्नाटक की गुलबर्गा पुलिस ने लिंगराज कन्नी को गिरफ्तार नहीं किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें शक है कि कर्नाटक पुलिस ने उन्हें इसलिए गिरफ्तार नहीं किया क्योंकि प्रियांक खड़गे और अल्लामा प्रभु पाटिल ने उन्हें संरक्षण दिया था। प्रियांक खड़गे अपने विभाग से हटकर देश के तमाम मुद्दों पर बात करते हैं। वे एक महान विद्वान हैं। नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री की बात करते हैं।

वे अमेरिका-भारत, भारत-चीन संबंधों, रक्षा विभाग की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बन जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रतिबंधित दवा की बड़े पैमाने पर तस्करी हो रही है, तो यह आश्चर्य की बात है कि वहाँ की पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वे गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस को बधाई देते हैं। कर्नाटक में टोयोटा इलेक्ट्रिक कारों का उत्प-ादन करने वाले 25,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले उद्योग को महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे 30,000 लोगों को रोजगार मिलता। प्रियांक खड़गे बताएं कि इसे क्यों स्थानांतरित किया गया है? इंफोसिस की नई शाखा हैदराबाद स्थानांतरित कर दी गई है।

एप्पल के फॉक्सकॉन ब्रांड को तमिलनाडु स्थानांतरित कर दिया गया है। क्यों? क्या ये कर्नाटक में नहीं होने चाहिए, जहाँ सबसे कुशल और योग्य लोग हैं। वरिष्ठ उद्योगपति मोहनदास पई ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया था कि यह एक भ्रष्ट सरकार है। कलबुर्गी में सरकार के प्रशासन की जाँच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रियांक खड़गे के काम के लिए जवाबदेह होना चाहिए। देश में गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनाने वाले मंत्री नितिन गडकरी हैं। गडकरी ने वह काम किया है जो 50-60 सालों से नहीं हुआ। उन्होंने सराहना व्यक्त की कि उन्होंने कर्नाटक में सिगंडूर पुल की आधारशिला रखी और बहुत कम समय में उसका निर्माण और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रतिदिन 7-8 किलोमीटर राजमार्ग का काम होता था। अब यह बढ़कर 34 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर इतना कुशल व्यक्ति कर्नाटक आता है, तो वह यह बहाना बनाकर कार्यक्रम में शामिल नहीं होते कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने आलोचना की कि यह सिर्फ एक बहाना है। वर्तमान में क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएँ 3 लाख करोड़ रुपये की हैं। उन्होंने कहा कि गडकरी ने कहा था कि वह कर्नाटक में 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। उन्होंने गडकरी के विभाग से मुख्यमंत्री को लिखे पत्र दिखाते हुए कहा कि सांसद राघवेंद्र का पत्र भेजा गया था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिप्रकाश चोमरमाने ने कहा कि उन्होंने कम से कम ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूसरा पत्र भेजा था। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री का पलायन था। उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि वह इसलिए भागे हैं क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार पर कांग्रेसियों द्वारा लगाए गए आर-ोपों का जवाब मिल जाएगा। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अशोक गौड़ा मौजूद थे।

छात्रा पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मूडबिद्री कॉलेज के लेक्चरर समेत तीन गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, जिसने पूरे राज्य में आक्रोश फैला दिया है, दो कॉलेज व्याख्याताओं और उनके दोस्त को एक छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण कन्नड़ जिले के मूडबिद्री स्थित एक कॉलेज के संकाय सदस्यों सहित सभी आरोपियों को बेंगलूरु की मराठाहल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद हिरासत में ले लिया। एक आरोपी, जो भौतिकी का व्याख्याता है, ने कथित तौर पर छात्रा को पढ़ाई के नोट्स देने के बहाने अपने जाल में फंसाया। बेंगलूरु आने के बाद भी वह व्हाट्सऐप के जरिए उससे संपर्क में रहा। उसके विश्वास का फायदा उठाते हुए, उसने उसे इसी बहाने मराठाहल्ली स्थित अपने एक दोस्त के कमरे में फुसलाया और उसका यौन उत्पीड़न किया, बाद में उसे चुप रहने की धमकी दी।

दूसरे आरोपी, जो जीव विज्ञान का व्याख्याता है, ने भी पीड़िता पर हमला करने का प्रयास किया। जब उसने विरोध किया, तो उसने पहले आरोपी के साथ उसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और धमकी दी कि अगर वह नहीं मानी तो वह उन्हें कॉलेज में लीक कर देगा। तीसरे आरोपी, जो लेक्चरर का दोस्त है, ने कथित तौर पर पीड़िता को यह झूठा दावा करके धमकाया कि उसके कमरे में सीसीटीवी फुटेज मौजूद है और बाद में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। लगातार धमकियों का सामना करने के बाद, सदमे में आई छात्रा ने अपने परिवार को अपनी आपबीती सुनाई, जो पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से पहले उसे महिला आयोग में काउंसलिंग के लिए ले गए। आरोपियों पर आईपीसी और पॉक्सो एक्ट (अगर पीड़िता नाबालिग है) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

करकला परशुराम थीम पार्क मूर्ति घोटाला

कांसे की जगह पीतल का इस्तेमाल, आरोपपत्र दाखिल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
विवादास्पद परशुराम थीम पार्क प्रतिमा परियोजना से जुड़ा एक बड़ा खुलासा करते हुए, करकला पुलिस ने 1,231 पृष्ठों का एक विशाल आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें बहुचर्चित परशुराम प्रतिमा के निर्माण में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा किया गया है। यह आरोपपत्र तीन प्रमुख व्यक्तियों - मूर्तिकार कृष्ण नाइक, उडुपी निर्मिति केंद्र परियोजना निदेशक अरुण कुमार और इंजीनियर सचिन वाई कुमार - के खिलाफ करकला अदालत में पेश किया गया है। तीनों पर आपराधिक षडयंत्र, विश्वासघात, धोखाधड़ी और सबूत नष्ट करने का आरोप लगाया गया है। कृष्णा शेट्टी द्वारा दर्ज कराई गई

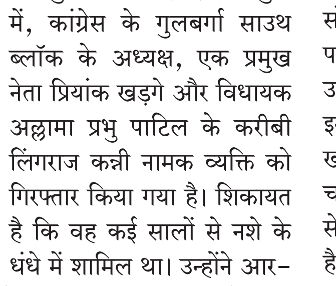

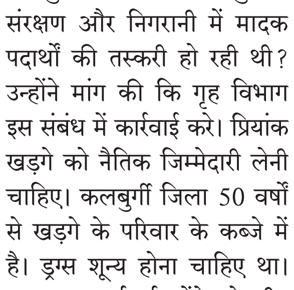

शिकायत के बाद 21 जून, 2024 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, कृष्ण नाइक के संगठन, कृष आर्ट वर्ल्ड, को करकला तालुका में स्थित थीम पार्क के लिए भगवान परशुराम की एक कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए उडुपी निर्मिति केंद्र से धन प्राप्त हुआ था। हालाँकि, बाद में यह आरोप लगाया गया कि प्रतिमा कांसे की बजाय पीतल - एक सस्ती धातु - का उपयोग करके बनाई गई थी, जिससे सरकार को धोखा हुआ। विशेषज्ञ निरीक्षण और विस्तृत जाँच से पुष्टि हुई कि मूर्ति वास्तव में पीतल की बनी थी, काँसे की नहीं। इसके अलावा, जाँच से यह भी पता चला कि परियोजना निदेशक और इंजीनियर, दोनों ही आधिकारिक कार्य आदेश में उल्लिखित कई महत्वपूर्ण शर्तों का पालन करने में विफल रहे। जाँच से एक चौंकाने वाला विवरण मूर्ति के ऊपरी हिस्से के परिवहन और भंडारण से संबंधित था। 12 अक्टूबर, 2023 को, परशुराम की मूर्ति के ऊपरी हिस्से को उमिकल पहाड़ी से हटाकर प्रगति नगर, अलेवूर स्थित निर्मिति केंद्र के शेड में रखा गया था। यह 25 फरवरी, 2024 तक वहीं रहा। हालाँकि, मूर्तिकार कृष्ण नाइक ने अधिकारियों को गुमराह किया था और झूठा दावा किया था कि मूर्ति को बेंगलूरु ले जाया गया है। महीनों की जाँच के बाद, पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुँची कि आरोपियों ने जानबूझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया, अनुबंध संबंधी दायित्वों का उल्लंघन किया और घटिया काम करके सरकार को धोखा देने के लिए साँठगाँठ की।

जगन्नाथ राव जोशी स्मृति दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जाँच आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के भगवाधारी श्री जगन्नाथ राव जोशी के स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पुष्पांजलि अर्पित की गई। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा भाजपा कार्यालय के कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। पद्मश्री से सम्मानित डॉ. विजयलक्ष्मी देशमाने ने कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में भाग लिया और उनका अभिनंदन किया गया। उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, भाजपा प्रदेश महासचिव पी. राजीव, डॉ. विजयलक्ष्मी देशमाने, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अम्बेकल्लू, संयुक्त सचिव एस.बी. विश्वनाथ, पूर्व राज्य सचिव भारती मुग्दुम, भाजपा के राज्य प्रवक्ता हरिप्रकाश चोमोरणे और अशोक गौड़ा, मीडिया विभाग के राज्य समन्वयक करुणाकर खासले, सह-संयोजक प्रशांत केदानजी, चिकित्सा प्रकोष्ठ के राज्य समन्वयक डॉ. नारायण के., रेलवे जोन उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य और चिकित्सक डॉ. लक्ष्मण और कार्यालय कर्मचारी उपस्थित थे।

विरोध के बाद सरकार ने देवनहल्ली तालुका में 1,777 एकड़ कृषि भूमि का अधिग्रहण रद्द कर दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कर्नाटक सरकार ने किसानों के विरोध के बाद, देवनहल्ली तालुका के 13 गाँवों में एयरोस्पेस पार्क के लिए 1,777 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया रद्द कर दी है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जिन्होंने मंगलवार को बेंगलूरु में किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को स्थगित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा किसानों के विरोध प्रदर्शन के 1,198वें दिन में प्रवेश करने पर की। हालांकि, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि सरकार उन किसानों की संपत्ति का अधिग्रहण करेगी

जिन्होंने परियोजना के लिए स्वेच्छा से अपनी जमीन देने की पेशकश की है, उन्हें विकसित भूमि के हिस्से जैसी ऊंची कीमतें और रियायतें देकर। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इस बात की संभावना है कि प्रस्तावित पार्क में अपने प्रतिष्ठान स्थापित करने के इच्छुक उद्योगपति पड़ोसी राज्यों का रुख करें।

उन्होंने कहा कि तब भी, सरकार ने उन किसानों के हित में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्णय लिया था जो चाहते थे कि उनकी भूमि का अधिग्रहण न किया जाए। देवनहल्ली तालुका के किसान पिछले 1,198 दिनों से चन्नरायपटना में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि उपजाऊ है और बेंगलूरु के बाजारों के निकट होने के कारण उन्हें अपनी फसलों के अच्छे दाम मिल रहे हैं। उन्होंने औद्योगिक विकास के लिए उपजाऊ भूमि के अधिग्रहण के औचित्य पर सवाल उठाया था। विभिन्न प्रगतिशील संगठनों द्वारा समर्थन दिए जाने और सरकार को उनकी मांगों की अनदेखी करने पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दिए जाने के साथ ही उनका विरोध व्यापक हो गया था। इसके जवाब में, मुख्यमंत्री ने जुलाई के पहले सप्ताह में उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की और कानूनी मुद्दों की जाँच के लिए कुछ समय माँगा। इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए अंतिम बैठक मंगलवार को हुई।

थोक्कोट्टू जंक्शन पर कृत्रिम बाढ़ से यातायात बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
थोक्कोट्टू क्षेत्र में सोमवार को हुई भारी बारिश के कारण थोक्कोट्टू जंक्शन पर कृत्रिम बाढ़ आ गई, जिससे वाहनों और पैदल यात्रियों दोनों को काफी असुविधा हुई। क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के अवैज्ञानिक निर्माण के कारण, वर्षा जल निर्धारित जल निकासी नालियों में ठीक से नहीं निकल पाया और सड़क पर बह गया। जंक्शन पर नियमित रूप से गाद निकालने की व्यवस्था न होने से स्थिति और बिगड़ गई है। लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से थोक्कोट्टू जंक्शन से चेम्बुगुड्डे तक चार लेन की सड़क के निर्माण के बावजूद, जंक्शन पर समुचित विकास न होने के कारण ऐसी समस्याएँ बार-बार आती रहती हैं।

राज्य में दिल का दौरा पड़ने से तीन और लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में दिल का दौरा पड़ने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, बल्लारी और हासन में एक छात्र, एक फैक्ट्री सुपरवाइजर और एक किसान की मौत हो गई। बल्लारी में स्कूल जाने की तैयारी कर रही 12 वर्षीय छठी कक्षा की छात्रा दीक्षा अचानक बेहोश हो गई और उसके माता-पिता उसे तुरंत संदूर के एक अस्पताल ले गए। अस्पताल ले जाते समय दीक्षा की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

इसी तरह, बल्लारी जिले के संदूर तालुका के तारानगर में 35 वर्षीय राजेश की अचानक बेहोशी छाने से मौत हो गई। जिंदल की एक फैक्ट्री में सुपरवाइजर के तौर पर काम कर रहे राजेश को

अचानक सीने में दर्द हुआ। उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक राजेश की मौत हो चुकी थी। हासन में एक किसान जो एक उत्सव से लौट रहा था, बेहोश होकर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। बेलूर तालुका के बल्लूर गाँव के आनंद (52) ने ट्रैक्टर से जमीन जोती थी और फिर उत्सव के लिए बेलूर लौट आए थे। त्योहार से सब्जियाँ और किराने का सामान खरीदकर घर लौटते समय, एगाची पुल के पास उन्हें अचानक सीने में दर्द हुआ और वे गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत बेलूर अस्पताल ले जाया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। राज्य में हर दिन किसी न किसी जगह छात्रों और युवाओं की अचानक हो रही मौतों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

कर्नाटक के 560 से ज्यादा स्कूलों में अंडे और केले का वितरण नियमित नहीं

निरीक्षण रिपोर्ट में आया सामने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को मध्याह्न भोजन के साथ अतिरिक्त पोषक तत्व के रूप में सप्ताह में छह दिन अंडे वितरित किए जा रहे हैं, और जिन छात्रों को अंडे नहीं मिलते, उन्हें केले वितरित किए जा रहे हैं। हालाँकि, एक हालिया रिपोर्ट में पाया गया है कि यह वितरण एक समान नहीं है। 560 से ज्यादा स्कूलों में वितरण अनियमित है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन फॉर डेवलपमेंट (एपीएफ) की मदद से, सितंबर 2024 से सप्ताह में छह

दिन अंडे उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए। एपीएफ निरीक्षण दल ने कर्नाटक भर के लगभग 762 स्कूलों का निरीक्षण किया, जिनमें से 568 स्कूलों में स्कूल विकास और निगरानी समितियों (एसडीएमसी) ने अंडे और केले के वितरण के संबंध में अनुचित निर्णय लिए थे। उन्होंने सप्ताह में तीन दिन छात्रों को अंडे और बाकी तीन दिन केले वितरित करने का निर्णय लिया था। कुछ अन्य स्कूलों में सोमवार और शनिवार को अंडों की जगह केले बाँटने का निर्णय लिया गया है। अभिभावकों की सहमति के बावजूद, यह पाया गया कि सप्ताह में छह दिन छात्रों को अंडों की जगह केले बाँटने का एकतरफा निर्णय लिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, तुमकुरु जिले में सबसे ज्यादा 132 स्कूल ऐसे हैं जहाँ अनियमित रूप से अंडे और केले बाँटे जा रहे हैं। इसके बाद चिक्कमगलूरु जिले में 74 स्कूल, बेंगलूरु ग्रामीण जिले में 56, कोलार जिले में 50, दक्षिण कन्नड़ जिले में 37, रायचूर में 36 और स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा के गृह जिले शिवमोग्गा में 21 स्कूल हैं। यह रिपोर्ट स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीएसईएल) को सौंप दी गई है। पीएम पोषण, शक्ति निर्माण के निदेशक ने कहा एसडीएमसी द्वारा अभिभावकों की सहमति के बावजूद, स्कूलों में सप्ताह में छह दिन की बजाय दो या तीन दिन अंडे वितरित करने का निर्णय लेना उचित नहीं है। एसडीएमसी को स्वयं ऐसे निर्णय लेने की अनुमति नहीं है। स्कूल के प्रधानाध्यापक और संबंधित अधिकारी ऐसे मामलों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और ऐसी गलत प्रथाओं को अब तक ठीक नहीं किया गया है, जिससे कर्तव्य की उपेक्षा और कार्यक्रम के हितों की उपेक्षा हो रही है। उन्होंने आगे कहा इसके परिणामस्वरूप, पोषण सहायता कार्यक्रम को गंभीर झटका लगेगा। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लिंक नहर को नहीं रोका जाएगा: मंत्री जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के प्रभारी मंत्री जी. परमेश्वर ने दोहराया कि हेमावती एक्सप्रेस लिंक नहर का काम नहीं रुकेगा। यह जारी रहेगा। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा बेंगलूरु में जिले के विधायकों के साथ एक बैठक हुई है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ कार्यस्थल का दौरा और निरीक्षण किया जाएगा। आईआईटी विशेषज्ञों की राय ली जाएगी। फिर काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि सभी को विश्वास में लेकर काम जारी रहेगा। सरकार पहले ही पैसा जारी कर चुकी है और आधा काम पूरा हो चुका है। ऐसी परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान छोटी-मोटी समस्याएँ आती हैं। उनका समाधान किया जाएगा और काम फिर से शुरू किया जाएगा। विधायक विजयानंद काशप्पनवर के 'कांग्रेस विधायकों को हाईजैक कर लिया गया है और ऑपरेशन कमल पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता।

रागद्वेष रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर मोहनीय कर्म पर विजय पाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मोहदशा को दूर करने के लिए हमें जिनवाणी श्रवण करना है।

आठ कर्मों में सबसे भारी कर्म मोहनीय कर्म है। इसकी स्थिति 70 कोटा कोटी सागरोपम है। नमो अरिहंताणं का 'न'और करेमि भंते का 'क' उनहत्तर कोटा कोटी सागरोपम की स्थिति क्षय होने के पश्चात ही हम बोल पाते हैं। सत्तर में से उनहत्तर कोटा कोटी सागरोपम पूर्ण होने पर हमारी आत्मा 'यथा प्रकृति करण' में आ जावे

तो भी यहां तक पहुंचाने के पश्चात भी हम अगर सावधानी नहीं रखेंगे तो सीधे वापस नीचे पहुंच जाएंगे। हमें पुरुषार्थ ऐसा करना है जिससे राग द्वेष रूपी शत्रुओं को पछाड़कर मोहनीय कर्म की निर्जरा करनी चाहिए। यह मोहनीय कर्म इतना बलवान है कि बड़े-बड़े महापुरुषों को भी आध्यात्मिक रूप से गिरा सकता है। अनंत आत्माओं में से एक हमारी आत्मा अव्यवहार राशि से व्यवहार राशि में आई है। हमें इस मनुष्य जीवन को ऐसे ही नहीं गंवाना है। अनंत कालचक्र के एक पुद्गल परावर्तन काल में हमें पहुंचना है। दान शील तप और भाव इन चार प्रकार से युक्त धर्म की सामायिक हमें करनी चाहिए।

हमारी आत्मा निमित्तवासी है। कभी भी एक निमित्त मिलते ही हमारे कषाय प्रकट हो जाते हैं। हमें परमात्मा का जिनशासन मिला है और शासन में हमें आसान मिला है, इसका उपयोग हमें हमारी आत्मा के कल्याण में लगाना चाहिए और अपूर्णता से पूर्णता की ओर कदम बढ़ाते हुए हमारी आत्मा का कल्याण करना चाहिए।

दो एक्सप्रेस बसों की टक्कर में कई लोग घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी-मणिपाल राजमार्ग पर एमजीएम कॉलेज के पास दो एक्सप्रेस बसों की आमने-सामने की टक्कर में कई यात्री घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मणिपाल से उडुपी जा रही एक बस के ब्रेक फेल हो गए और वह विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य निजी एक्सप्रेस बस से टकरा गई। टक्कर के कारण दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुँचा। दुर्घटना के कारण राजमार्ग के दोनों ओर भारी जाम लग गया। उडुपी यातायात पुलिस मौके पर पहुँची और यातायात जाम खुलवाया।

गुरुपुरा में घर के अंदर बंदर ने बच्चे को काटा, तीन महीने की तलाश के बाद वन अधिकारियों ने पकड़ा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गुरुपुरा के पास थेंका एडापदावु गाँव के निवासियों में उस समय दहशत फैल गई जब एक बंदर ने कुंडोडी दैवस्थान के पास एक घर में घुसकर एक सो रहे बच्चे को काट लिया। महीनों से इस जानवर पर नजर रख रहा वन विभाग आखिरकार बंदर को पकड़ने में कामयाब रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह बंदर पिछले तीन-चार महीनों से कुंडोडी इलाके में घूम रहा था और अक्सर घरों और मंदिरों के पास देखा जाता था। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे स्थिति तब और भयावह हो गई जब बंदर एक घर में घुस गया और उस समय सो रही धृति नाम की एक बच्ची को काट लिया। हमले के तुरंत बाद बंदर भाग गया। इस घटना से स्तब्ध, एडापदावु ग्राम पंचायत के निवासियों और सदस्यों ने वन विभाग में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें जानवर को पकड़ने और आगे कोई नुकसान न हो, इसके लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया। इसके जवाब में, वन विभाग ने रविवार को एक अभियान शुरू किया। उस जगह के पास जहाँ बंदर को आखिरी बार देखा गया था, चारा वाला एक जाल रणनीतिक रूप से रखा गया था। रविवार दोपहर तक, बंदर सीधे जाल में फँस गया और महीनों से चल रही उसकी भागदौड़ खत्म हो गई। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घायल बच्चे का तुरंत इलाज किया गया और अब वह खतरे से बाहर है। इसके बाद से, निवासियों ने राहत व्यक्त की है और स्थिति के और बिगड़ने से पहले बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए वन विभाग के प्रयासों की सराहना की है।

तेज हवाओं और बारिश के कारण गंगोली के पास नाव पलटने से तीन मछुआरे लापता

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कुंडापुर में मंगलवार को तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण गंगोली में माडी लाइटहाउस के पास एक मछली पकड़ने वाली नाव पलट जाने से तीन मछुआरे लापता हो गए

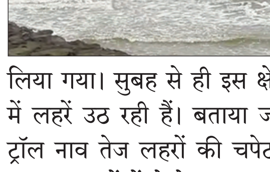

हैं। लापता मछुआरों की पहचान लोहित कर्वी (38), सुरेश खार्वी (45) और जगदीश (43) के रूप में हुई है। संतोष नामक एक मछुआरा किसी तरह बच निकला और उसे बचा लिया गया। सुबह से ही इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है और समुद्र में लहरें उठ रही हैं। बताया जा रहा है कि मछुआरों को ले जा रही ट्रॉल नाव तेज लहरों की चपेट में आने से पलट गई। नाव पर सवार चार मछुआरों में से केवल एक को ही बचाया जा सका है, जबकि तीन का अभी भी पता नहीं चल पाया है। जबकि दो मछुआरों ने डूब रहे अपने साथी को बचाने की कोशिश की, तीनों लापता हो गए। सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर मालपे की टीम वर्तमान में लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। ईश्वर मालपे ने सभी मछुआरों से आग्रह किया है कि वे मछली पकड़ने के लिए समुद्र में जाते समय सुरक्षा उपायों का पालन करें और लाइफ जैकेट पहनें। लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए खोज अभियान जारी है।

कर्नाटक में 35 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने बेंगलूरु अपराध शाखा और यातायात पुलिस विभाग के प्रमुखों के स्थान पर 35 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। कार्तिक रेड्डी, एम. एन. अनुचेथ की जगह बेंगलूरु में यातायात विभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किए गए। अनुचेथ को पुलिस उप महानिरीक्षक, भर्ती के पद पर नियुक्त किया गया है। कलबुर्गी में उत्तर पूर्वी रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक अजय हिलोरी का तबादला कर उन्हें पुलिस उप महानिरीक्षक और अपराध विभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया है। केंद्रीय अपराध शाखा के प्रमुख चंद्रगुप्त को कलबुर्गी में उत्तर पूर्वी रेंज का

पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।

सरकार ने बेंगलूरु पुलिस के तीन नव-निर्मित प्रभागों के लिए पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) नियुक्त किए हैं, नारायण एम. को इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी का डीसीपी, अनीता भीमप्पा हद्दनवर को दक्षिण पश्चिम का डीसीपी और नागेश डी. एल. को उत्तर पश्चिम का डीसीपी नियुक्त किया गया है। पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहे इडा मार्टिन मारबानियांग को पदावनत पद पर पुलिस उपमहानिरीक्षक (प्रशासन), पुलिस मुख्यालय, बेंगलूरु के पद पर नियुक्त किया गया है।

सरकार ने डॉ. अनूप ए. शेट्टी, पुलिस अधीक्षक (एसपी), आपराधिक जाँच विभाग (साइबर अपराध) का तबादला कर उन्हें बेंगलूरु शहर के पश्चिम संभाग में यातायात के पुलिस उपायुक्त के पद पर नियुक्त किया है। अक्षय मच्छिंद्रा, डीसीपी, सिटी क्राइम ब्रांच-1 (बेंगलूरु) को बेंगलूरु के मध्य संभाग में पुलिस उपायुक्त के पद पर स्थानांतरित किया गया है। श्रीहरि बाबू बी.एल., एसपी, विजयनगर को डीसीपी, क्राइम-1, बेंगलूरु शहर के पद पर नियुक्त किया गया है।

यमन में नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा टली

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में हत्या के जुर्म में जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को दी जाने वाली मौत की सज़ा भारत सरकार के प्रयासों के बाद टाल दी गई है।

सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि भारतीय अधिकारियों के प्रयासों से निमिषा प्रिया की सजा फिलहाल स्थगित हो गई है। भारतीय अधिकारी वहां के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में थे।

सूत्रों ने कहा, पता चला है कि यमन के स्थानीय अधिकारियों ने 16 जुलाई को निमिषा प्रिया को दी जाने वाली मौत की सज़ा टाल दी है। भारत सरकार इस मामले की शुरुआत से ही निमिषा के प्रति समुचित व्यवहार के लिए हरसंभव प्रयास कर रही थी। सरकार निमिषा के परिजनों को यमन में दूसरे पक्ष के साथ सहमति का कोई रास्ता निकालने की कोशिश करने और सजा को टलवाने के प्रयासों में विशेष तरीके से सहयोग कर रही थी।

सूत्रों ने बताया, मामले के संवेदनशील होने के बावजूद भारतीय अधिकारी स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ लगातार संपर्क में रहे, जिसके कारण निमिषा प्रिया की मौत की सजा टलवाने में सफलता मिली।

इस बीच, कुछ रिपोर्टों के अनुसार निमिषा के कानूनी सलाहकारों ने उसकी माफी के एवज में लगभग 8.5 करोड़ रुपये (10 लाख डॉलर) देने की पेशकश की थी। इसे स्थानीय प्रथा के अनुसार 'खूंबहा' कहा जाता है। गौरतलब है कि यमन की राजधानी सना में हूतियों का कब्जा है।

केरल के पलक्कड़ ज़िले की निवासी निमिषा (37) नर्सिंग प्रशिक्षण के बाद 2011 में यमन चली गई थी। उसे 2017 में अपने 'व्यापारिक सहयोगी' तलाल अब्दो महदी की हत्या के आरोप में गिरफ़्तार कर लिया गया और तीन साल बाद 2020 में यमनी अदालत ने इस मामले में उसे मौत की सज़ा सुनाई।

केंद्र सरकार ने निमिषा प्रिया को बचाने के लिए दायर याचिका पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष सोमवार को कहा था कि उसे एक अनौपचारिक संदेश मिला है कि निमिषा की फांसी की सजा पर रोक लगा दी जाएगी, लेकिन उसे यह नहीं पता कि ऐसा ही होगा अथवा नहीं।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सरकार का पक्ष रखते हुए यह बात कही थी। उन्होंने अदालत से कहा कि निमिषा प्रिया को मौत की सजा से बचाने के सभी विकल्प आजमाए जा चुके हैं और सरकार के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। श्री वेंकटरमणि ने पीड़िता को बचाने के लिए राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका (सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल बनाम भारत संघ) पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय को केन्द्र सरकार के प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया ।

अटॉर्नी जनरल ने कहा, हमने इस बारे में ज़्यादा सार्वजनिक रूप से बात नहीं की। हमने वहाँ के एक प्रभावशाली शेख से भी संपर्क साधा, लेकिन बात नहीं बनी। हमें एक अनौपचारिक संदेश मिला कि सज़ा के अमल पर रोक लगा दी जाएगी, लेकिन हमें नहीं पता कि यह हो भी पाएगा या नहीं। यह ऐसा क्षेत्र नहीं है जहाँ सरकार को एक निश्चित सीमा से आगे कुछ करने के लिए कहा जा सके।

विश्व के सबसे उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह का निधन

तेज रफ्तार कार ने 114 साल के एथलीट को टक्कर मारी

चंडीगढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व के उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह नहीं रहे। सड़क हादसे में घायल सिंह ने बीती रात पंजाब के जालंधर में निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। वो 114 वर्ष के थे। फौजा सिंह कुछ वर्षों से जालंधर के निकट ब्यास पिंड में अपने बेटे के साथ रह रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

फौजा सिंह को टर्बन टॉरनेडो के नाम से जाना जाता था। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि सोमवार शाम फौजा सिंह खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वह घायल होकर गिर गए। परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां बीती रात उनका निधन हो गया। आदमपुर थाना प्रभारी हरदेव सिंह के अनुसार फौजा सिंह के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। अभी तक हादसे को अंजाम देने वाली गाड़ी के बारे में पता नहीं चल सका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि फौजा सिंह जी अद्वितीय व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने फिटनेस को लेकर भारत के युवाओं को प्रेरित किया। वे अद्भुत दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

फौजा सिंह का जन्म 01 अप्रैल 1911 को पंजाब के जालंधर जिले के ब्यास पिंड में हुआ था। फौजा सिंह उस समय चर्चा में आए जब 90 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतराष्ट्रीय स्तर पर मैराथन में दौड़ना शुरू किया। कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने टर्बन टॉरनेडो का टैग हासिल किया। वर्ष 2004 में उन्होंने 93 साल की उम्र में लंदन में मैराथन पूरी की। 2011 में 100 साल की उम्र में उन्होंने टोरंटो में मैराथन पूरी की। फौजा सिंह को अब तक विश्व का सबसे उम्रदराज मैराथन धावक माना जाता था। वर्ष 1990 में विदेश में शिफ्ट हुए फौजा सिंह के पास इंग्लैंड की नागरिकता थी। उन्होंने 100 साल की उम्र में कुल आठ रिकॉर्ड बनाए और वर्ष 2013 में 102 वें जन्मदिन के अवसर पर प्रतिस्पर्धात्मक दौड़ से संन्यास लेने का ऐलान किया था।

गढ़चिरौली के गांव अब शिक्षा के लिए नहीं करेंगे चिरौरी

जहां कभी विचरते थे नक्सली, अब गांव-गांव में खुली लाइब्रेरी

गढ़चिरौली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सल प्रभावित गांवों में 71 लाइब्रेरी खोली गई हैं। वन विलेज वन लाइब्रेरी के तहत इन लाइब्रेरी में 8 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़े हैं। इससे युवाओं को शिक्षा और रोजगार में मदद मिलेगी। यह अभियान 18 जनवरी 2023 को छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे कोटगुल गांव से शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत हर गांव में एक लाइब्रेरी की स्थापना की जा रही है। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल द्वारा किया जा रहा है।

एसपी नीलोत्पल ने कहा, अब तक लाइब्रेरी से जुड़े 205 युवाओं का पुलिस फोर्स में चयन हुआ है। इसके अलावा कई युवाओं का चयन राजस्व विभाग में भी नौकरी मिली है। साल 2020 से पहले यहां नक्सली आतंकवादी युवाओं को बरगलाकर अपने साथ लगा लेते थे। लेकिन इन युवाओं के भविष्य के लिए इन लाइब्रेरी को शुरू किया गया है। अभियान को गांव के स्थानीय लोगों ने भी समर्थन दिया है।

शिक्षा प्रणाली को समृद्ध बनाने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिका : मुर्मू

कटक ,15 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि देश की शैक्षिक परंपरा और शिक्षा प्रणाली को समृद्ध बनाने में भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

श्रीमती मुर्मु ने 15वीं शताब्दी के कवि आदिकवि सरला दास की जयंती पर आज यहां आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 मातृभाषा में शिक्षा पर जोर देती है जिससे बच्चों को अपनी संस्कृति और विरासत से और गहराई से जुड़ने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा, हमारी भाषाएं तो कई हैं, लेकिन भावनाएं एक हैं। दुनिया इस बात से चकित है कि भारत अपनी भाषाई और धार्मिक विविधता के बावजूद कैसे एकजुट है।

उन्होंने अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषाओं को सीखने के महत्व पर भी जोर दिया।

राष्ट्रपति ने आदिकवि सरला दास की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने उड़िया में महाभारत की रचना करके भारतीय साहित्य को समृद्ध बनाया। उन्होंने कवि की विरासत का सम्मान करने और साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 'सरला साहित्य संसद' की सराहना की।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 'कलिंग रत्न पुरस्कार-2024'से सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार सरला सम्मान प्राप्त करने के लिए बिजया नायक को भी बधाई दी।

पुलिस के प्रतिबिंब को भेद न सके साइबर अपराधी

नहीं चली ठगों की चालाकी 250 जालसाजों का डाटा मिला

आगरा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों से लोगों को बचाने के लिए आगरा कमिश्नरेट पुलिस ने ऑपरेशन कोड ब्रेक शुरू किया है। प्रतिबिंब पोर्टल से 250 लोग चिह्नित किए गए हैं। सभी पर अलग-अलग प्रदेशों में साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं को अंजाम देने के आरोप हैं। अब इन सभी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। चार केस भी दर्ज किए जा चुके हैं। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी आधार कार्ड की मदद से सिम लेते हैं। इसके बाद कॉल करके लोगों को ठगते हैं। कभी खुद को बैंक अधिकारी बताकर रकम जमा करा लेते हैं। कभी निवेश करने पर मुनाफे का लालच देकर ठग लेते हैं। इसके अलावा लड़कियों को फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी पर ब्लैकमेल करके रुपए ऐंठ लेते हैं।

आरोपी कहीं होता है, ठगा किसी और जिले और राज्य के व्यक्ति को जाता है। इनकी शिकायत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर पर मिल रही है। इस पर डाटा तैयार किया जा रहा है। इसे प्रतिबिंब पोर्टल पर फीड किया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से साइबर अपराध करने वाले 250 आरोपी चिन्हित किए गए हैं। इनमें से मलपुरा, शाहगंज, जगदीशपुरा और ताजगंज में केस दर्ज कराए गए हैं। अब जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। इस तरह से 250 लोग पुलिस के रडार पर हैं। जिनका डाटा पुलिस को मिला है। डीसीपी सिटी ने बताया कि देशभर में होने वाले साइबर अपराध के मामले में पुलिस प्रतिबिंब पोर्टल पर डाटा फीड करती है।

इसमें मोबाइलमोबाइल नंबर, आईडी, लोकेशन, खातों सहित अन्य जानकारी होती है। इससे पता चल जाता है कि अपराध कहां से किया गया। जिन आईडी का प्रयोग किया गया, वो कौन लोग हैं। सत्यापन में आरोप की पुष्टि होने पर कार्रवाई की जा रही है। इसे आपरेशन कोड ब्रेक का नाम दिया गया है। ऑपरेशन कोड ब्रेक में डाटा का मिलान किया जाएगा। ओटीपी, यूपीआई से ठगी, म्यूल एकाउंट बनाने वालों की धरपकड़ करेगी।

डीसीपी सिटी ने बताया कि 46 लोग ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जो वियतनाम, कंबोडिया में नौकरी करके आए हैं। यह गए तो अच्छी नौकरी करने के लिए गए थे। मगर इनसे बंधुआ मजदूरी कराई गई थी। इन लोगों से डोजियर भरवाए गए हैं। इनका डाटा लखनऊ से दिल्ली भेजा जाएगा। इसके अलावा 910 लोग फर्जी सिम बेचने वाले भी इस साल चिह्नित किए गए हैं।

यूपी में होगी शिक्षकों की भर्ती खाली पदों का ब्यौरा मांगा गया

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में शिक्षकों की कमी के लिए विभाग जल्द ही रिक्त पदों के लिए प्रस्ताव भेजे। सीएम योगी ने कहा, किसी भी स्कूल में मानक से कम शिक्षक नहीं होने चाहिए।

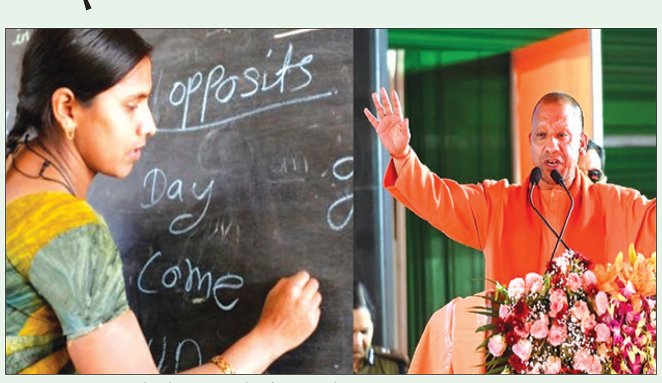

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग की बैठक में शिक्षकों के खाली पदों पर जल्द नियुक्ति किए जाने की बात कही। सीएम ने कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिए। खाली पदों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समय से पूरी हो। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तीनों के हित में है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सकेगा। उन्होंने जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में चलाने का निर्देश दिया।

उन्होंने पेयरिंग के बाद खाली हुए विद्यालय भवनों में बाल वाटिकाएं, प्री-प्राइमरी स्कूल चलाने को कहा। कहा- इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 साल का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए। विद्यालय प्रबंध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराएं। स्कूल चलो अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे हर बच्चों के अभिभावक के खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी व पाठ्य सामग्री के लिए 1200 रुपए की सहायता राशि डीबीटी से जल्द भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके।

गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी लगातार दूसरे दिन आया धमकी भरा ईमेल

अमृतसर,15 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर के गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी फिर से मिली है। धमकी भरा ईमेल लगातार दूसरे भी आया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को ईमेल के ज़रिए मिली बम की धमकी के बाद स्वर्ण मंदिर परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंदिर परिसर में विस्फोटक रखे होने की चेतावनी वाले इस ईमेल के बाद एसजीपीसी अधिकारियों और पंजाब पुलिस दोनों ने तुरंत और समन्वित कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसजीपीसी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्नान ने पुष्टि की कि धमकी भरे ईमेल में आरडीएक्स की मौजूदगी और पवित्र स्थल को संभावित नुकसान का ज़िक्र था। हालाँकि ईमेल में समय का स्पष्ट विवरण नहीं था, फिर भी हमले की संभावित तारीख के रूप में सोमवार का अस्पष्ट उल्लेख था। एसजीपीसी ने अधिकारियों को सूचित करने में ज़रा भी देर नहीं की। शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद अमृतसर के पुलिस आयुक्त और स्थानीय थाना प्रभारी (एसएचओ) ने दरगाह का दौरा किया। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी को भी जानकारी दी गई और सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई गई।

मन्नान ने कहा कि हालाँकि यह ईमेल डर फैलाने के इरादे से भेजा गया एक झूठ हो सकता है, हम कोई जोखिम नहीं उठा रहे हैं। पूरे मंदिर में खासकर परिक्रमा (परिक्रमा पथ) और गलियारा (आसपास की गलियों) के आसपास सुरक्षा गश्त बढ़ा दी गई है। सीसीटीवी निगरानी भी बढ़ा दी गई है और हालिया फुटेज की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। दीर्घकालिक उपायों के बारे में, मन्नान ने कहा कि प्रमुख चौकियों पर सुरक्षा स्कैनर लगाने का काम चल रहा है और आने वाले दिनों में इसमें प्रगति होने की उम्मीद है।

पूर्णिया में लोको पायलट परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

पूर्णिया, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्णिया में रेलवे लोको पायलट भर्ती परीक्षा के दौरान तकनीकी खराबी को लेकर अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा केंद्र पर सर्वर में आई तकनीकी गड़बड़ी से कई परीक्षार्थी परेशान हो गए, जिसके चलते एक परीक्षार्थी की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, कटिहार के मोहन कुमार, मनीष कुमार, समीर कुमार, मोनू कुमार, रूपेश और अभिनाश, सहरसा के राजीव कुमार समेत कई परीक्षार्थी आइस फैक्ट्री स्थित ऑन डिजिटल जोन, आर स्कायर एग्जाम सेंटर, पूर्णिया में परीक्षा देने पहुंचे थे। नियमानुसार 12 बजे से एंट्री शुरू होनी थी, लेकिन परीक्षार्थियों को एक घंटे देर से, करीब 1 बजे एग्जाम हॉल में बैठाया गया। वहीं दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली परीक्षा करीब एक घंटे की देरी से 3 बजे शुरू हुई।

परीक्षा शुरू होते ही सर्वर में तकनीकी खराबी आने लगी। इससे अभ्यर्थियों को बार-बार परेशानी झेलनी पड़ी। इस दौरान विकास कुमार नामक एक परीक्षार्थी बेहोश होकर गिर पड़ा, जिसे केंद्र पर मौजूद कर्मियों ने अस्पताल पहुंचाया। तकनीकी दिक्कतों से गुस्साए परीक्षार्थियों ने परीक्षा केंद्र पर जमकर नारेबाजी की और हंगामा शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख परीक्षा केंद्र प्रबंधन ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर सहायक खजांची थाना पुलिस पहुंची और परीक्षार्थियों को शांत कराया।

आक्रोशित अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर लिखित आवेदन भी दिया है। परीक्षा केंद्र संचालक के मुताबिक सर्वर की तकनीकी खराबी के कारण कई केंद्रों पर इस तरह की समस्या सामने आई है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कौशल मेले में मिली कुशल यूपी की झलक

महिला उद्यमियों और इकोफ्रेंडली उत्पाद ने छाप छोड़ी

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल मेला ने उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कुशल उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की भावना के साथ आयोजित इस मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी देखने को मिली। मेले में कौशल विकास मिशन से जुड़े कई प्रशिक्षण संस्थानों, एनजीओ और स्टार्टअप्स ने अपनी सेवाएं और प्रशिक्षण मॉडल प्रदर्शित किए। कई जगह लाइव डेमो के माध्यम से युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की प्रक्रिया और परिणाम दोनों को देखने का अवसर मिला।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है और डबल इंजन सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है जहां 25 करोड़ की आबादी में 56 से 60 प्रतिशत लोग कामकाजी वर्ग से हैं। इन युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, उद्योग प्रतिनिधियों और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं की सराहना की। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष की थीम एआई और डिजिटल स्किल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण उत्तर प्रदेश के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, क्योंकि यह राज्य की युवा शक्ति को नई दिशा प्रदान करने का आधार बन रही है।

सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े वर्कशॉप जैसे स्पोकन इंग्लिश, इंटरव्यू स्किल्स, पर्सनालिटी ग्रूमिंग तथा सीवी मेकिंग ने युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान देने में अहम भूमिका निभाई। वहीं फूड जोन में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता झलकती रही जिसमें लखनऊ की भेलपुरी, अयोध्या का सिरका, मुजफ्फरनगर की कचौरी, आगरा का पेठा और प्रतापगढ़ का आंवला विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

कौशल मेले की सबसे उल्लेखनीय झलक रही महिला उद्यमियों और ग्रामीण बेटियों की भागीदारी। आरएसडब्ल्यूएम प्राइ-वेट लिमिटेड की सेंट्रल कोऑर्डिनेटर आयुषी निगम ने बताया कि संस्था द्वारा ग्रामीण लड़कियों को सॉफ्ट स्किल और आईटी की नि:शुल्क ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें आवास, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं भी सम्मिलित हैं। इन बेटियों द्वारा बनाए गए इको-फ्रेंडली हैंडमेड उत्पाद, पोटली बैग्स, कुशन कवर, बाल हैंगिंग्स, जूट बैग्स, डोरमैट, और दीवार सजावट सामग्री मेले में आकर्षण का केंद्र बने। ये सभी उत्पाद न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि लड़कियों के आत्मनिर्भर बनने का जरिया भी बन चुके हैं।

प्रशिक्षण पाए बच्चे वेस्ट मैटेरियल, जूट और कपड़ों से उपयोगी चीजें बनाते हैं। इन्हें मशीनों पर काम करना सिखाया जाता है। मशीन के साथ-साथ एक एक पुर्जे की जानकारी दी जाती है। कपड़े की जानकारी दी जाती है।

आज यहां पर सरकार की ओर से हमें निशुल्क स्टॉल प्रदान किया गया, जहां पर हमारा प्रयास बच्चियों की प्रतिभा और उनके द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित करना था। बच्चों ने यहां पर अपने हाथों से बनाए पोटली बैग्स, कुशन कवर, वॉल हैंगिंग्स, जूट के पेंटिंग बैग्स, डोरमैट, आसनी प्रदर्शित किए हैं। कार्यक्रम में श्री सिद्धि विनायक एजुकेशन सोसाइटी की ट्रेनर शिवानी सिंह ने बताया कि यहां बच्चों को तीन महीने तक मुफ्त आवास, भोजन, किताबों के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस प्रशिक्षण के बाद युवाओं को नोएडा समेत कई कंपनियों और हॉस्पिटल में प्लेसमेंट दिलाया जा रहा है। योगी सरकार के सहयोग से चल रही प्रशिक्षण संस्थाएं युवाओं को न सिर्फ रोज-गार, बल्कि स्वरोजगार की दिशा में भी प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही इस पहल के चलते गांव-गांव से युवा आगे आकर अपने जीवन को संवार रहे हैं और दूसरों को भी प्रेरित कर रहे हैं। कई युवाओं ने स्वरोजगार की राह पकड़ी है, तो कई कंपनियों में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने लिया निर्णय

मेरठ-मुजफ्फरनगर के स्कूलों में 16 से 23 जुलाई तक छुट्टी

मेरठ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ मार्ग पर शिवभक्तों की संख्या लगातार बढ़ने लगी है। इसे देखते हुए प्रशासन ने 16 से 23 जुलाई तक मुजफ्फरनगर और मेरठ जनपद के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। हरिद्वार, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और अब मेरठ में कांवड़ियों द्वारा गाड़ियों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हैं। वहीं, कांवड़ मार्ग पर शिवभक्तों की संख्या लगातार बढ़ने लगी हैं। इसके मद्देनजर 16 से 23 जुलाई तक जनपद में सभी स्कूल बंद रहेंगे। मेरठ के डीएम डॉ. वीके सिंह ने बताया कि 23 जुलाई को शिवरात्रि है। इसके बाद 24 जुलाई को स्कूल खुलेंगे। मुजफ्फरनगर में भी 16 से स्कूल बंद करने का फैसला लिया गया है।

मुजफ्फरनगर के डीएम ने सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। डीएम के निर्देश पर डीआईओएस ने सभी स्कूलों को आदेश भेजे हैं। डीआईओएस राजेश कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर परिषदीय, माध्यमिक, डिग्री और तकनीकी बोर्ड की शिक्षण संस्थाएं 16 से 23 जुलाई तक बंद रहेंगी। यूपी, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों पर भी आदेश लागू रहेगा। सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय अगर खुला हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ यात्रा के चलते पुलिस प्रशासन ने सोमवार दोपहर से दिल्ली-मेरठ मार्ग को वन-वे कर दिया। जिसके कारण अब एक ही लाइन में वाहनों की आवाजाही है। एक ही लाइन होने के कारण मुरादनगर में भीषण जाम लग गया। 10 मिनट का सफर तय करने में लोगों को 2 से 3 घंटे का समय लगा। यातायात पुलिसकर्मी भी मौके पर तैनात होकर यातायात को सुचारू करने में जुट गए।

सोमवार को ट्रैफिक वनवे होने के कारण मनोटा से मोरटा तक दिल्ली-मेरठ मार्ग पर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। गर्मी में जाम में फंसे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिन भर वाहन हाई-वे पर रेंग रेंग कर चले। अब हाईवे की एक लाइन पर कांवड़िए और दूसरी लाइन पर वाहन चलाए जा रहे है। मुरादनगर को पार करने में वाहन चालकों को काफी समय लग रहा है, इसके अलावा आने और जाने वालों की लंबी कतारे भी सड़क पर लगी है। एम्बुलेंस, स्कूल बस व वीआईपी वाहन भी जाम में फंसे नजर आए। मेरठ शास्त्री नगर निवासी उमेश शर्मा का कहना है कि पुलिस प्रशासन ने हाई-वे को वनवे करने में जल्दबाजी की। अभी हाई-वे पर कावड़ियों की संख्या अधिक नहीं है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल सीमा पर अभी भी चल रहे हैं 2000 के नोट

एक नोट के बदले मिलते हैं 1600 रुपए

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में बंद हो चुके दो हजार के नोट नेपाल सीमा पर अब भी चल रहे हैं। आयकर विभाग इसको लेकर गहन जांच कर रहा है। नेपाल से सटे प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में दो हजार रुपए के नोट बदलने का अवैध कारोबार चल रहा है। आयकर विभाग की जांच में सामने आया है कि दो हजार रुपए के नोट के बदले 1200 रुपए से 1600 रुपए तक दिए जा रहे हैं। आयकर विभाग लखनऊ की इन्वेस्टिगेशन विंग ने नेपाल सीमा के कई इलाकों में छापे मारकर इसके अहम सुबूत जुटाए हैं, जिनकी गहनता से जांच की जा रही है।

आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नोट बदलने का यह अवैध कारोबार सीमा के दोनों तरफ धड़ल्ले से जारी है। आयकर विभाग की टीमों ने जब नेपाल सीमा के रक्सौल, रुपईडीहा, बढ़नी आदि जगहों पर अपनी टीमें भेजीं तो नोट बदलने के इस खेल की पर्तें खुलने लगीं। जांच में सामने आया कि इसमें अधिकतर बेरोजगार युवकों का इस्तेमाल किया जाता है। बदले में उन्हें कमीशन मिलता है। अब अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन नोटों को कहां भेजा जा रहा है। नियमों के मुताबिक दो हजार रुपए के नोट अब केवल आरबीआई के कार्यालय और पोस्ट ऑफिस में ही जमा किए जा सकते हैं, जिसकी सीमा 30 हजार रुपए तक ही है। अब आयकर विभाग की जांच की जद में नेपाल सीमा के पोस्ट ऑफिस हैं, जहां यह खंगाला जा रहा है कि किन लोगों ने बीते कुछ वर्ष में 2 हजार रुपए के नोट बदलवाए हैं।

अंतरिक्ष से शुभांशु की सकुशल वापसी पर लखनऊ खुश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई और शुभकामनाएं

शुभांशु की मां बोलीं, शब्दों में बयान नहीं कर सकती खुशी

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरिक्ष से सकुशल लौटे भारतीय पायलट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी और उनकी उपलब्धि को उत्तर प्रदेश और देश के लिए गौरव का क्षण बताया। सीएम योगी ने कहा, वेलकम बैक टू अर्थ! ऐतिहासिक एक्सिओम मिशन को सकुशल सम्पन्न कर सफल वापसी पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला व उनकी टीम को हार्दिक बधाई। आपकी उपलब्धि साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति संकल्प का गौरवपूर्ण प्रतीक है। आज हर भारतीय, विशेषकर उत्तर प्रदेश वासी गौरवान्वित है। भारत आपके स्वागत को उत्सुक है।

लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के यान की कैलीफोर्निया के तट पर सुरक्षित लैंडिंग देख उनके माता-पिता काफी भावुक हो गए। माता-पिता ने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अपना मिशन पूरा कर वापस लौट आए हैं। मंगलवार को अपराह्न तीन बजे उनका यान कैलीफोर्निया के तट पर उतरा। अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता-पिता भावुक हो गए।

उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

बहन शुचि मिश्रा ने कहा, शुभांशु वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है। हम बहुत खुश और उत्साहित हैं। शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, मैं इस खुशी को शब्दों में बयान नहीं कर सकती। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है। ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के नाम पर मची लूट

छापेमारी के बाद हुआ बड़ा खुलासा, खुला काला चिट्ठा

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) में कटौती और छूट के फर्जीवाड़े में शामिल नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए यूपी समेत कई राज्यों में 200 ठिकानों पर छापे मारे। छापे के दौरान कर छूट के फर्जीवाड़े में बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी), सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, कई सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्यमों से जुड़े शीर्ष अधिकारी और कर्मचारी शामिल पाए गए।

आयकर विभाग ने यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, वार-ाणसी, अमरोहा, मुरादाबाद, गोंडा और सुल्तानपुर में छापे मारे। अधिकतर कार्रवाई विचौलियों, टैक्स अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर की गईं। आयकर विभाग ने विभिन्न राज्यों में कई कार्यालयों और घरों पर छापे मारे। यह कार्रवाई कई स्रोतों और जमीनी स्तर से जुटाई गई खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई। इस अभियान को उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई उपकरणों से हासिल वित्तीय आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद अंजाम दिया गया।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि हाल ही में विभाग की ओर से महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, पंजाब व मध्य प्रदेश में की गई तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान विभिन्न समूहों व संस्थाओं की ओर से कर चोरी, छूट धोखाधड़ी के दावों का खुल-ासा हुआ। जांच में कुछ आईटीआर तैयार करने वालों और बिचौलियों की ओर से संचालित संगठित रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। जिन्होंने फर्जी कटौती और छूट का दावा करते हुए रिटर्न दाखिल किए। कुछ लोग अत्यधिक रिफंड का दावा करने के लिए झूठे टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) रिटर्न भी जमा करते पाए गए।

बोर्ड ने कहा, जांच में मकान किराये भत्ते के तहत छूट, राजनीतिक दलों को दिए गए चंदे, शिक्षा ऋण पर व्याज, चिकित्सा बीमा, आवास ऋण पर ब्याज और इलेक्ट्रिक वाहन के नाम पर फर्जी कटौती का फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके अलावा धर्मार्थ या अनुसंधान संगठनों को दान और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए उपलब्ध छूट में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का खुलासा हुआ। आयकर विभाग की टीम ने सुल्तानपुर के प्राथमिक शिक्षक राम जनम यादव को पकड़ा। इसके बाद कूरेभार ब्लॉक में कार्यरत शिक्षिका विमलेश को भी पूछताछ के लिए ले गई। दोनों से मोलना-पुर में राम जनम के घर पर करीब आठ घंटे पूछताछ हुई। इस दौरान घर से आयकर रिटर्न दाखिल कराने के फर्जी कागजात भी मिले हैं। पता चला है कि शिक्षक करीब दो दशक से रिटर्न दाखिल करने वालों से सौदेबाजी करके फर्जी रिटर्न दाखिल कराकर कटौती की धनराशि वापस दिलाता था। वहीं, गोंडा में बेलसर रोड स्थित पूरे शिवा बख्तावर में इनकम टैक्स व जीएसटी के वकील के कार्यालय में 15 घंटे तक पड़ताल की गई।

अब मोबाइल एप पर मिलेगी काशी के घाटों की जानकारी

84 घाटों के लिए जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। काशी के घाटों की पूरी जानकारी अब मोबाइल एप पर मिलेगी। 84 घाटों के लिए जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित की जा रही है। पर्यटकों को हिंदी, अंग्रेजी के साथ-साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं में जानकारी मिल सकेगी। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग वाराणसी आने वाले पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत काशी के सभी 84 घाटों के लिए एक जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित की जा रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस ऑडियो बुक के माध्यम से पर्यटक काशी के घाटों की ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक महत्ता को चलते-फिरते सुन सकेंगे। यह जानकारी हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं में दी जाएगी। यह ऑडियो बुक प्रदेश पर्यटन के मौजूदा मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत होगी। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग करने के लिए अलग से एप डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे जीपीएस के जरिए या मैनुअल चयन से स्थान-विशेष की ऑडियो जानकारी सुन सकेंगे। इससे तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, नाव यात्रियों और घर से काशी की सैर कर रहे लोगों को भी लाभ मिलेगा।

मंत्री ने बताया कि वाराणसी के हर घाट को ऑडियो बुक में एक अध्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें शीर्षक दृश्य, विषयानुकूल पृष्ठभूमि से संबंधित संगीत और श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए लिखित सामग्री भी शामिल होगी। पेशेवर वॉयस आर्टिस्ट और कथावाचक इन कहानियों को जीवंत स्वरूप देंगे।

साथ ही इस डिजिटल ऑडियो बुक में पर्यटन विभाग का लोगो युक्त विशेष रूप से डिजाइन किया गया कवर पेज भी होगा।

लगातार खुलती जा रही हैं छांगुर गिरोह की करतूतें

गुर्गों को ट्रेनिंग देने दुबई से आते थे ट्रेनर

बलरामपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर की करतूतों का लगातार खुलासा होता जा रहा है। जांच एजेंसियों को पता चला है कि छांगुर गिरोह के गुर्गों को ट्रेनिंग देने के लिए दुबई से ट्रेनर मौलाना बुलाए जाते थे। छांगुर के किलानुमा कोठी और मदरसों में बाकायदा ट्रेनिंग दी जाती थी। छांगुर की कोठी में नीचे तहखाना मिला, जिसमें कई कक्ष बनाए गए थे। नेपाल में सक्रिय दावत-ए-इस्लामी के लोग भी यहां जुटते थे।

छांगुर ने हिंदू श्रमिकों और गरीब परिवारों को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन करने की मुहिम का मजबूत जाल बुना था। शिजर-ए-तैयबा किताब भी इसी उद्देश्य से लिखी गई थी, जिससे लोग आसानी से इस्लाम को समझ सकें और दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में मान सकें। अगली कड़ी में हिंदू देवी-देवताओं के प्रति कैसे घृणा भरी जाए और वेशभूषा कैसी हो, इसकी समझ को विकसित करने की तैयारी थी। मधपुर में कोठी का निर्माण वर्ष 2022 में शुरू हुआ था, अभी निर्माण पूरी तरह हो नहीं सका था। कोठी का निर्माण कराने वाले

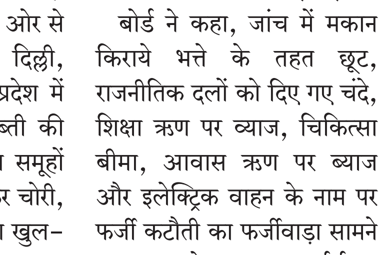

वसीउद्दीन ने बताया कि कोठी को अभी अलग नहीं कराया था। पिलर पर पूरी कोठी खड़ी की गई थी, जिससे छांगुर अपने हिसाब से कमरों में बांट सके। उन्होंने बताया कि निर्माण के समय ही उन्हें आभास हो गया था कि कुछ गलत कार्य के लिए ही कोठी बनाई जा रही है, लेकिन छांगुर ने उन्हें बताया था कि वह विद्यालय खोलना चाहता था। इसके बाद कहा कि अस्पताल भी खोलेगा। इस तरह वह झूठ ही बोलता रहा। अब वह कोठी तो गिर गई है, लेकिन अब भी कुछ भाग शेष रह गया है। इस तरह छांगुर की योजना बड़ी घातक थी।

उतरौला के छांगुर की गोंडा में भी जड़ें गहरी हो गई थीं। धानेपुर क्षेत्र के रेतवागाड़ा में उसकी पैठ बताई जा रही है। एटीएस को रेतवागाड़ा के रमजान की तलाश है, जिससे छांगुर के अन्य सहयोगियों का पता चल सके। अयोध्या के करीब होने के कारण छांगुर गोंडा में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा था। इसके लिए रेतवागाड़ा के रमजान को सहयोगी बनाया था और उसके जरिए वजीरगंज व नवाबगंज तक प्रभाव जमा रहा था। एटीएस जानकारी जुटाने में लगी है। ऐसे में कभी भी एटीएस के कदम गोंडा की ओर बढ़ सकते हैं।

छांगुर को धर्म परिवर्तन कराने पर विदेशी फंड मिलने की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। छांगुर के साथ ही नीतू और नवीन के खातों में अब तक सौ करोड़ से अधिक के फंड आने की पुष्टि हो चुकी है। अन्य खातों की जांच हो रही है। इसी बीच एटीएस के हाथ कई अहम जानकारी मिली है। उतरौला क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग खाड़ी देशों में रहते हैं, जिनके खातों में वेतन के रूप में रुपए आते हैं, लेकिन तीन-चार लोग ऐसे हैं जो कभी विदेश नहीं गए और उनके खातों में बाहर देशों से रुपए आए हैं। छांगुर के इन करीबियों पर एटीएस की नजर है। फिलहाल एटीएस बैंक स्टेटमेंट के साथ ही अन्य साक्ष्य जुटा रही है।

संपादकीय

सराज के टूटे घर तक

वहां दर्द के काफिले, विडंबनाएं और समय के विकृत उद्गार चीख रहे हैं। बस्तियों के आंगन में रेत के ढेर और प्रगति के उजालों में घोर अंधेरा। यह मंडी का सराज क्षेत्र है, जो आज अपाहिज मुद्रा में हाथ फैलाए खड़ा है। चीखें कह रहीं सिर्फ यही, 'मदद करो, मदद करो।' सराज को नहीं मालूम कौन उसका मेहमान है, वह तो खुद परेशान है। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर वहां बुधवार को एकसाथ और एक जैसी संवेदना से गुजरते देखे गए। न कोई तोरणद्वार और न ही कोई स्वागत कक्ष। पत्थर हो चुकी घाटियों में विनाश का कोहराम, लेकिन फिर भी सुबह आ रही। वहां सूरज हाजिरी लगा रहा है और इसका एहसास हिमाचल सरकार, केंद्र से जगत प्रकाश नड्डा का हिसाब और जयराम का अपना विश्वास दिला देता है। इसमें दो राय नहीं कि पूरे प्रदेश ने अपनी प्राथमिकताएं छोड़ कर सराज की आहों को अपनी बाहों का सहारा दिया और मदद के हर पहलू में सारे हिमाचली वहां पहुंचे हैं। सरकार ने राहत के हर द्वार को खोल कर बचाव से नए ठहराव तक हर संभव कार्य किया और इसीलिए प्रभावित जनता को नए समाधानों, जीने के नए रास्तों और गुम हुई तकदीर को पुनः पाने की ऊर्जा दिखाई दे रही है। बहुत मुश्किल है आपदा की दरारों से बाहर आना, लेकिन पूरा प्रदेश अगर हाथ बढ़ाएगा तो मुसीबतों से बाहर आना संभव होगा। यहां सराज सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि अब प्रदेश का प्राथमिक राहत शिविर है। यह राज्य सरकार बनाम केंद्र सरकार भी नहीं, लेकिन कहने के बजाय करने का प्रमाण पत्र होना चाहिए। राज्य सरकार ने पीड़ितों के फिर से बसाने का इरादा जाहिर करते हुए उनके लिए किराये के घर का किराया उठाने की घोषणा की है। जबकि अपना घर फिर से बसाने के लिए सात लाख की धनराशि प्रति परिवार मुकर्रर की है। ऐसे में केंद्र को भी सिर्फ चि_न्हित या प्रस्ताव नहीं, तुरंत मदद के लिए एकमुश्त राशि घोषित करनी होगी। सराज पुनर्वास एक सामान्य प्रक्रिया इसलिए भी नहीं हो सकता, क्योंकि यह विधानसभा क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री की सियासी तपस्या का घर और विकास का एक मॉडल रहा है। हमें यहां फिलवक्त पुनर्वास का एक नया मॉडल चाहिए-नई जमीन-नया आकाश चाहिए। नया संपर्क-नई उजास चाहिए। यहां जल, जंगल और जमीन का नया आधार, संतुलन और रखरखाव चाहिए। जाहिर है आपदा के बीच विकास का एक मॉडल, प्रगति का एक युग और समाज के सारे ताने-बाने बहे हैं। कहीं जमीन का एक बड़ा हिस्सा गायब है, तो कहीं बाजार का सारा व्यापार गायब है। घरों के बीच पर्वत का संघर्ष, उस जर्रे-जर्रे में मौजूद है, जहां हिमाचल के तीन सियासी बलशाली पुरुष घूम रहे हैं, अब इन हवाओं को राज्य व केंद्र सरकारों का पौरुष चाहिए ताकि भविष्य सलामत रहे। हम हिमाचल की जनता का भी धन्यवाद प्रकट कर रहे हैं, जो दिन रात एक करके राहत सामग्री जुटा रही है। मदद का सामाजिक इंकलाब तो जिंदाबाद है, लेकिन केंद्र से हिमाचल को सिर्फ आश्वासन नहीं, एक मुकम्मल राहत पैकेज चाहिए। पिछले भी बहुत हिसाब हैं और अब अगर इंसाफ मिल गया, तो यह प्रदेश अपने मौलिक आशावाद के सहारे पुनः विकास के सफर पर आगे बढ़ जाएगा। प्रदेश इस विपदा में न भाजपा, न कांग्रेस और न ही दोनों सरकारों के बीच कोई भेद-कोई मतभेद जानता, बस सराज के टूटे घर को मदद की आवाज चाहिए। जाहिर है पुनर्वास ने हिमाचल के जंगल की टोह ली है। जीने के संतुलन में अब जंगल को झुकना पड़ेगा। नए सराज को जंगल से जमीन चाहिए और अब हर पर्वतीय आगाज को वन भूमि से आशीर्वाद चाहिए। सराज की मदद के लिए दिव्य हिमाचल सहायता कोष ने भी दान पात्र रखा है, जहां प्रदेश के कई दानवीर श्रद्धा अनुसार योगदान कर रहे हैं। अभी बहुत लंबे दौर की मदद चाहिए, अतः पाठकों से उम्मीद रहेगी कि अपने हिमाचली भाई-बहनों की मदद के लिए हमारे अभियान को समर्थन व आशीर्वाद दें।

> भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर वहां बुधवार को एकसाथ और एक जैसी संवेदना से गुजरते देखे गए। न कोई तोरणद्वार और न ही कोई स्वागत कक्ष। पत्थर हो चुकी घाटियों में विनाश का कोहराम, लेकिन फिर भी सुबह आ रही। वहां सूरज हाजिरी लगा रहा है और इसका एहसास हिमाचल सरकार, केंद्र से जगत प्रकाश नड्डा का हिसाब और जयराम का अपना विश्वास दिला देता है। इसमें दो राय नहीं कि पूरे प्रदेश ने अपनी प्राथमिकताएं छोड़ कर सराज की आहों को अपनी बाहों का सहारा दिया और मदद के हर पहलू में सारे हिमाचली वहां पहुंचे हैं। सरकार ने राहत के हर द्वार को खोल कर बचाव से नए ठहराव तक हर संभव कार्य किया और इसीलिए प्रभावित जनता को नए समाधानों, जीने के नए रास्तों और गुम हुई तकदीर को पुनः पाने की ऊर्जा दिखाई दे रही है। बहुत मुश्किल है आपदा की दरारों से बाहर आना, लेकिन पूरा प्रदेश अगर हाथ बढ़ाएगा तो मुसीबतों से बाहर आना संभव होगा। यहां सराज सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि अब प्रदेश का प्राथमिक राहत शिविर है। यह राज्य सरकार बनाम केंद्र सरकार भी नहीं, लेकिन कहने के बजाय करने का प्रमाण पत्र होना चाहिए।

लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है। अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है,

उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है? भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है। भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा। भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया, वह एक सामान्य प्रशासनिक कार्य नहीं था, बल्कि एक लोकतांत्रिक शुद्धिकरण था। यह सुधार न केवल चुनावों को पारदर्शी बनाता है, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करता है। परन्तु कुछ राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और इसे जातीय आंकड़ों, राजनीतिक संतुलन और चुनावी गणित से जोड़कर कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता।

> सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का।

देश दुनिया से

बंजारों का शौर्य और उसका स्मरण

बंजारों का भारतीय इतिहास में गौरवशाली स्थान है। वे निरन्तर विदेशी हमलावरों अरबों, तुर्कों, मुगलों (एटीएम) और बाद में अंग्रेजों से भी लोहा लेते रहे। एटीएम का मुकाबला करने के कारण ही क्षत्रियों को घर-बार छोडक़र बंजारों का जीवन जीना पड़ा। अंग्रेजों ने तो बंजारों को क्रिमिनल ट्रायब्ज ही घोषित कर दिया था। लेकिन इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में बंजारों के इतिहास का कहीं जिक्र ही नहीं मिलता। बंजारे पूरे देश में निरन्तर घूमते रहते हैं। देश के एक कोने को दूसरे कोने से जोड़े रखने की ऐतिहासिक प्रक्रिया। इसी प्रक्रिया से उनमें होता है अदम्य साहस का संचार। बंजारे भारत की आत्मा हैं। भाटों की पुरानी पोथियों में अनेक बंजारों की वंशावलियां भी मिल जाती हैं। आम तौर पर बंजारे गोर या गौर, जिसे कहीं कहीं गौड़ भी लिखते हैं, वंश के माने जाते हैं। यह वंश राजा भोज से जुड़ता है। राजा भोज, परमार वंश से ताल्लुक रखते थे। आशा की जानी चाहिए कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन करते समय विश्वविद्यालय इस भूल का सिधार करेंगे ही। बंजारों का यह प्रसंग इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि जुलाई में ही बंजारा समाज के ऐतिहासिक नायक लखी शाह बंजारा की जयंती है । लखी शाह बंजारा, बंजारों के लुबाना समुदाय से ताल्लुक हखते थे। सत्रहवीं शताब्दी में जब मुगलों ने नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी ने दिल्ली के चान्दनी चौक में मुगलों का सामना करते हुए आत्म बलिदान दिया था। चान्दनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? इसका उत्तर अब लखी शाह बंजारा को देना था। घटनास्थल पर मुगल सेना का पहरा था। मौसम बहुत ही खराब होने लगा था। रात्रि का अन्धकार। तूफान। बादल और बिजली की गर्जना। गुरुजी के शरीर को वहां से कैसे उठाया जाए ताकि विधिवत उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। मुगल शासन से इसकी गुहार लगाना निरर्थक था, क्योंकि मुगल साम्राज्य तो अपने इस अमानुषिक कृत्य से भविष्य में भी भारतीय समाज को आतंकित और भयभीत करना चाहता था ताकि आने वाले समय में भी कोई साम्राज्य के सामने सिर उठा कर न चल सके। लेकिन गुरुजी के इस आत्म बलिदान ने तो जनमानस में आग भर दी थी। अब आगे की कथा इसी आग की। यह आग लखी शाह बंजारा में जलने लगी थी। लखी शाह बड़े व्यापारी थे, इसमें तो कोई संशय नहीं हो सकता। लेकिन उनके भीतर बंजारा समाज की भीतरी वेदना भी भरी हुई थी। यह मुगल शासन भी नहीं जानता था। एटीएम मूल के आक्रमणकारियों ने उनके पूर्वजों को घर से बेघर किया हुआ था। यही वेदना बंजारों को मुगलों की चुनौती स्वीकार करने की प्रेरणा देती रहती थी। बंजारों के पूर्वजों ने अरबों, तुर्कों व मुगलों द्वारा पूर्वकाल में दी गई चुनौतियों को भी स्वीकारा था। वे भागे नहीं थे, लड़े थे। वही चुनौती फिर दस्तक दे रही थी। आज फिर वही चुनौती स्वीकार करने का अवसर आ गया था। मुगल बादशाह द्वारा दी गई चुनौती। जिस दिन दिल्ली के चान्दनी चौक में गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हुआ, उस दिन लखी शाह बंजारा लगभग तीन सौ छकड़ों के साथ व्यापार के लिए कुछ सामग्री लेकर दिल्ली आ रहा था। सारी दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ था। रास्ते में ही अन्य बंजारों ने लखी शाह को इस अमानवीय कांड की पूरी जानकारी दी। सबसे बड़ी चुनौती तो यह थी कि मुगल सेना ने गुरुजी के शरीर का विधिवत दाह संस्कार करने की भी मनाही कर दी थी। इसका प्रयास करने वाले को दंडित किया जाएगा, यह भी निश्चित था। मुगल शासन में यह दंड किस प्रकार का हो सकता था, यह समझा जा सकता है। यह चुनौती किसी व्यक्ति विशेष को नहीं बल्कि पूरे भारत को थी। लखी शाह जानता था, बंजारों के अतिरिक्त सारे भारत का प्रतिनिधित्व और कौन कर सकता है? ये बंजारा ही हैं जो भारत मां की रज माथे पर लगा कर पूरा भारतवर्ष घूमते हैं। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक। कश्मीर से कन्याकुमारी और कटक से अटक तक। उसने निर्णय कर लिया कि वह मुगल साम्राज्य की इस चुनौती को स्वीकार करेगा। गुरुजी के शरीर का संस्कार करेगा, चाहे उसे इसके लिए कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। उसने अपने पुत्रों नगाहिया, हेमा आदि से भी इस विषय पर बात की। वे भी इस पवित्र कार्य में अपने पिता के सहयोगी बने। लेकिन प्रश्न था कि यदि लखी शाह किसी तरह से गुरुजी का धड़ उठा भी लेता है तो उसको लेकर कहां जाएगा और उनका दाह संस्कार कैसे करेगा? मुगल सेना तो चौकन्ना होगी ही। उसने मन ही मन सब योजना बना ली थी। अब केवल इस योजना को क्रियान्वित करने की रणनीति बनाने का था। अन्धेरा हो जाने पर ही वह अपने छकड़े लेकर चान्दनी चौक के पास पहुंचेगा और वह पहुंच भी गया। शायद देवता भी लखी शाह का साथ दे रहे थे। मूसलाधार वर्षा होने लगी थी। हाथ को हाथ दिखाई नहीं दे रहा था। मुगल सैनिक वर्षा से बचने के लिए इधर उधर जगह तलाश रहे थे। इसी समय लखी शाह का काफिला वहां पहुंचा। बादलों की भयंकर गडग़ड़ाहट के बीच बिजली गरजी। चारों ओर क्षण भर के लिए प्रकाश हो गया। मुगल सैनिकों ने देखा लखी शाह बंजारा का काफिला जा रहा था। वे उसे जानते थे क्योंकि वही लाल किले में रसद मुहैया करवाता था। इसलिए उन्होंने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया। लेकिन क्षण भर के लिए हुए बिजली के उसी प्रकाश में लखी शाह ने भी धरती माता की गोद में पड़ा गुरु तेग बहादुर जी का धड़ देख लिया था। ऐसा लगा मानो प्रकृति भी दाह संस्कार से पहले अपने बेटे को नहला रही हो। छकड़े एक एक कर गुजर रहे थे। बिना क्षण भर की भी देर किए, लखी शाह और उसके बेटों ने गुरु जी का धड़ उठाया और उसे छकड़े में रख कर ढक दिया । काफिला पहले की ही तरह रायसीना टांडा की ओर चलता रहा। बंजारों का यह बहुत बड़ा टांडा था। अन्ततः वे सभी गुरु जी की देह को लेकर अपने टांडा रायसीना पहुंच गए। लेकिन प्रश्न था कि वे इसका विधिवत संस्कार कहां करें? ज्यादा समय भी नहीं था । वर्षा के थमते ही मुगल सैनिकों को धड़ के गुम हो जाने का पता चल ही जाएगा। तब शक लखी शाह पर ही होगा क्योंकि उसी का कारवां वहां से गुजरा था।

आप का नजरिया

वोट का सवाल बा

चुनाव आयोग को कोई नेता 'पिट्ठू' कहता है, तो कोई राजनीतिक दल 'कठपुतली' करार दे रहा है। कोई 'भाजपा का प्रकोष्ठ या एजेंट' मान रहा है। कोई तो 'झूठा' और 'मक्कार' जैसी गालियां दे रहा है। चुनाव आयोग को 'मोदी आयोग' करार देने वालों की संख्या भी कम नहीं है। आखिर शिष्टाचार और मर्यादा की तमाम हदें क्यों लांघी जा रही हैं? आखिर चुनाव आयोग ने कौनसा अपराध या घपला किया है कि उसके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है? चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उसे यह विशेषाधिकार दिया गया है। भारत की लगभग 78 साल की आजादी और गणतंत्र के 75 सालों में न जाने कितनी बार यह प्रक्रिया सामने आई होगी! मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग को है। सवाल और आपत्तियां भी की जाती रही हैं। सर्वोच्च अदालत को 1995 में यहां तक फैसला देना पड़ा कि आयोग किसी की 'नागरिकता' तय नहीं कर सकता। व्यक्ति को खुद साबित करना है कि वह भारत का नागरिक है। उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय में भी जाना होगा। वही पात्र मंत्रालय है। चुनाव आयोग कुछ दस्तावेजों के आधार पर तय करता है कि अमुक व्यक्ति 'पात्र मतदाता' है अथवा नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कि शुद्ध मतदाता-सूची लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अनिवार्य है। हम चाहते हैं कि कोई भी गैर-भारतीय मतदाता-सूची में शामिल न हो पाए।'' फिर भी बिहार का विपक्ष चिल्ला रहा है-'वोट का सवाल बा।' विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आशंका है कि 2-3 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। कांग्रेस की आशंका अलग है कि 20 फीसदी मतदाता अपना मताधिकार खो सकते हैं। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स' (एडीआर) के संस्थापक जगदीप कोछर ने इस दलील के साथ सर्वोच्च अदालत में याचिका दी हुई है कि बिहार में पलायन की व्यापक समस्या के कारण 50 फीसदी तक मतदाताओं के नाम सूची से अलग किए जा सकते हैं। इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर 10 जुलाई को शीर्ष अदालत में सुनवाई थी। उसका विश्लेषण बाद में किया जाएगा। विपक्ष को न्यायिक फैसले का इंतजार करना चाहिए था। अलबत्ता अदालतें किसी भी विरोध-प्रदर्शन या चक्का जाम के दबाव में नहीं आतीं। सवाल है कि ड्राफ्ट और अंतिम मतदाता-सूची सार्वजनिक होने से पहले विपक्ष चिल्ल-पौं क्यों कर रहा है? वह चुनाव आयोग को कोस रहा है और दूसरी तरफ 57 फीसदी से अधिक गणना-प्रपत्र भरे जा चुके हैं। करीब 19 फीसदी लोगों ने अपना फॉर्म आयोग के नेट पर अपलोड भी कर दिया है। फिलहाल पुनरीक्षण में 15 दिन का समय शेष है। विपक्ष ने तेलंगाना में 22 फीसदी मतदाताओं और कर्नाटक में 18 फीसदी मतदाताओं के नाम काटने पर खूब हंगामा मचाया था। दोनों ही राज्यों में कांग्रेस की सरकारें किस तरह बन गईं? जम्मू-कश्मीर में भी पुनरीक्षण के बाद चुनाव हुए थे। वहां भी विपक्ष का एनसी-कांग्रेस गठबंधन जीता और अब उनकी सरकार है। सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग को गालियां देने, चक्का जाम करने से, आयोग डर जाएगा और पुनरीक्षण की कवायद रोक दी जाएगी? यदि अदालत ने हस्तक्षेप किया, तो कुछ कहा नहीं जा सकता, सामान्य तौर पर पुनरीक्षण की कवायद जरूर पूरी की जाएगी। बल्कि 2026 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल आदि राज्यों में भी चुनाव से पहले 'विशेष गहन पुनरीक्षण' जरूर किया जाएगा। यह घोषणा चुनाव आयोग कर चुका है। इससे पहले 2003 में पुनरीक्षण का काम किया गया था। बहरहाल 'आधार कार्ड' को इस पूरी प्रक्रिया के दौरान निराधार क्यों किया गया, यह सवाल बराबर उठना चाहिए। व्यक्ति की दैहिक पहचान का सबसे मौलिक दस्तावेज यही है। हम इस मुद्दे को उठा चुके हैं। यदि घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या नकली, फर्जी 'आधार कार्ड' बनवा रहे हैं, तो यह शर्मनाक व्यवस्था है। इसे पूरी तरह बदलना केंद्र सरकार का इकलौता दायित्व है।

> चुनाव आयोग को 'मोदी आयोग' करार देने वालों की संख्या भी कम नहीं है। आखिर शिष्टाचार और मर्यादा की तमाम हदें क्यों लांघी जा रही हैं? आखिर चुनाव आयोग ने कौनसा अपराध या घपला किया है कि उसके लिए अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है? चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उसे यह विशेषाधिकार दिया गया है। भारत की लगभग 78 साल की आजादी और गणतंत्र के 75 सालों में न जाने कितनी बार यह प्रक्रिया सामने आई होगी! मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग को है। सवाल और आपत्तियां भी की जाती रही हैं।

कुछ अलग

जनसंख्या के लिए नियोजन जरूरी

वर्तमान में संपूर्ण विश्व की जनसंख्या 8191988453 है, जो वर्ष 2024 से 0.90 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। 2025 के अंत तक भारत की जनसंख्या 1.46 बिलियन से ज्यादा होने का अनुमान है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1.42 बिलियन से ज्यादा होने का अनुमान है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डालती है। माल्थस थ्योरी के अनुसार, 'जनसंख्या की वृद्धि ज्यामिति प्रगति से बढ़ती है तथा खाद्य उत्पादन केवल अंक गणितीय रूप से बढ़ता है।' मतलब आर्थिक संसाधनों में वृद्धि की गति काफी कम होती है और जनसंख्या वृद्धि बहुत ज्यादा होती है।

दृष्टि कोण

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है। भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है। समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था। इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता

हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था। इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा। यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है, जिसमें दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं और बूथ स्तर का अधिकारी उनकी भौतिक सत्यापना करता है। 24 जून की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार यह आशंका व्यक्त की गई कि 2003 के बाद पंजीकृत मतदाता यदि कोई संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो उनका नाम मसौदा मतदाता सूची से स्वतः हट जाएगा। चुनाव आयोग के लिए अच्छा रहता यदि आदेश के साथ-साथ एक प्रेस नोट भी जारी करता, यह समझाने के लिए कि 24 जून के आदेश के पैरा 13 से जो अर्थ निकाले जा रहे हैं, वह वैसा नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति पर जताई चिंता

यूएन,15 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि वैश्विक वकास से जुड़े केवल 35 प्रतिशत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) ही तय समय तक हासिल होने की दिशा में हैं, जबकि शेष लक्ष्य या तो धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं। उन्होंने इसे वैश्विक विकास का आपातकाल बताया।

महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने न्यूयॉर्क में सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2025 जारी करते हुए संवाददता सम्मेलन में उक्त बातें कहीं। उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल पहुंच और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बाल विवाह में कमी आई है और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि 80 करोड़ से अधिक लोग अब भी अत्यधिक गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। लगभग 18 प्रतिशत लक्ष्य पीछे की ओर जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, ऋण संकट और संघर्षों ने विकास की गति को बाधित किया है। महासचिव ने गाजा, यूक्रेन, सूडान और पश्चिम एशिया में शांति की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

अर्थव्यवस्था और सामाजिक मामलों के अवर महासचिव ली जुनहुआ ने रिपोर्ट के आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि 2010 के मुकाबले नए एचआईवी संक्रमण में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है और 2000 से अब तक मलेरिया रोकथाम से 1.2 करोड़ जीवन बचाए गए हैं। 2015 से अब तक 11 करोड़ से अधिक बच्चों का स्कूलों में नामांकन हुआ है।

उन्होंने बताया कि विश्व की 92 प्रतिशत आबादी को अब बिजली की पहुंच है और इंटरनेट उपयोग 70 प्रतिशत बढ़ चुका है। लेकिन जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं की समान भागीदारी जैसे क्षेत्रों में अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट में छह बदलावों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है—खाद्य, ऊर्जा, डिजिटल पहुंच, शिक्षा, रोजगार और जलवायु।

उल्लेखनीय है कि सतत विकास लक्ष्य वर्ष 2015 में तय किए गए थे, जिन्हें 2030 तक प्राप्त करना है। ये लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई सहित 17 मुख्य क्षेत्रों में वैश्विक विकास को दिशा देने हेतु बनाए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ताइवान के वायु क्षेत्र में घुसे चीन के सैन्य विमान

ताइपे (ताइवान)। चीन अपनी विस्तारवादी नीति से बाज नहीं आ रहा। चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि मंगलवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने मध्य रेखा पार करके ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान के सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब देने के लिए अपने विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। एक अन्य एक्स पोस्ट में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बलों ने रात्रिकालीन रन-वे मरम्मत अभ्यास किया। साथ ही दूरस्थ द्वीपों पर सैनिकों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए भोर में लाइव फायर अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 जुलाई को भी चीन ने ताइवान में घुसपैठ की थी। तब ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा करते हुए कहा था कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ताइपे टाइम्स अखबार की हालिया खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है। इससे उसे समुद्र के नीचे केबल बिछाने में मदद मिल सकती है और वह इसका सैन्य उपयोग भी कर सकता है।

खुद के शौक पूरे करने के लिए बच्चे पैदा करती थी महिला, पुरुषों से बनाती थी संबंध

बीजिंग। दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली एक महिला ने दूसरे पुरुषों से संबंध बनाकर बच्चे पैदा करना और उन्हे बेचना धंधा बना लिया था। इससे जो भी पैसे मिले थे उससे महिला अपने निजी शौक पूरे करती थी।आरोपी की पहचान 26 वर्षीय हुआंग के

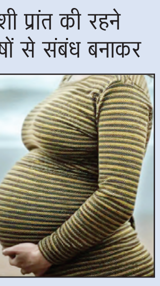

रूप में हुई है, जो मूल रूप से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत की रहने वाली है और उसने केवल प्राथमिक स्कूल तक शिक्षा हासिल की है। बाद में हुआंग दक्षिण-पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के फूज़ौ में चली गई और छोटे-मोटे काम करके अपना जीवनयापन किया। अक्टूबर 2020 में, उसने अपने पहले बेटे को जन्म दिया। लेकिन आर्थिक तंगी और पिता की गैर-मौजूदगी के कारण उसे अपने बेटे की देखभाल करने में कठिनाई हो रही थी।

बाप रे बाप...वर्ष 2100 में भारत की आबादी 1.5 अरब, जबकि चीन की 63 करोड़ रहेगी

लंदन। प्यू रिसर्च के मुताबिक, आने वाले दशकों में भारतीय आबादी की तस्वीर पूरी तरह से बदलने वाली

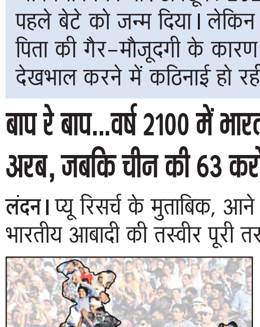

है। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन भविष्य में इसकी युवा आबादी में कमी होगी और जनसंख्या वृद्धि की दर धीमी होगी। अनुमान है कि वर्ष 2061 तक भारत की आबादी बढ़कर 1.7 अरब होगी। लेकिन उसके बाद यह धीरे-धीरे गिरने लगेगी और वर्ष 2100 में 1.5 अरब रह जाएगी। पाकिस्तान में मानव आबादी का विस्फोट होने की उम्मीद वहीं इसके विपरीत, वर्ष 2100 में चीन की आबादी मात्र केवल 63 करोड़ रहेगी। इसका मुख्य कारण चीन की लंबे समय से चली आ रही एक बच्चा नीति है, इस लोगों ने आत्मसात कर लिया है। भले ही चीन सरकार ने अब नीति को बदल कर जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित कर रही है, लेकिन चीनी अब अधिक बच्चे पैदा करने को लेकर उत्सुक नहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2100 तक भारत की जनसंख्या चीन के दोगुने से भी अधिक होगी, भले ही भारत की आबादी में कमी आएगी। वहीं, पाकिस्तान में मानव आबादी का विस्फोट होने की उम्मीद है। प्यू रिसर्च के अनुसार, वर्ष 2100 में दुनिया की आबादी की वृद्धि में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी पांच देशों- कॉन्गो, इथियोपिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान और तंजानिया की रहेगी। पाकिस्तान में आबादी को नियंत्रित करने के उपायों की कमी है, जिसका कारण अशिक्षा और गरीबी सहित कई कारक हैं। नाइजीरिया और इथियोपिया भी दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले 10 देशों में शामिल हो सकते और आने वाले दशकों में अफ्रीकी देश ही दुनिया में सबसे युवा आबादी रहेगी। वैश्विक स्तर पर, वर्ष 2100 तक दुनिया की औसत आयु बढ़कर 42 साल हो जाएगी, जो वर्तमान में 31 वर्ष है।

न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से तबाही, न्यू जर्सी में आपातकाल

न्यूयॉर्क,15 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से भारी तबाही हुई है। सब-वे और राजमार्गों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की । न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने हालात के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की।

खबर के अनुसार, सोमवार रात न्यूयॉर्क शहर और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई है। इससे मेट्रो सिस्टम के कुछ हिस्सों में पानी भर गया। प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर भी पड़ा। धीमी गति के इस तूफान ने मध्य-अटलांटिक के बड़े हिस्से को पानी-पानी कर दिया। इस वजह से मध्य वर्जीनिया से न्यूयॉर्क शहर तक अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया। इस दौरान वाहन जलमग्न हो गए। बाढ़ के पानी ने एक पेट्रोल पंप के ईंधन पंपों को तहस-नहस कर दिया।

मौसम विज्ञानी जो वेगमैन ने बताया कि कुछ इलाकों में सात इंच तक बारिश हुई। सोमवार देर रात तूफान कमजोर पड़ गया। सोमवार रात राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क के सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए आगाह किया। न्यूयॉर्क शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अनुसार, क्वींस के रिचमंड हिल इलाके में बिजली गुल होने से लगभग 1,000 लोग प्रभावित हुए।

मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने रात लगभग 11 बजे से पहले बताया कि मैनहट्टन में कई सब-वे स्टेशनों में पानी भर जाने के कारण निलंबित की गई 1, 2 और 3 सब-वे लाइनों पर सेवा बहाल कर दी गई है। एमटीए ने बताया कि स्टेटन आइलैंड रेलवे ने भी दोनों दिशाओं में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इस दौरान एमटीए ने ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन से आने-जाने वाली हार्लेम और न्यू हेवन रेल लाइनों पर देरी और संभावित निलंबन की चेतावनी दी।

न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के बीच एनजे ट्रांजिट के कई बस मार्गों को परिवर्तित कर दिया गया है। एनजे ट्रांजिट के अनुसार, न्यूयॉर्क के पेन स्टेशन और न्यू जर्सी के ट्रेंटन के बीच रेल सेवा अब निर्धारित समय पर चल रही है। उधर, न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के बीच आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है।

मौसम सेवा ने मध्य न्यू जर्सी और दक्षिण-पूर्वी पेन्सिलवेनिया के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह तक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की। मिडलसेक्स काउंटी के प्लेनफील्ड के मेयर ने कहा कि शहर का रेलवे स्टेशन जलमग्न हो गया है। न्यूयॉर्क की सीमा से लगे उत्तर-पूर्वी बर्गेन काउंटी में सैडल नदी उफान पर है।

आपातकालीन प्रबंधन टीम के समन्वयक फिलिप कॉल्विन ने बताया पेंसिल्वेनिया के लैंकेस्टर काउंटी के माउंट जॉय में पांच घंटे से भी कम समय में सात इंच से ज़्यादा बारिश हुई। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने बताया कि टैकोनिक स्टेट पार्क-वे में बाढ़ के कारण सभी रास्ते बंद करने पड़े। स्प्रैन ब्रुक पार्क-वे भी बाढ़ के कारण माउंट प्लेजेंट में दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया है।

ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, सोमवार रात को हवाई यात्रा भी बाधित रही। कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्थान करने वाली उड़ानों में तीन घंटे से अधिक की देरी हुई। नेवार्क लिबर्टी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्थान करने वाली उड़ानों में दो घंटे तक की देरी हुई।

समुद्र पर बना दुनिया का मशहूर कंसाई एयरपोर्ट धीरे-धीरे पानी में समा रहा

टोकियो,15 जुलाई (एजेंसियां)।

दुनियाभर में क्लाइमेट चेंज का असर हो रहा है और इससे जापान भी अछूता नहीं है। जापान के तकनीकी रूप से कल्पनाशील एयरपोर्ट कंसाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर क्लाइमेट चेंज का बड़ा और चिंताजनक प्रभाव देखने को मिला। साल 1994 में बना यह एयरपोर्ट जो दुनिया का पहला पूरी तरह समुद्र के बीच कृत्रिम द्वीपों पर बनाया गया था अब धीरे-धीरे समुद्र के आगोश में समाता जा रहा है।

कंसाई एयरपोर्ट को जिस सॉफ्ट सीबेड पर बनाया गया था वो अब धंस रहा है। बीते तीन दशकों में एयरपोर्ट का पहला द्वीप 13.6 मीटर तक जबकि दूसरा द्वीप 17.47 मीटर तक पानी के नीचे धंस चुका है। आंकड़े बताते हैं कि यह अब भी हर साल 6 सेंटीमीटर तक धंस रहा है जिससे यह विशालकाय एयरपोर्ट धीरे-धीरे समुद्र में समा रहा है।

1.7 किलोमीटर लंबा टर्मिनल-1 दुनिया के सबसे लंबे टर्मिनलों में से एक

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंसाई एयरपोर्ट के भविष्य को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चेतावनी दी है। यदि इसके पानी में सामने की दर इसी तरह जारी रही तो 2056 तक एयरपोर्ट का कुछ हिस्सा पूरी तरह से समुद्र में समा जाएगा। यह जापान और वैश्विक विमानन उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। करीब 20 अरब डॉलर यानी 1.6 लाख करोड़ रुपए की लागत से बने इस एयरपोर्ट का डिज़ाइन मशहूर आर्किटेक्ट रेंजो पियानो ने तैयार किया था। इसका 1.7 किलोमीटर लंबा टर्मिनल-1 दुनिया के सबसे लंबे टर्मिनलों में से एक है। निर्माण के समय इसे भविष्य की ज़रूरतों के अनुरूप बेहद टिकाऊ और लचीला माना गया था, लेकिन अब क्लाइमेट चेंज, समुद्र के बढ़ते स्तर और समुद्री उतार-चढ़ाव इसके सामने नई चुनौतियां बन रहे हैं। इस एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे की कमजोरियां सबसे पहले 2018 में टाइफून जेबी के दौरान उजागर हुईं जब कंसाई एयरपोर्ट पूरी तरह से पानी में डूब गया था। इस घटना के बाद 150 मिलियन डॉलर यानी करीब 1200 करोड़ रुपए का एक विशाल बचाव अभियान शुरू किया गया था।

यूक्रेन से युद्ध के चलते वोदका का उत्पादन घटा, अब रुसी ही पी रहे जमकर वोदका

रूस में वोदका का उत्पादन घट रहा है जबकि शराब की खपत बढ़ गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस साल की पहली छमाही में रूस में स्पिरिट का उत्पादन 16 फीसदी घटने की संभावना जताई है। रूस की संघीय शराब बाजार रेगुलेशन सर्विस के मुताबिक वोदका का उत्पादन पिछले साल की इस अवधि की तुलना में 10.9 फीसदी गिरा है। 2024 में जहां 33.40 मिलियन डेकालिटर उत्पादन हुआ था, वहीं 2025 की पहली छमाही में यह घटकर 31.38 मिलियन डेकालिटर रह जाने का अनुमान है। इतिहास में 1990 के दशक में रूस में वोदका को कुछ समय के लिए वस्तु विनिमय में मुद्रा के रूप में भी इस्तेमाल किया था। 'वोदका' शब्द रूसी 'वोडा' यानी पानी से निकला है और माना जाता है कि 8वीं-9वीं सदी से रूस और पोलैंड में इसका उत्पादन हो रहा है। इसकी उत्पत्ति को लेकर दोनों देशों में अपने-अपने दावे करते हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह रूस की सांस्कृतिक धरोहर का अहम हिस्सा है। रूसी नागरिक अब पहले से ज्यादा शराब पी रहे हैं। 2024 में पिछले आठ साल की तुलना में शराब की खपत बढ़ी है। रूसी लोग अब रम, व्हिस्की, ब्रांडी और टकीला जैसी अन्य स्ट्रॉन्ग ड्रिंक्स भी पसंद कर रहे हैं।

सीरियाई विदेश मंत्री ने आईडीएफ हमलों पर दी परोक्ष प्रतिक्रिया, कहा- बाहरी हस्तक्षेप अनुचित

सीरिया के आंतरिक मामलों में किसी को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं: असद अल-शिबानी

ब्रुसेल्स

सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने दक्षिणी सीरिया में इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा किए गए टैंक हमलों पर परोक्ष रूप से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी को भी सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है।

यह टिप्पणी उन्होंने सऊदी समाचार चैनल अल-हदथ से बातचीत के दौरान की, जब वे बीते दिनों बेदुइन जनजातियों और ड्रूज़ लड़ाकों के बीच हुई हिंसक झड़पों पर बोल रहे थे। यहीं पर इजराइल ने टैंकों पर हमला किया था।

विदेश मंत्री शिबानी ने आगे कहा, हथियार उठाना सिर्फ राज्य की जिम्मेदारी है, किसी और की नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीरिया धीरे-धीरे फिर से अरब जगत और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वाभाविक स्थिति में लौट रहा है।

असद अल-शिबानी फिलहाल ब्रुसेल्स में हैं, जहां वे यूरोपीय संघ के अधिकारियों से कई अहम बैठकें कर रहे हैं। संयोग से, इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार भी वहीं मौजूद हैं, हालांकि दोनों नेताओं के बीच किसी सीधी मुलाकात की योजना नहीं है। गिदोन सार के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि कोई व्यक्तिगत बैठक निर्धारित नहीं है।

गौरतलब है कि बीते दिनों सीरिया के स्वैदा प्रांत में ड्रूज मिलिशिया और सुन्नी बेदुइन जनजातियों के बीच हुई झड़पों में अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है। सीरिया सरकार ने वहां सुरक्षा बल भेजे, वहीं इज़राइल ने रविवार को सीरियाई टैंकों को निशाना बनाकर हमला किया। वहीं, इजराइल ने अभी तक इस कार्रवाई पर आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिकी शिक्षा विभाग में छंटनी का रास्ता साफ, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राष्ट्रपति ट्रंप खुश

वाशिंगटन,14 जुलाई (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन अब संयुक्त राज्य अमेरिका के शिक्षा विभाग में अपने हिसाब से छंटनी कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने फैसले में ट्रंप प्रशासन को शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर छंटनी की योजना को अनुमति प्रदान कर दी। इस योजना पर पहले एक संघीय न्यायाधीश ने रोक लगा दी थी। रूढ़िवादी बहुमत वाली शीर्ष अदालत ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रशासन की आपातकालीन अर्जी को स्वीकार कर लिया।

खबर के अनुसार, शीर्ष अदालत के तीन उदारवादी सदस्यों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई। न्यायमूर्ति सोनिया सोतोमयोर ने तो तीखी असहमति व्यक्त की। उन्होंने लिखा, कार्यपालिका ने सार्वजनिक रूप से कानून तोड़ने की अपनी मंशा की घोषणा की है। न्यायपालिका का कर्तव्य यह है कि उसे ऐसा करने से रोके ना कि मनमानी करने की छूट दे। सोतोमयोर ने कहा, न्यायालय का बहुमत या तो जानबूझकर अपने

फैसले के निहितार्थों के प्रति अंधा है या फिर नासमझ है। यह फैसला संविधान के शक्तियों के पृथक्करण के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला संविधान की स्पष्ट अवहेलना करता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष अदालत के फैसले की सराहना की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने यह घोषणा करके देश भर के अभिभावकों और छात्रों को एक बड़ी जीत दिलाई है। अब ट्रंप प्रशासन शिक्षा विभाग को राज्यों को सौंपने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अब शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया की शुरू कर सकती हैं।

सनद रहे, इस साल की शुरुआत में पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रंप ने इस संबंध में कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि प्रशासन शिक्षा विभाग को बंद करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। इसके बाद लिंडा मैकमोहन ने बड़े पैमाने पर छंटनी का आदेश दिया था।

इसके बाद डेमोक्रेसी फॉरवर्ड की मुख्य कार्यकारी स्काई पेरीमैन के नेतृत्व में समूहों ने कानून की चौखट पर दस्तक दी। पैरीमैन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सार्वजनिक शिक्षा के लिए विनाशकारी बताया है। पेरीमैन ने कहा कि शीर्ष अदालत ने एक बार फिर बिना किसी तर्क के दो निचली अदालतों के फैसले को पलटा है। यह निराशाजनक है। कांग्रेस स्थापित शिक्षा विभाग को खत्म करने की ट्रंप-वेंस प्रशासन की कार्रवाई असंवैधानिक है।

शिक्षा विभाग के इस मामले में मैसाचुसेट्स स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश म्योंग जॉन ने 22 मई के अपने फैसले में लिखा था कि सबूत यह दर्शाते हैं कि प्रतिवादियों का असली इरादा बिना किसी अधिकृत कानून के विभाग को प्रभावी ढंग से खत्म करना है। सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने इस पर कहा था कि जॉन की टिप्पणी राष्ट्रपति के अधिकारों पर अतिक्रमण करती है।

डेयरी सेक्टर खुला तो 8 करोड़ किसानों को हो सकता है 1 लाख करोड़ का घाटा : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता अंतिम दौर में है, लेकिन कुछ प्रमुख मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते का मसौदा लगभग तैयार है, लेकिन कृषि और डेयरी उत्पादों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से इनकार कर दिया है। भारत ने आज तक किसी भी व्यापारिक साझेदार को डेयरी क्षेत्र में रियायत नहीं दी है। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिसर्च रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें अमेरिका को डेयरी सेक्टर में प्रवेश देने से भारत को होने वाले संभावित लाभ और हानियों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर भारत कृषि और डेयरी सेक्टर को अमेरिका के लिए खोलता है, तो इससे कुछ क्षेत्रों में लाभ की संभावना है। अमेरिका में उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे ऑर्गेनिक फूड, मसाले, आम, लीची, केले और भिंडी की भारी मांग है। फिलहाल भारत इन उत्पादों का सालाना निर्यात 1 अरब डॉलर से भी कम करता है, लेकिन यह बढ़कर 3 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा यदि अमेरिका भारत के आयुष और जेनेरिक दवाओं पर लगे गैर-शुल्क प्रतिबंध हटाता है, तो इन क्षेत्रों में 1-2 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात संभव है। वीजा नियमों में ढील और आउटसोर्सिंग पर सहयोग से भारतीय आईटी और सेवा क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिल सकता है। वहीं, अमेरिका से कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और प्रिसिशन फार्मिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश आने की उम्मीद है। हालांकि, यह समझौता भारतीय डेयरी किसानों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से किया इनकार

न्यूज ब्रीफ

जुलाई सीरीज़ में एफआईआई की आक्रामक बिकवाली, जुलाई सीरीज में बेचे 68,000 से ज्यादा निफ्टी फ्यूचर्स

नई दिल्ली। जुलाई सीरीज़ की शुरुआत से अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) इंडेक्स फ्यूचर्स खासकर निफ्टी फ्यूचर्स में आक्रामक बिकवाली कर रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) डेटा के मुताबिक एफआईआई ने अब तक कुल 16,844.97 करोड़ की शुद्ध बिकवाली की है। यह आंकड़ा 11 ट्रेडिंग सत्रों में सामने आया है और इसमें निफ्टी, बैंक निफ्टी और मिडकैप फ्यूचर्स के कुल 87,554 कॉन्ट्रैक्ट शामिल हैं। निफ्टी फ्यूचर्स में सबसे अधिक दबाव देखा गया, जहां एफआईआई ने 68,622 कॉन्ट्रैक्ट्स की शुद्ध बिकवाली की, जो कुल बिकवाली का 78 फीसदी है। इसी अवधि में निफ्टी फ्यूचर्स में ओपन इंटरेस्ट में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो शॉर्ट पोजिशन के निर्माण का संकेत देता है। नतीजतन एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 1.8 फीसदी तक गिरा है। एफआईआई का लॉन्ग-शॉर्ट रेशियो घटकर 0.22 हो गया है, यानी हर एक लॉन्ग पोजिशन पर लगभग 5 शॉर्ट पोजिशन हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि अगर निफ्टी 24,900 के स्तर को बनाए रखता है, तो बाजार को राहत मिल सकती है।

रिलायंस ने नेपाल में लांच किया 'कैम्पा' ब्रांड

नई दिल्ली। लायंस इंडस्ट्रीज की उपभोक्ता इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड 'कैम्पा' को नेपाल में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसके लिए नेपाल के एक अग्रणी कारोबारी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। हाल ही में जारी एक संयुक्त बयान में दोनों कंपनियों ने घोषणा की कि यह साझेदारी नेपाल के बाजार में 'कैम्पा' को सफलतापूर्वक स्थापित करने के उद्देश्य से की गई है। इस पहल के माध्यम से रिलायंस नेपाल में अपने उपभोक्ता उत्पादों की उपस्थिति को मजबूत करना चाहती है। आरसीपीएल के कार्यकारी ने कहा कि हम चौधरी ग्रुप के साथ साझेदारी कर नेपाल में प्रवेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि 'कैम्पा' ब्रांड नेपाल के उपभोक्ताओं को ताजगी और बेहतरीन स्वाद प्रदान करेगा। चौधरी ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी हमारी उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले पेय उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह गठबंधन हमारे पेय पोर्टफोलियो को विस्तारित करने के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी बाजार में हमारी स्थिति को और मजबूत करेगा।

ईपीएफओ ने बदले पीएफ निकासी के नियम, घर खरीदने वालों को बड़ी राहत

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भविष्य निधि (पीएफ) निकासी के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जिससे घर खरीदने या बनाने की योजना बना रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से 90 फीसदी तक की राशि निकाल सकते हैं, जबकि पहले यह सीमा कम थी। यह सुविधा पहला घर खरीदने, नया घर बनवाने या होम लोन की ईएमआई चुकाने के लिए ली जा सकती है। पहले इस लाभ के लिए कम से कम 5 साल की सेवा जरूरी थी, लेकिन नए नियमों के अनुसार अब केवल 3 साल की सेवा के बाद भी यह सुविधा उपलब्ध है। अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से निकाल सकते हैं 90 फीसदी तक की राशि यह लाभ जीवन में सिर्फ एक बार लिया जा सकता है और इसे ईपीएफ स्कीम 1952 के पैरा 68-बीडी के तहत लागू किया गया है। ऑनलाइन क्लेम प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है। अब बैंक चेक या पासबुक की स्कैन कॉपी अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। बैंक खाता आधार ओटीपी के माध्यम से ही सत्यापित हो जाएगा और नियोक्ता की भूमिका खत्म कर दी गई है। यदि कोई सदस्य बैंक खाता बदलना चाहता है, तो नया खाता नंबर और आईएफएससी कोड डालकर ओटीपी से सत्यापन किया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटो-सेटलमेंट की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया गया है, जिससे कर्मचारियों को 72 घंटे के भीतर तेज भुगतान संभव हो सकेगा ।

पहली बार बिटकॉइन की कीमत 1.21 लाख डॉलर के पार कंपनी का मार्केट कैप 2.4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पर पहुंचा

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां) ।

प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत सोमवार को 2.75 फीसदी से बढ़कर 1,21,097.94 डॉलर पर पहुंच गई है। यह पहला मौका है जब दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 1,21,000 डॉलर से ज्यादा हो गई। आंकड़ों के मुताबिक कीमत में तेजी आने से बिटकॉइन का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 2.41 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। अब कारोबार में ट्रेडिंग वॉल्यूम 60 अरब डॉलर से ज्यादा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल की शुरुआत से अब तक बिटकॉइन की कीमत में 29 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। इसके साथ अन्य क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भी इजाफा देखा जा रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम की कीमत 3.28 फीसदी से बढ़कर 3,054.96 डॉलर हो गई है और मार्केटकैप 368.77 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस दौरान ट्रेड वॉल्यूम 21.62 अरब डॉलर रही।

बाजार के जानकारों के मुताबिक संस्थागत खरीदारों के कारण बिटकॉइन की कीमत अगले एक-दो महीनों में 1,25,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। सीआईएफडीएक्यू के संस्थापक और अध्यक्ष ने कहा कि बिटकॉइन की तेजी में संस्थागत मांग एक प्रमुख चालक बनी हुई है और अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ में अब तक 50 अरब डॉलर से ज्यादा का शुद्ध निवेश हुआ। अकेले ब्लैकरॉक के पास 65 अरब डॉलर से ज्यादा का बिटकॉइन है, जबकि कॉर्पोरेट ट्रेजरी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

ट्रम्प प्रशासन के क्रिप्टो समर्थक रुख, रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व पर जोर देने और ईटीएफ अप्रूवल मानदंडों को आसान बनाने से भी आशावाद को बल मिला है। उन्होंने कहा कि कमजोर डॉलर, बढ़ती ट्रेजरी मांग और सॉवरेन क्रेडिट डाउनग्रेड जैसे व्यापक आर्थिक बदलाव, बिटकॉइन को एक हेज के रूप में मजबूत बना रहे हैं। नियामक स्पष्टता में सुधार और कॉइनबेस के एसएंडपी 500 में प्रवेश करने के साथ, मुख्यधारा की संपत्ति के रूप में बिटकॉइन की स्थिति पहले कभी इतना मजबूत नहीं रही। खास बात यह है कि यह तेजी पूरी तरह से खुदरा क्षेत्र से प्रेरित नहीं है। यह विविध निवेश पोर्टफोलियो में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स की बढ़ती भूमिका और बिटकॉइन की मान्यता को दर्शाता है।

सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनीं स्कोडा काइलाक

नई दिल्ली। स्कोडा ने जून 2025 के लिए अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी की है, जिसमें सबसे ज्यादा बिकने वाली कार स्कोडा काइलाक रही। इस एसयूवी ने 3,196 यूनिट की बिक्री दर्ज की और टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा और हुंडई वेन्यू जैसी प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती दी। दूसरे नंबर पर स्कोडा स्लाविया रही, जिसे जून में 896 ग्राहकों ने खरीदा। हालांकि, इसकी बिक्री में सालाना आधार पर 27प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई क्योंकि पिछले साल जून 2024 में इसकी 1,230 यूनिट बिकी थीं। बिक्री के मामले में तीसरे स्थान पर स्कोडा कुशाक रही, जिसने 793 यूनिट की बिक्री के साथ 34 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हासिल की। चौथे नंबर पर स्कोडा कोडियाक रही, जिसे जून 2025 में 130 ग्राहकों ने खरीदा। वहीं स्कोडा ऑक्टाविया की हालत सबसे खराब रही और इसकी एक भी यूनिट नहीं बिकी। पिछले साल जून 2024 में इसकी केवल एक यूनिट बिकी थी। सभी मॉडलों को मिलाकर कंपनी ने जून 2025 में भारतीय बाजार में कुल 5,014 नई कारें बेचीं। कुल मिलाकर, स्कोडा की बिक्री में मिश्रित तस्वीर सामने आई है। जहां काइलाक ने कंपनी की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की, वहीं स्लाविया और ऑक्टाविया जैसे मॉडल कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए।

सर्राफा बाजार में नई ऊंचाई पर चांदी, सोने की घटी चमक

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। वहीं चांदी ने जोरदार छलांग लगा कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है है।

सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये से लेकर 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये से लेकर 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,19,000 रुपये प्रति किलोग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मेटा ने 1 करोड़ अकाउंट किए बंद

डिजिटल कंटेंट से कमाई करने वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने फेसबुक पर गैर-मौलिक (कॉपी-पेस्ट) कंटेंट शेयर करने वाले यूजर्स पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मेटा ने अब तक 1 करोड़ से ज्यादा अकाउंट बंद कर दिए हैं, जिन पर दूसरों के कंटेंट को बिना अनुमति के इस्तेमाल करने का आरोप है। इसके अलावा 5 लाख ऐसे अकाउंट भी हटाए गए हैं, जो स्पैम या नकली गतिविधियों में लिप्त थे। मेटा की नई नीति के तहत अब फेसबुक पर वही कंटेंट मोनेटाइज होगा जो मौलिक और यूजर द्वारा खुद तैयार किया गया हो। जो यूजर बार-बार किसी दूसरे के टेक्स्ट, फोटो या वीडियो को कॉपी कर पोस्ट करेंगे, उनका मोनेटाइजेशन बंद कर दिया जाएगा। साथ ही उनकी पोस्ट की रीच और डिस्ट्रिब्यूशन भी घटा दी जाएगी। कंपनी की कोशिश है कि प्लेटफॉर्म पर केवल असली और रचनात्मक कंटेंट को बढ़ावा दिया जाए। इस दिशा में मेटा ने यूट्यूब की तर्ज पर एक नया सिस्टम भी टेस्ट करना शुरू किया है, जो डुप्लीकेट वीडियो की पहचान करेगा और ऑडियंस को मूल कंटेंट क्रिएटर का लिंक दिखाएगा। हालांकि, मेटा ने स्पष्ट किया है कि जो यूजर्स किसी और के कंटेंट पर रिएक्शन, व्याख्या या अपनी राय जोड़कर वीडियो बनाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी।

टेस्ला ने भारत में रखा कदम, मुंबई में खोला अपना पहला शोरूम

मुंबई,15 जुलाई (एजेंसियां) ।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने मंगलवार को अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में खोल दिया। इस शोरूम को एक्सपीरियंस सेंटर कहा जा रहा है। टेस्ला की मॉडल कार अब भारत में बिकेगी। कंपनी ने कार की शुरुआती कीमत 59.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, मुंबई) रखी है, जो अमेरिका की तुलना में 28 लाख रुपये ज्यादा है। उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र चाहता है कि टेस्ला, भारत में अपने अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करे। उन्होंने कहा कि टेस्ला ने सही राज्य और सही शहर में कदम रखा है, क्योंकि कई वर्षों से जिसका इंतजार हम कर रहे थे, वो कार टेस्ला ने मुंबई से लॉन्च की है। भारतीय बाजार में उन्होंने मुंबई से अपनी शुरूआत करने की घोषणा की है। टेस्ला मुंबई में एक्स्पीरियंस सेंटर के साथ-साथ डिलीवरी की व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था और सर्विसिंग की व्यवस्था ला रहा है। टेस्ला ने महाराष्ट्र और मुंबई को चुना, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में महाराष्ट्र लीडर बन चुका है। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में टेस्ला का पूरा इको-सिस्टम महाराष्ट्र में देखने को मिलेगा।

इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने शहर के मध्य बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में 4,000 वर्ग फुट में एक्सपीरियंस सेंटर खोला है।

हालांकि, अभी कार की डिलीवरी की टाइमलाइन या टेस्ट ड्राइव के विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। टेस्ला के इस कदम को देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते बाजार की दिशा में बड़ा संकेत माना जा रहा है। इलेक्ट्रिक कार टेस्ला का मॉडल के दो वेरिएंट्स भारत में उपलब्ध हैं। इन दोनों की टॉप स्पीड 201 किमी प्रति घंटा है। इसमें मॉडल रियर व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) की कीमत 59.89 लाख रुपये और मॉडल लॉन्ग रेंज (आरडब्ल्यूडी) की कीमत 67.89 लाख रुपये है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली,15 जुलाई (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सीमित दायरे में खरीदारी होती हुई नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,268.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,640.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 44,459.24

अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,998.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,808.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,160.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,199.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 3,486.88 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,183 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,114.34 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 177.13 अंक यानी 0.78 प्रतिशत उछल कर 22,792.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,245.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,487.91 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,144.13 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत उछल कर 7,101.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग क्रिकेट खिताब जीता, वाशिंगटन फ्रीडम को पांच रन से हराया

वाशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। एमआई न्यूयॉर्क ने एक कड़े मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम को पांच रन से हराकर मेजर लीग क्रिकेट 2025 का खिताब जीत लिया है। डलास में हुए इस फाइनल मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डिकॉक के 77 रनों की सहायता से 20 ओवर में सात विकेट पर 180 रन बनाए।

वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने 21 रन देकर तीन विकेट लिये। वाशिंगटन को जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए वह 176 रन ही बना पायी।

न्यूयॉर्क की ओर से डिकॉक के अलावा मोनांक पटेल ने 28 और कुंवरजीत सिंह ने भी तेजी से 22 रन बनाये। वहीं वाशिंगटन फ्रीडम की टीम इस मैच में रशील उगारकर के सामने टिक नहीं पायी। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए वाशिंगटन की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

बोलैंड दिन-रात के टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बने

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड दिन-रात के टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गये हैं। बोलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में गुलाबी गेंद से लगातार तीन विकेट लेकर ये रिकार्ड अपने नाम किया। स्कॉट बोलैंड ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से जमैका के किंग्स्टन में सबीना पार्क में खेले गए दिन-रात के टेस्ट की दूसरे पारी में वेस्टइंडीज के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की जिससे इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिनों में ही जीत लिया। बोलैंड ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के 14वें ओवर की पहली ही गेंद पर जस्टिन ग्रीव्स को 11 रन पर पेवेलियन भेजा।

न्यूज ब्रीफ

पीसीबी में करोड़ों के घोटाले का खुलासा हुआ

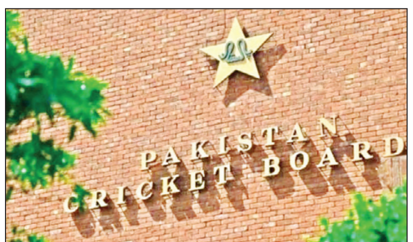

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में विवाद कोई नई बात नहीं है। वहीं इसमें अब एक और नया मामला जुड़ गया है। एक ऑडिट रिपोर्ट में बढ़े वित्तीय घोटाले की बात सामने आयी है। इसमें खुलासा हुआ है कि 2023 के दौरान करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ। इसके अलावा कई अनधिकृत नियुक्तियां हुई और जरूरत से ज्यादा भुगतान किये गये। पुलिस के भोजन, कोच और मैच अधिकारियों को दी गयी रकम में भी हैराफेरी हुई। इसके अलावा टिकट अनुबंधों में भी सही बोली नहीं लगाई गई। इस रिपोर्ट के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वह भी इसकी जांच के घेरे में हैं। इसके अलावा 2023 में पीसीबी के चेयरमैन रहे अशरफ भी संदे के घेरे में आ गये हैं। पथे। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान भोजन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को दिए गए 63.39 मिलियन पाकिस्तानी रुपये में हेराफेरी हुई। रिपोर्ट में कराची हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तीन अंडर-16 कोचों की अवैध वनियुक्ति की भी बातें कही गयी हैं। है। इसमें 5.4 मिलियन रुपये का वेतन भुगतान किया गया है जो तय सीमा से कहीं अधिक है।

रसेल की पत्नी जैसिम का फिटनेस वीडियो देख हैरान हुए लोग

जमैका। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल अपनी अक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। रसेल आईपीएल में खेलने के कारण भारत में भी लोकप्रिय हैं। रसेल के साथ ही उनकी पत्नी जैसिम लोरा भी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती है। भारतीय लोग भी उन्हें काफी पसंद करते हैं। अब जैसिम का एक और वीडियो भी इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वह बेहद अलग और हैरान कर देने वाले अंदाज में फिटनेस का अभ्यास करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वह हवा में झूलते हुए व्यायाम करती दिखाई दीं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसिम ने छत से बंधे एक खास तरह के कपड़े की सहाया से हवा में लटककर कई प्रकार के मूव्स बनाये। कभी वो एक हाथ छोड़ देती हैं, तो कभी हवा में लेट जाती हैं। इतना ही नहीं, एक समय ऐसा आता है जब वो कपड़े के सहारे उल्टी लटक जाती हैं और अपने पैरों को मोड़ लेती हैं। इस अनोखे वर्कआउट वीडियो को देख प्रशंसक भी हैरान हो गये। कुछ ने कहा कि जैसिम फिटनेस की असली क्वीन हैं जैसिम पेशे से एक अमेरिकी फैशन मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। मियामी की रहने वाली जैसिम की खास पहचान उनके बोल्ड फोटोशूट्स और फिटनेस वीडियोज़ के लिए है। सोशल मीडिया में उनके 3.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और वहां वह अक्सर अपने फैशन और फिटनेस से जुड़ी पोस्ट साझा करती रहती हैं. जैसिम न सिर्फ एक ग्लैमरस मॉडल हैं बल्कि एक ब्लॉगर भी हैं, जो फैशन ब्रांड्स के साथ काम करती हैं। रसेल और जैसिम की शादी जुलाई 2016 में हुई थी। इस जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जाता है।

रेसलर ऑर्टन निभाना चाहते हैं बैटमैन की भूमिका

सेन डियागो। डब्लयूडब्यूई के कई स्टार सुपरहीरो बने हैं। उसी में अब डब्लयूडब्यू ई स्टार रैंडी ऑर्टन का नाम भी जुड़ने जा रहा है। ऑर्टन अब जेम्स गन की जगह पर डीसीयू में बैटमैन की भूमिका निभाते दिखेगे। ऑर्टन ने सोशल मीडिया पर कहा है कि वह बैटमैन की भूमिका निभाने तैयार हैं। जिसमें द रॉक ब्लैक एडम बने और जॉन सीना पीसमेकर बने हैं। डेव बाटिस्टा गार्डियन ऑफ गैलेक्सी में ड्रेक्स की भूमिका में दिखेंगे। ऑर्टन आमतौर पर विलेन की भूमिका निभाते हैं। उनकी भूमिका बैटमैन से काफी मिलती है। उनकी आवाज और पर्सनालिटी भी बैटमैन की भूमिका के अनुरुप है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पूछा गया था, आपके हिसाब से जेम्ल गन की डीसीयू में बैटमैन की भूमिका किसे निभानी चाहिये इसके जवाब में ऑर्टन ने कहा कि वे इस भूमिका के लिए तैयार हैं। डब्लयूडब्यू के कई स्टार्स पहले भी सुपरहीरो की दुनिया में जा चुके हैं। रैंडी ऑर्टन इसमें भी अंधेरे में रहकर काम करते हैं। ऑर्टन की आवाज प्रभावशाली है। उनकी पर्सनालिटी भी अच्छी है। इसलिए प्रशंसक रैंडी को बैटमैन की भूमिका में पसंद कर सकते हैं।

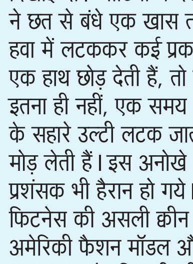

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तुर्की से पेंग...

हालुक गोरगुन ने ढाका का दौरा किया और बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ रणनीतिक सहयोग पर गहन चर्चा की। यह एक वर्ष के भीतर इस तरह की दूसरी उच्च-स्तरीय बातचीत थी, जिसमें चटगांव और नारायणगंज में संयुक्त रक्षा-औद्योगिक परिसरों की स्थापना पर चर्चा हुई। यह बांग्लादेश द्वारा तुर्की-निर्मित बायरकटार टीबी2 ड्रोन, एमकेई हॉवित्जर और रॉकेट प्रणालियों की पिछली खरीद पर आधारित है। वर्ष की शुरुआत में बांग्लादेशी अधिकारियों ने तुर्की के रक्षा प्रतिष्ठानों का भी दौरा किया था, जो तुर्की के साथ रक्षा संबंधों को गहरा करने की बांग्लादेशी महत्वाकांक्षा का साफ संकेत देता है।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश की उभरती रणनीतिक धुरी के बारे में खुलकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हितों के एक संभावित समीकरण पर हमें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इससे भारत की स्थिरता और सुरक्षा गतिशीलता पर प्रभाव पड़ सकता है। भारत के प्रति खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण शक्तियों के साथ ढाका का बढ़ता गठबंधन कई गंभीर सवाला उठाता है। बांग्लादेश के नेतृत्व को यह विचार करना चाहिए कि क्या इस तरह के गठबंधन उसके दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करते हैं? और क्या वे उस विरासत को नष्ट करने का जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं जिसने इस राष्ट्र को अस्तित्व में लाया।

चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश उन देशों के साथ अपनी गहरी होती मित्रता दिखा रहा है जिनकी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण है। भारत के सिलीगुड़ी गलियारे का फायदा उठाने की चीन की रणनीतिक मंशा, पाकिस्तान का भारत-विरोधी एजेंडे को लगातार आगे बढ़ाना और दक्षिण एशिया में तुर्की की बढ़ती सक्रियता अब जगजाहिर है। अब तो पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अराजकता फैलाने वाले तत्वों की घुसपैठ कराने में मददगार हो रहा है।

बांग्लादेश का वर्तमान नेतृत्व एक अपरिपक्व और वैचारिक रूप से भ्रमित रास्ता अपनाता दिख रहा है। बांग्लादेश का अंतरिम मुखिया मोहम्मद यूनुस व्यावहारिक कूटनीति छोड़कर लोकलुभावन बयानबाजी और अल्पकालिक रणनीतिक हथकंडे अपना रहा है। भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक ताकत के कारण उसके साथ जुड़ने में वैश्विक रुचि के बावजूद, बांग्लादेश उसी साझेदार को नाराज करके क्षेत्रीय स्तर पर खुद को अलग-थलग करता दिख रहा है जो उसे सबसे ज्यादा दीर्घकालिक लाभ दे सकता है।

बांग्लादेश उस तालिबान सरकार से भी सीख नहीं ले रहा, जिसने यह साफ कहा है कि उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं करने दिया जाएगा। तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा, अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार तटस्थता की नीति के लिए प्रतिबद्ध है और भारत समेत किसी भी देश के खिलाफ अफगानिस्तान की जमीन के इस्तेमाल की इजाजत नहीं देती। इसी तरह, श्रीलंका के नवनिर्वाचित मार्क्सवादी राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार आश्वासन दिया है कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के हितों के लिए हानिकारक नहीं होने देंगे। उन्होंने भारत की दोस्ती को एक सच्चे दोस्त की ढाल बताया। इसके ठीक उलट, ढाका की मौजूदा सरकार कूटनीतिक सिद्धांतों की बड़ी निर्लज्जता से अनदेखी कर रही है। जबकि सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश में आर्थिक संकेतकों में कोई सुधार नहीं है। बल्कि, स्थिति बद से बदतर हो गई है। मालदीव का उदाहरण सामने है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शुरुआत में भारत के प्रति टकरावपूर्ण रुख अपनाया। उन्होंने भी भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग की और चीन एवं तुर्की को प्राथमिकता देनी शुरू कीं। लेकिन उन्हें जल्दी ही भू-राजनीतिक, भू-रणनीतिक और भू-आर्थिक अनिवार्यताएं समझ में आ गईं। उन्होंने फौरन अपने दृष्टिकोण में बदलाव किया। 2024 के मध्य तक उन्होंने नई दिल्ली के साथ बातचीत की, प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया और मुद्रा विनिमय व्यवस्था और ऋण रोलओवर के माध्यम से भारतीय वित्तीय सहायता का स्वागत किया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से भारत को एक प्रमुख विकास साझेदार के रूप में स्वीकार किया। बांग्लादेश भी ऐसा ही कर सकता था।

लेकिन बांग्लादेश सरकार के अंतरिम मुखिया और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की नोबल समझ का अकाल है। जो व्यक्ति शापला चत्तर में 2013 की कानून प्रवर्तन कार्रवाई को शापला नरसंहार कहकर संबोधित करता हो और चरमपंथी मदरसा-आधारित समूह, हिफाजत-ए-इस्लाम के साथ सार्वजनिक रूप से एकजुटता व्यक्त करता हो, उसे नोबल पुरस्कार पाने का पात्र कैसे समझा जाए। शापला चत्तर की घटना मई 2013 में हुई थी, जब हिफाजत-ए-इस्लाम ने ढाका के केंद्रीय वाणिज्यिक जिले को घेर लिया था और 13 कट्टरपंथी मांगें रखी थीं, जिनमें से कई तालिबान और इस्लामिक स्टेट की मूल विचारधाराओं से मिलती-जुलती थीं।

हाथ से हाथ...

हमारे संबंधों के कई पहलू और आयाम हैं, क्योंकि हम पड़ोसी देश भी हैं और प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं भी। लोगों के बीच संपर्क को सामान्य बनाने की दिशा में उठाए गए कदम आपसी सहयोग को बढ़ा सकते हैं। इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि व्यापार में बाधाएं और प्रतिबंधात्मक कदम न उठाए जाएं। मुझे उम्मीद है कि इन मुद्दों पर और गहराई से चर्चा होगी। भारत और चीन के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए लाभकारी हैं। यह तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के प्रति सम्मान, साझा हित और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाएं।

जयशंकर ने कहा, हम पहले भी सहमत हो चुके हैं कि मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए और प्रतिस्पर्धा को कभी भी संघर्ष नहीं बनने देना चाहिए। इसी आधार पर हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। जयशंकर ने चीनी पक्ष को एस-सीओ की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा, हम कल फिर मिलेंगे और भारत अच्छे परिणाम और फैसलों के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हमें दूरदर्शिता अपनाने की जरूरत है। अक्टूबर 2024 में कजान में हमारे नेताओं की बैठक के बाद भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में बढ़े हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि इस रफ्तार को बनाए रखें। उन्होंने कहा, हाल के समय में हमने कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलकर संवाद किया है। उम्मीद है कि अब यह नियमित रूप से एक-दूसरे के देशों में होगा। इस साल भारत और चीन के बीच कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं। हमें खुशी है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा भी पांच साल बाद फिर से शुरू हुई है। इस पर सहयोग के लिए मैं चीनी पक्ष का धन्यवाद करता हूं।

यह गगनयान...

सकुशल वापसी पर खुशी जताई। राजनाथ ने शुभांशु के पिता से कहा कि पूरे देश को शुभांशु पर गर्व है। राजनाथ सिंह ने कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक उनकी यात्रा और वापसी केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए एक गौरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में उन्हें अपार सफलता की कामना करता हूं। शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है।

प्रशांत महासागर में यान के सफल स्प्लैशडाउन के साथ ही पूरा देश खुशी से झूम उठा। जैसे ही शुभांशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर यान समुद्र में उतरा, देश में भावनाओं का ज्वार उमड़ पड़ा। शुभांशु के माता-पिता भावुक और गौरवान्वित होते हुए इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

स्पेसएक्स ने ड्रैगन के सुरक्षित उतरने की पुष्टि की और अंतरिक्ष यात्रियों का पृथ्वी पर स्वागत किया। शुभांशु शुक्ला, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए थे। शुभांशु राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। राकेश शर्मा ने यह यात्रा 1984 में की थी।

आज जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वातावरण में लौट रहा था, तो 18 मिनट का डी-ऑर्बिट बर्न हुआ, जो प्रशांत महासागर के ऊपर हुआ। इस दौरान यान ने पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू की। अंतरिक्ष यान के वायुमंडल में प्रवेश करते समय, करीब सात मिनट तक यान से संपर्क टूट गया था। इसे ब्लैकआउट पीरियड कहा जाता है। यह आमतौर पर उस समय होता है, जब यान तेज गति और गर्मी के कारण सिग्नल नहीं पकड़ पाता। वापसी की प्रक्रिया में यान के ट्रंक (पिछला हिस्सा) को अलग किया गया और हीट शील्ड को सही दिशा में लगाया गया, ताकि यान को वायुमंडल में प्रवेश करते समय सुरक्षा मिल सके। उस समय यान को करीब 1,600 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी का सामना करना पड़ा। अंतरिक्ष यान की सफल लैंडिंग के दौरान पैराशूट दो चरणों में खोले गए।

स्पेसएक्स ने बताया कि अप्रैल में एफआरसीएम-2 मिशन के जरिए ड्रैगन यान को पहली बार पश्चिमी तट (कैलिफोर्निया) पर उतारा गया था। यह दूसरा मौका था, जब ड्रैगन यान ने इंसानों को लेकर कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग की। इससे पहले, स्पेसएक्स के ज्यादातर स्प्लैशडाउन (समुद्र में उतरने) अटलांटिक महासागर में होते थे। आईएसएस पर अपने दो सप्ताह से अधिक के प्रवास के दौरान, शुभांशु शुक्ला ने कुल 310 से ज्यादा बार पृथ्वी की परिक्रमा की और लगभग 1.3 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की। यह दूरी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 33 गुना अधिक है, जो अपने आप में एक शानदार उपलब्धि है।

अंतरिक्ष मिशन के दौरान चालक दल ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 300 से ज्यादा सूर्योदय और सूर्यास्त देखे, जो पृथ्वी की तेज परिक्रमा की वजह से संभव हुआ। इसी बीच, इसरो ने सोमवार को बताया कि शुभांशु शुक्ला ने अपने मिशन के दौरान सभी सात सूक्ष्म-गुरुत्व प्रयोग और अन्य नियोजित वैज्ञानिक गतिविधियां सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इसरो ने इसे मिशन की एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

पैकेटबंद खाद्य...

प्रतीक। सिंगापुर की स्पष्ट ए-टू-डी न्यूट्री-ग्रेड प्रणाली का अध्ययन करने के बाद भारत में इस नियम को लागू करने की सिफारिश की गई थी। इस कदम से एफएसएसआई को बिना किसी देरी के अनुपालन करने और भारतीय उपभोक्ताओं को स्वस्थ विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। इससे देश में बढ़ते मोटापे के संकट को रोका जा सकेगा। ए-टू-डी न्यूट्री-ग्रेड प्रणाली खाद्य पदार्थों में, एक ग्रेडिंग प्रणाली है जो खाद्य पदार्थों को उनके पोषण मूल्य के आधार पर वर्गीकृत करती है। यह प्रणाली खाद्य पदार्थों को ए (सबसे अच्छा) से डी (सबसे खराब) तक के ग्रेड में विभाजित करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में विभिन्न स्थानों पर स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देने के लिए चीनी और तेल बोर्ड बनाने का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार, ये बोर्ड स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक संस्थानों में दृश्यात्मक व्यवहारिक संकेतों के रूप में काम करेंगे। इन पर रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में छिपे वसा और शक्कर की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। भारत को बढ़ते मोटापे की समस्या से निपटने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के साथ-साथ जलेबी और समोसे जैसे भारतीय स्नैक्स पर भी नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम कार्यस्थलों में स्थायी व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख पहल का हिस्सा है। इनमें तेल और चीनी के अत्यधिक सेवन को कम करना शामिल है, जो मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य जीवनशैली संबंधी विकारों की बढ़ती दरों में प्रमुख योगदानकर्ता हैं।

म्यांमार से सटे ...

जिले के वक्का गांव की जनसंख्या सबसे अधिक है। वक्का में 2,000 से अधिक लोग रहते हैं। इसी जिले के गांव खानु की आबादी 1,629, चांगलांग के गांधीग्राम में 1,754 और सबसे कम आबादी वाले सभी गांव चांगलांग जिले में है। इनमें ओल्ड पोटुक 41 लोगों की आबादी है तो गाहेरीग्राम में 57 और लुंगटुंग में 71 लोग रहते हैं।

केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत जम्मू-कश्मीर के 124 सीमावर्ती गांवों को पर्यटन और विकास के नए केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली, इंटरनेट, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और सुरक्षा जैसी सुविधाएं होंगी। इनमें जम्मू, राजोरी, पुंछ, कठुआ, कुपवाड़ा, बारामुला, बांदीपोरा और रियासी जिले के गांव शामिल हैं। केंद्र सरकार इस प्रोजेक्ट के माध्यम से पाकिस्तान से होने वाली गोलाबारी से बाहर निकलकर इन गांवों को सैरगाह बनाने की तैयारी में है। सीमावर्ती इलाकों के ये गांव पर्यटन केंद्र के तौर पर उभरेंगे और सीमावर्ती इलाकों में रह रहे लोग सुरक्षा एजेंसियों के लिए आंख व कान का काम करेंगे। केंद्र सरकार ने 15 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों में 2029 तक के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को लांच किया है।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की खास बात यह है कि इसमें सौ फीसदी हिस्सेदारी केंद्र सरकार की है। सीमावर्ती इलाकों में होने वाले बदलाव को लेकर प्रदेश सरकार को बजट खर्च करने की आवश्यकता नहीं है। जम्मू संभाग का करीब 192 किलोमीटर क्षेत्र पाकिस्तान से सटा हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने रिहायशी इलाकों को अपना निशाना बनाया था। इससे इन जिलों में भारी नुकसान हुआ है। अब केंद्र सरकार की इस योजना से ग्रामीणों के जख्मों पर मरहम लगाने की तैयारी है। सीमावर्ती इलाकों में भविष्य में न तो मोबाइल सिग्नल बंद होगा और न ही बिजली गुल होगी। केंद्र सरकार ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में इन इलाकों को 24 घंटे बिजली व मोबाइल इंटरनेट से जोड़ने की तैयारी की है। बिजली सौर ऊर्जा से तैयार होगी। इसके लिए नोडल अधिकारी ग्रामीण सुझाव प्रदेश सरकार तक पहुंचाएगा। केंद्र ने इस प्रयास के माध्यम से पर्यटकों को सीमावर्ती इलाकों तक आकर्षित करने की तैयारी है।

बहुउद्देशीय केंद्र और स्वास्थ्य सहित वेलनेस सेंटर भी सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में बहुउद्देशीय केंद्र और स्वास्थ्य सहित वेलनेस सेंटर भी खोले जाएंगे। इससे लोगों की निर्भरता बाहर के अस्पतालों पर कम हो जाएगी। बहुउद्देशीय केंद्र की मदद से स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण हासिल होगा। इससे उनके रोजगार की राह आसान होगी। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव एम राजू के अनुसार, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को लेकर केंद्र और प्रदेश के बीच समन्वय के लिए योजना विकास व निगरानी विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। प्रदेश और जिलास्तर पर दो अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है।

प्रदेश स्तर की समिति का संचालन मुख्य सचिव की अगुवाई में हो रहा है। जिलास्तर पर गठित समिति की बागडोर सभी आठ जिलों के उपायुक्तों को सौंपी गई है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत चयनित होने वाले सभी प्रोजेक्ट के लिए जिलास्तरीय समिति जवाबदेह होगी। जिलास्तर पर योजना, एक्शन प्लान, सीमा सुरक्षाबलों से तालमेल का काम जिला स्तरीय समिति करेगी। इसकी रिपोर्ट उपायुक्त प्रदेश स्तरीय समिति को प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश स्तरीय समिति इस योजना को सिरे पर चढ़ाएगी।

लखनऊ कोर्ट में ...

दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली थी। यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दाखिल की थी। मामला फिलहाल लखनऊ की अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी। राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा।

लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली। आखिरकार राहुल गांधी को अदालत में आत्मसमर्पण करना पड़ा।

गंदी गतिविधियों के...

जो कि तमिलनाडु की एक संस्था द्वारा भेजे गए थे। आयकर विभाग की रिपोर्ट में अब साफ हो गया है कि नेपाल से सटे जिलों में इस्लामिक कट्टरपंथी अपनी पैंठ जमाने में लगे हैं। ये बात कोई नई नहीं हैं, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार इसके खिलाफ ऑपरेशन चलाए हुए हैं। इन जिलों में अवैध मस्जिद-मदरसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उत्तर प्रदेश और नेपाल के बीच 7 जिलों की 570 किलोमीटर की सीमा पर रोज अवैध ढांचे समतल किए जा रहे हैं। महाराजगंज से लेकर सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत और लखीमपुर में इन कब्जों को चिन्हित किया जा रहा है। लगातार 2025 में ऐसे सैकड़ों अवैध ढांचे गिराए गए हैं।

नेपाल से सटे जिलों के गांवों में डेमोग्राफी बदलने कोई नई बात नहीं है। यह अभियान सालों से चला आ रहा है। इस समस्या को परखने के लिए जमीनी स्तर पर पहुंचा थे। ग्राउंड रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे भी हुए। नेपाल सीमा के आसपास के गांवों में मुस्लिम आबादी कई गुना बढ़ी है। साल 2022 की इस ग्राउंड रिपोर्ट में नेपाल की सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में सैकड़ों से अधिक मस्जिद और मदरसे पाए गए। अकेले बलरामपुर जिले में बॉर्डर से 15 किलोमीटर 150 मदरसे चल रहे हैं। इसके अलावा इसी क्षेत्र में नेपाल सीमा से 15 किलोमीटर क्षेत्र में मस्जिदों की संख्या 200 से अधिक है। इन दोनों के अतिरिक्त लगभग 10 स्थान ऐसे भी हैं, जहां मस्जिद के ही अंदर मदरसे चल रहे हैं। हाल ही में पकड़ा गया छांगुर पीर इसी बलरामपुर का है। उसे भी विदेशी फंडिंग का खुलासा हुआ था। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया था कि कई गांव जो पहले हिंदू बहुल हुआ करते थे वो अब मुस्लिम बहुल हो चुके हैं।

केवल नेपाल सीमा से सटे भारत के जिलों में ही नहीं बल्कि उस पार भी मुस्लिम आबादी बढ़ी है। इसकी पुष्टि नेपाल के सांसद अभिषेक सिंह तक ने भी की थी। साल 2022 में से बातचीत में सांसद ने कहा था कि पहले भी मुस्लिम आबादी बढ़ी, लेकिन तब इसका एहसास नहीं हुआ लेकिन अब जब सब सामने नजर आने लगा तब हम लोग चिंतित हैं। सांसद ने कहा कि पिछले 20 साल के भीतर नेपाल में मुस्लिम आबादी दोगुना हो गई है। उन्होंने बताया कि 20 साल पहले 4.5 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले नेपाल में अब 9 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी है। इसी के साथ सांसद ने आने वाले 20 वर्षों में मुस्लिम आबादी कई गुना और बढ़ जाने की आशंका जताई।

आज सूर्य करेंगे कर्क राशि में गोचर

सूर्य संक्रांति पर तीर्थ स्नान और दान करने से बढ़ती है आयू और सकारात्मक ऊर्जा

आज 16 जुलाई को सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करेगा। इस दिन कर्क संक्रांति पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व पर तीर्थ-स्नान और दान के साथ उगते हुए सूरज की पूजा करने की भी परंपरा है। पुराणों में कहा गया है कि ऐसा करने से बीमारियां दूर होती है। साथ ही उम्र और सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ती है। सेहत के नजरिये से भी देखा जाए तो सूर्य को जल चढ़ाना फायदेमंद होता है। क्योंकि सूरज की रोशनी में विटामिन डी होता है। जो हमारे शरीर में सीधे पहुंचता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य 16 जुलाई को यानी आज शाम 5:30 मिनट पर चंद्रमा की राशि कर्क में गोचर करेंगे। सूर्य इस राशि में 17 अगस्त तक रहेंगे। इसके बाद सूर्य अपनी राशि सिंह में गोचर कर जाएंगे। आषाढ़ महीने में सूर्य उपासना की परंपरा है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। स्कंद और पद्म पुराण में कहा गया है कि इस महीने में सूर्य को जल चढ़ाने से पुण्य मिलता है और पाप भी खत्म हो जाते हैं। वेदों में सूर्य को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। इसलिए सूर्य उपासना से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

सूर्य का राशि परिवर्तन मेष से लेकर मीन राशि तक सभी 12 राशियों को प्रभावित करेगा। कुछ राशियों को सूर्य शुभ तो कुछ राशियों को अशुभ फल देंगे। ज्योतिष के अनुसार कर्क संक्रांति को छह महीने के उत्तरायण काल का अंत माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन ही दक्षिणायन की शुरुआत होती है। सूर्य की यह स्थिति मकर संक्रांति तक रहती है। शास्त्रों के अनुसार सूर्य देव की कर्क संक्रांति के दिन उपासना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। सूर्यदेव 16 जुलाई को बुध की राशि मिथुन से निकल कर चंद्रमा की राशि कर्क में गोचर करेंगे। मित्र की राशि में होने के का कारण सूर्य ज्यादातर राशियों के लिए शुभ फल देने वाला होगा। सूर्य के गोचर का प्रभाव राजनीति बिजनस और जीवन अन्य क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। सूर्य गोचर का अर्थ है कि सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को जगत की आत्मा कहा गया है। सूर्य के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते इसलिए सूर्य के गोचर का ज्यादा प्रभाव देखने को मिलता है। सूर्य के गोचर के दौरान किस व्यक्ति को कैसा फल मिलेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति की कुंडली या राशि में सूर्य किस भाव में संचरण कर रहे हैं।

सेहत के नजरिये से भी महत्वपूर्ण सूर्य को जल चढ़ाना सेहत के लिए भी फायदेमंद है। उगते हुए सूर्य को चल चढ़ाने से शरीर को विटामिन डी की भरपूर मात्रा में मिलता है। सूर्य की किरणें शरीर में मौजूद बैक्टीरिया को दूर कर निरोगी बनाने का काम करती हैं। इससे शरीर स्वस्थ रहता है। इंसान का शरीर पंच तत्वों से बना होता है। इनमें एक तत्व अग्नि भी है। सूर्य को अग्नि का कारक माना गया है। इसलिए सुबह सूर्य को जल चढ़ाने से उसकी किरणें पूरे शरीर पर पड़ती हैं। इससे हार्ट, स्कीन, आंखें, लिवर और दिमाग जैसे सभी अंग सक्रिय हो जाते हैं। शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में मददगार ज्योतिष ग्रंथों में भी सूर्य को आत्मा का कारक माना गया है। इसलिए सुबह जल्दी उठकर सूर्य देव के दर्शन से मन प्रसन्न होता है। इससे सकारात्मक रहने और अच्छे काम करने की प्रेरणा मिलती है। सूर्य पूजा से शरीर में स्फूर्ति भी आती है। उगते हुए सूर्य की किरणें हमारी आंखों के लिए अच्छी होती है। ये हमारे शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में भी मदद करती हैं। सूर्य को जल चढ़ाने से मन में अच्छे विचार आते हैं, जिससे प्रसन्नता महसूस होती है। इससे सोचने-समझने की शक्ति भी बढ़ती है। ये व्यक्ति की इच्छाशक्ति को मजबूत करने का भी काम करता है।

संक्रांति पर सूर्य को जल चढ़ाने का महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार संक्रांति पर सूर्य को जल चढ़ाने का महत्व स्कंद और पद्म पुराण के अनुसार सूर्य को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। उन्हें भक्तों को प्रत्यक्ष दर्शन देने वाला भी कहा जाता है। इसलिए आषाढ़ महीने में सूर्यदेव को जल चढ़ाने से विशेष पुण्य मिलता है। आषाढ़ महीने में सूर्य को जल चढ़ाने से सम्मान मिलता है। सफलता और तरक्की के लिए भी सूर्यदेव को जल चढ़ाया जाता है। दुश्मनों पर जीत के लिए भी सूर्य को जल चढ़ाया जाता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार युद्ध के लिए लंका जाने से पहले भगवान श्रीराम ने भी सूर्य को जल चढ़ाकर पूजा की थी। इससे उन्हें रावण पर जीत हासिल करने में मदद मिली।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है। देश भर में महंगाई बढ़ने के भी आसार हैं। देश के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति बन सकती है तो वहीं कुछ इलाकों में सूखे की स्थिति का सामना भी करना पड़ सकता है।

सूर्य करते हैं राशियों को प्रभावित

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य ग्रह को ग्रहों का राजा बताया गया है। जब सूर्य गोचर करते हैं अर्थात राशि परिवर्तन करते हैं तब इसे सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। जैसे सूर्य अब कर्क राशि में गोचर कर रहे हैं तो इसके कर्क संक्रांति के नाम से भी जाना जाएगा। सूर्य किसी भी राशि में एक महीने तक रहते हैं और इसके बाद राशि परिवर्तन कर जाते हैं। इस तरह वह सभी 12 राशियों के अलग-अलग भाव में होकर उनको प्रभावित करते हैं। सभी 12 राशियों में सूर्य का आधिपत्य केवल सिंह राशि पर है। वहीं 27 नक्षत्रों में सूर्य उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के स्वामी हैं। सूर्य अत्यंत तेजस्वी ग्रह होकर आत्मा का कारक भी है।

सूर्य का महत्व

सूर्य मेष राशि में उच्च होते हैं और तुला राशि में नीच होते हैं। सूर्य के चंद्रमा मंगल व देवताओं के गुरु बृहस्पति के साथ अच्छे संबंध यानी मित्र ग्रह हैं वहीं बुध से सम्यता के संबंध हैं और शनि व शुक्र ग्रह से इनके शत्रुवत संबंध हैं। सूर्य शुभ ग्रह अर्थात गुरु शुक्र और चंद्रमा के साथ युति होने पर शुभ फल देते हैं और क्रूर ग्रह यानी कि शनिएमंगल केतु व राहु के साथ युति होने पर अशुभ फल देते हैं। सूर्य की राशि सिंह की मित्र राशि मेष कर्क वृश्चिक धनु व मीन हैं। वहीं वृष तुला मकर व कुंभ राशि से शत्रुवत संबंध हैं।

कुंडली में सूर्य मजबूत

सूर्य अगर व्यक्ति की कुंडली में मजबूत स्थिति में है तो उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है और जीवन में सुख-शांति के साथ समृद्धि भी आती है। साथ ही पिता के साथ संबंध मजबूत होते हैं और उनके आशीर्वाद से सभी कार्य बनने लग जाते हैं। जो व्यक्ति रोजगार की तलाश कर रहा होता हैए उसे सरकारी नौकरी प्राप्त हो जाती है और राजनीतिक जीवन में भी सफलता मिलती है। सूर्य के प्रभाव से मान-सम्मान में वृद्धि होती है और हर रोग से मुक्ति मिलती है। चूंकि सूर्य उच्च पद का कारक ग्रह है इसलिए जिस पर सूर्य देव की कृपा होती है उसे हर क्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होता है।

कुंडली में सूर्य कमजोर

सूर्य अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में कमजोर स्थिति में हो तो उसे कार्यक्षेत्र के साथ.साथ जीवन में भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं शारीरिक रोग-दोष का सामना करना पड़ता है और हार्ट व नेत्र से संबंधित परेशानियां लगी रहती है। साथ ही कई झूठे आरोपों का भी सामना करना पड़ता है और मान-सम्मान में भी कमी आती है। पिता के साथ संबंध अच्छे नहीं रहते और धन की हानि लगातार बनी रहती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से कुंडली में पितृ दोष भी लगता है।

राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव

16 जुलाई को यानी आज सूर्य का राशि परिवर्तन होने जा रहा है। सूर्य इस दिन मिथुन राशि से कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे। सबसे अधिक प्रभाव कर्क राशि पर पड़ेगा। 4 राशियों के लिए सूर्य का राशि परिवर्तन शुभ रहेगा। वहीं अन्य 8 राशियों पर सूर्य का अशुभ प्रभाव रहेगा।

शुभ - वृष, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखें। रोज गुड़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रति[redacted] उनके चरण छुकर आशीर्वा[redacted]

शिवलिंग पर जल में पांच चीजें मि[redacted] अर्पित करने से भोले बाबा की बरसे[redacted]

सावन के महीने का आगाज हो चुका है। यह पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। ऐसे में शिव भक्त विधि-विधान से शिवजी की पूजा-अर्चना में लग जाते हैं। इस माह में कांवड़ यात्रा और सावन शिवरात्रि पड़ती है, जिसकी हिंदू धर्म में विशेष मान्यता होती है। अगर आप सावन के दौरान नियमित रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, तो इससे शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं, शास्त्रों में कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है जिन्हें जल में मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करने से भोले बाबा प्रसन्न होते हैं। साथ ही, इससे जातक को जीवन के दुखों और बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है।

जल में गंगाजल मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाएं

माना जाता है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए एक लोटा जल में कुछ बूंदें गंगाजल की भी अवश्य डालनी चाहिए। ऐसा करने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा भक्तों पर बनी रहती है। अगर इस सावन के महीने में जल में गंगाजल मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाते हैं, तो इससे सभी ग्रह के दोषों के प्रभाव कम हो सकते हैं और जीवन से नकारात्मकता भी दूर होने लगती है। इस एक शुभ कार्य से जातक के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने लगता है।

जल में कच्चा दूध मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाएं

सावन के महीने में शिवलिंग पर नियमित एक लोटा जल अर्पित करने से आपको जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है। मान्यता है कि एक लोटा जल में थोड़ा कच्चा दूध मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाना बहुत फलदायी होता है। ऐसा करने से जातक को मानसिक शांति मिलती है और घर-परिवार में सुख-शांति आती है। अगर आप घर की समस्याओं से परेशान हैं तो सावन में जल में कच्चा दूध मिलाकर शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं। इससे गृह क्लेश से भी निजात मिलता है और परिवार के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है।

जल में शहद मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें

इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, एक लोटा जल में शहद की कुछ बूंदें मिलाएं और शिवजी के मंदिर जाकर इस जल को शिवलिंग पर अर्पित करें। ऐसा नियमित रूप से करने से जातक को बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में आने वाली बाधाओं से भी मुक्ति मिलती है। अगर आप करियर य[redacted] का सामन[redacted] में शिवजी[redacted] जरूर करें[redacted] अर्पित करें।[redacted] से करियर में[redacted] रास्ते खुल[redacted] हैं।

जल में चंदन [redacted] मिलाकर शिव[redacted] पर चढ़ा[redacted]

सावन के मही[redacted] की पूजा करने के[redacted] पर जल अर्पित कर[redacted] ऐसे में अगर आप[redacted] चंदन मिलाकर शिव[redacted] शुभ फल की प्राप्ति ह[redacted] सम्मान में वृद्धि होती[redacted] है। अगर सावन में शि[redacted] आपके जीवन से दुर्भा[redacted] शुरू होने लगता है। ऐसे[redacted] की विधि-विधान से पूज[redacted]

जल में दही मिला[redacted]

माना जाता है कि शिवलि[redacted] चढ़ाना बहुत लाभकारी हो[redacted] वैवाहिक जीवन में आ रही स[redacted] है और जीवनसाथी के साथ[redacted] अगर आप सावन में जल में[redacted]

नीलकंठ की कथा, विषपान से शुरू हुई जलाभिषेक की परंपरा

देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने के अनेक उपायों में कांवड़ यात्रा एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रभावशाली साधना है। विशेषकर सावन में यह यात्रा शिव भक्ति का प्रतीक बन जाती है, जिसमें श्रद्धालु गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सावन मास में जब समुद्र मंथन हुआ, तब उससे निकला भयंकर हलाहल विष संपूर्ण सृष्टि को विनाश की ओर ले जाने वाला था। सभी देवता भयभीत हो उठे और उन्होंने भगवान शिव से सहायता की प्रार्थना की। लोक कल्याण के लिए शिवजी ने वह विष स्वयं पान कर लिया, लेकिन न तो उसे बाहर निकाला और न ही भीतर जाने दिया। उन्होंने उसे अपने कंठ में ही रोक लिया, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए।

विष की तीव्रता से शिवजी को शीतलता प्रदान करने के लिए देवताओं ने उन पर गंगाजल का अभिषेक किया। यहीं से शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। माना जाता है कि शिव के जलाभिषेक से उनके भीतर धारण किए गए विष की अग्नि शांत होती है और साथ ही भक्तों को भी उनके जीवन में शिव की तरफ से शांति, कल्याण और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद मिलता है।

त्रेतायुग में भगवान राम ने और द्वापर में युधिष्ठिर ने कांवड़ में जल भरकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया था। कल्पभेद और युगभेद के कारण कुछ विद्वानों का मानना है पहली बार श्रवण कुमार ने कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। मत चाहें अनेक हों, लेकिन निष्कर्ष यह है कि शिव जी का जलाभिषेक कांवर यात्रा एवं सावन में शिव पूजा भक्तों का कल्याण कर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। सावन में किया गया पुण्यकर्म भक्तों के जीवन को शुद्ध एवं समृद्ध करता है, उन्हें प्रगति, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उत्थान की ओर ले जाता है। सावन में यदि हम सच्चे मन से शिव की भक्ति करते है तो जीवन में किसी भी प्रकार का भय, आधि-व्याधि का निवारण स्वतः ही हो जाता है।

सावन में मेहंदी का है विशेष महत्व: माता पार्वती से है संबंध

सावन का महीना देवों के देव महादेव को समर्पित हैं। शास्त्रों में भी इस महीने का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, सावन का महीना हरितमय रहता है। सावन में चारों तरफ हरियाली छाई रहती है। सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा के साथ साथ मेहंदी लगाने की भी विशेष महत्व है। हालांकि यह परंपरा सिर्फ सौंदर्य से जुड़ी नहीं है बल्कि आसकि धार्मिक महत्व भी है।

सावन में क्यों महिलाएं लगाती हैं मेहंदी ?

सावन में महिलाओं को मेहंदी लगानी चाहिए क्योंकि, महिलाओं को शास्त्रों में प्रकृति का रुप माना गया है। ऐसे में प्रकृति के साथ तादात्म्य यानी एक रुपता के लिए भी महिलाएं सावन में मेहंदी लगाती हैं और ऐसा करना भी चाहिए ऐसा शास्त्रों में बताया गया है। साथ ही इसका वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी है मेहंदी की तासीर शीतल होती है। जिसका आपके स्वास्थ्य पर अच्छा असर होता है। सावन के महीने में बहुत बारिश होती है जिस वजह से स्कीन आदि से जुड़ी समस्याएं हो सकती है ऐसे में मेहंदी की शीतलता से स्कीन आदि की समस्याएं कम होने की संभावनाएं रहती है।

पुराणों में बताया गया है कि सावन के महीने में पुरुष और स्त्री को ब्रह्मचर्य और संयम का पालन करना चाहिए। मेहंदी लगाने के पीछे एक वजह यह भी है कि यह मन को संयमित रखने में सहायक होता है क्योंकि, इसकी प्रकृति शीतल मानी गई है। यही

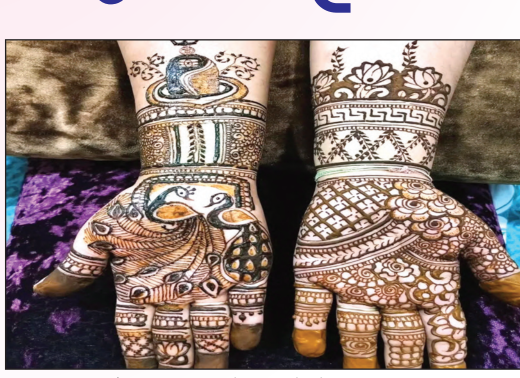

वजह है कि सावन के महीने में अक्सर नवविवाहित कन्याएं पति से दूर अपने मायके में रहने जाती है और वहां भक्तिभाव से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं।

मेहंदी को सुहाग का प्रतीक भी माना गया है और मेहंदी का गहरा रंग जितना ही हथेली पर चढ़ता है उतना ही माना जाता है कि अपने जीवनसाथी से तालमेल और प्रेम बना रहता है। सावन प्रकृति और पुरुष के मिलन का महीना माना जाता है। इसी महीने में भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन के संयोग बना था। भगवान शिव माता पार्वती को अपनी अर्धांगिनी बनाने का वरदान दिया था। इसलिए सुहाग की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन में प्रेम और तालमेल के लिए महिलाएं मेहंदी रचाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। सावन में रक्षाबंधन, हरियाली तीज का पर्व भी आता है। रक्षाबंधन पर मेहंदी लगाने से भाई की उम्र लंबी होती है और भाई बहन के रिश्तों में हमेशा तालमेल बना रहता है। जबकि हरियाली तीज पर मेहंदी पति की लंबी आयु के लिए लगाई जाती है। सावन के महीने में लगाई गई मेहंदी आपके रिश्तों को मजबूत बनाती हैं।

मेहंदी और माता पार्वती का संबंध

पौराणिक मान्यता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए सावन के महीने में कठोर तप किया था। तभी से सावन महिलाओं के लिए सुहाग और अखंड सौभाग्य की कामना से जुड़ा माना जाता है। इस महीने में मेहंदी लगाना माता पार्वती को प्रसन्न करता है और पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

पारिवारिक मनोरंजक फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर आउट

बहुप्रतीक्षित पारिवारिक मनोरंजक फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म जल्द ही अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में हीर के सफर को दिखाया गया है, जो अपने सपने पूरे करने के लिए विदेश जाती है। हालांकि वहां पहुंचकर उसको और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिन्हे पार कर वह अपने लक्ष्यों को पाने की कोशिश करती है। ट्रेलर में हीर की उन सभी कठिनाइयों की झलक दिखाई गई है। इस फिल्म में अभिनेत्री दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का गाना डोरे-डोरे दिल पे तेरे भी रिलीज किया था। शादी के माहौल पर आधारित इस गाने में भारतीय और विदेशी कलाकार प्यार भरी धुनों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। इस गाने के बोल श्लोक लाल ने लिखे हैं और संगीत तनिष्क बागची का है। गायक नकाश अजीज और हरजोत कौर ने बेहतरीन आवाज दी है।

गाने को लोगों के साथ साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, एक आंख मारना, एक मोड़, एक छोटी सी छेड़खानी, 'डोरे-डोरे' आपके दिल को खुश करने के लिए यहां है। इसे अभी देखें! परिवार के साथ मजेदार भावनाओं का आनंद लें।कुछ दिन पहले अभिनेत्री दिविता जु-नेजा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म हीर एक्सप्रेस की अपनी पहली झलक साझा की। इस पोस्ट में वह घोड़े पर बैठी थीं और उनके चेहरे पर मुस्कान थी।

उसके एक हाथ में खाना पकाने का पैन था, जबकि सब्जियां हवा में उड़ती हुई दिख रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक हाथ में पैन, दूसरे में ताकत, हीर कल आपसे मिलने आ रही है। परिवार के साथ मज़ेदार भावनाओं का आनंद लें। हीर एक्सप्रेस 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। उमेश शुक्ला के निर्देशन में बनी फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' से दिविता जुनेजा बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी का अभिनय देख भावुक हुईं तृप्ति डिमरी

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों धड़क 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में जो अभिनय किया है, उसे देख वह भावुक हो गईं। बातचीत में तृप्ति डिमरी ने सिद्धांत चतुर्वेदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में बहुत अच्छे से अपनी भावनाओं को दिखाया है, जिसे देख वह खुद भी भावुक हो गई। उनका अभिनय बहुत गहरा और शानदार है। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं।

तृप्ति डिमरी ने कहा, सच कहूं, तो फिल्म में सिद्धांत के साथ काम करना काफी अच्छा अनुभव था। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। उन्होंने दिलोजान से अपना किरदार निभाया है। जब मैंने पहली बार फिल्म देखी, तो मैंने तुरंत उन्हें फोन किया और कहा, 'यह तुम्हारे करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन अभिनय है।' मैं सच में उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे महसूस करेंगे। उन्होंने निलेश के किरदार को गहराई और सच्चाई के साथ उतारा है।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म में क्या खास बात लगी, तो एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा कहानी का भावुक पहलू और अपने किरदार की जटिलता ने आकर्षित किया।

दर्शकों के प्यार में डूबीं सारा अली खान चुमकी को लेकर हुईं भावुक!

अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म मेट्रो...इन दिनों में अपने किरदार 'चुमकी' को भरपूर प्यार देने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया।अभिनेत्री सारा अली खान ने फिल्म मेट्रो...इन दिनों के पर्दे के पीछे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आभारी, धन्य और बहुत-बहुत खुश हूं। आपने हमारी फिल्म को जो प्यार दिया उसके लिए शुक्रिया और चुमकी को स्वीकार करने और प्यार करने के लिए भी शुक्रिया।इससे पहले, एक विशेष बातचीत के दौरान, सारा ने खुलासा किया था कि निर्देशक अनुराग बसु का फिल्म बनाने का स्टाइल हैरान करने वाला है। वह अपने कलाकारों को भरपूर स्पेस देने में विश्वास रखते हैं और इसी वजह से उनकी फिल्मों में अभिनय करते हुए कुछ 'मैजिक मोमेंट्स' अपने आप आ जाते हैं।

आईएएनएस से बात करते हुए, केदारनाथ की अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप खुद को पूरी तरह आजाद करने लगते हो, तो कुछ आश्चर्यजनक घटनाएं घटित होने लगती हैं, जिसे अनुराग बसु 'मैजिक' कहते हैं। हमने खुद को पूरी छूट थी और पूरी तरह वर्तमान पल में डूब गए। इससे शूटिंग का माहौल भी ऊर्जावान और सकारात्मक रहता था। पूरा सेट जैसे जीवंत हो जाता है और हम पूरी तरह अपने अभिनय में तल्लीन हो जाते थे।मेट्रो इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। 'लाइफ इन ए मेट्रो' में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शायनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, 'मेट्रो इन दिनों' की बात करें तो इसमें सारा के साथ आदित्य रॉय कपूर रोमांस करते नजर आएंगे, इसके अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वह वर्तमान में 'मर्डर मुबारक' फिल्म में नजर आएंगी, जो एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है और नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

एक्टर-प्रोड्यूसर धीरज कुमार का निधन

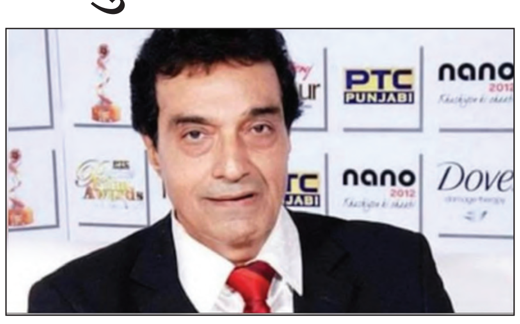

बॉलीवुड और टीवी जगत के प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता और निर्देशक धीरज कुमार का मंगलवार को निधन हो गया। 79 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। बताया जा रहा है कि सोमवार को धीरज कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह एक्यूट निमोनिया से जूझ रहे थे, जिसके चलते उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। धीरज कुमार के निधन की खबर से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा है।

फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने धीरज कुमार के निधन पर शोक जताते हुए उनकी एक तस्वीर शेयर की है और श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'बहुत दुख हुआ ये जानकर कि जाने-माने एक्टर-प्रोड्यूसर धीरज कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। ओम शांति।धीरज कुमार ने अपने करियर में अभिनय, निर्देशन और निर्माण तीनों क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने 1970 के दशक में कई हिट फिल्मों में काम किया, जैसे 'दीदार', 'रातों का राजा', 'बहारों फूल बरसाओ', 'शराफत छोड़ दी मैंने', और 'रोटी कपड़ा और मकान'। इसके अलावा, वह पंजाबी फिल्मों में भी एक्टिव रहे, जिनमें हाल ही में आई 'सज्जन सिंह रंगरूट' और 'इक संधू हुंदा सी' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया।

निर्देशन के क्षेत्र में भी धीरज कुमार ने अच्छा-खासा नाम कमाया। उन्होंने बच्चों के लिए आबरा का डाबरा जैसी फिल्म बनाई। ओम नमः शिवाय, कहां गए वो लोग, श्री गणेश, संस्कार, धूप-छांव, अदालत, और जोड़ियां कमाल क' जैसे लोकप्रिय टीवी सीरियल्स का निर्देशन भी किया।

निर्माता के रूप में उनकी कंपनी क्रिएटिव आई लिमिटेड ने 30 से ज्यादा सीरियल्स बनाए, जिनमें पारिवारिक और धार्मिक विषयों को खास महत्व दिया गया। 'घर की लक्ष्मी बेटियां,' 'इश्क सुभान अल्लाह,' और 'संस्कार' जैसे शो उनके निर्माण की पहचान हैं। हाल ही में धीरज कुमार मुंबई के खारघर इलाके में इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे।

राहु केतु के रिहर्सल में पुलकित सम्राट का रहस्यमय खुलासा?

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की डांस रिहर्सल से जुड़ी एक अनूठी झलक साझा कर एक बार फिर अपने अभिनय के प्रति गहरे समर्पण को साबित किया है। इस बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) वीडियो में पुलकित एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं - ढीली पोल्का-डॉट धोती पैंट और स्लीवलेस काली टी-शर्ट में, उनकी हर हलचल में एक कच्ची, सच्ची और जोशीली ऊर्जा दिखती है, जो सीधे दिल को छूती है। इस वीडियो के साथ पुलकित ने एक बेहद दिल छू लेने वाला और रहस्यमय कैप्शन लिखा है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा अथक पसीना बहाना, अनवरत संघर्ष और अपने आप को कला के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देना शामिल होता है। यह एक कलाकार की आंतरिक यात्रा है, जहाँ वे अपनी सीमाओं को तोड़ते हैं और कुछ असाधारण बनाने के लिए जूझते हैं। यह 'खामोशी' और 'एकाग्रता' का एक अजीब मिश्रण है, जहाँ कलाकार अपने सबसे कच्चे रूप में होता है। उनकी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के नाम से ही द्वैत और आंतरिक संघर्ष जैसे गहरे विषयों की झलक मिलती है। पर्दे के

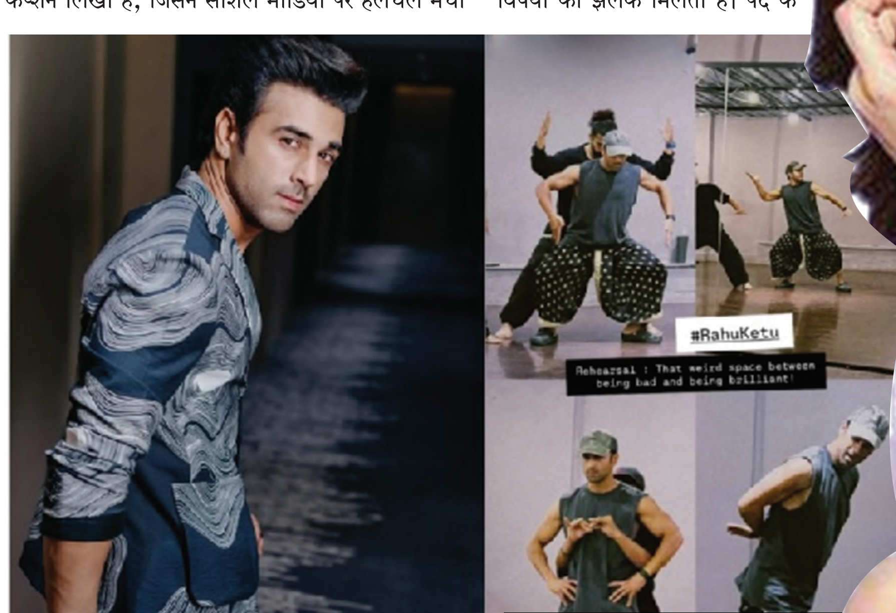

दी है। उन्होंने लिखा, रिहर्सल: वो अजीब सी जगह, जहां बुरे और बेहतरीन के बीच का फर्क धुंधला हो जाता है। यह वाक्य एक कलाकार की उस नाजुक और सच्ची अवस्था को दर्शाता है, जहाँ वे अपनी कला को निखारने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक देते हैं। यह वह जगह है जहाँ खामियां दूर होती हैं और प्रतिभा चमकती है, जहाँ अभ्यास और सुधार एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं।

पुलकित सम्राट, जो अपने हर किरदार में पूरी तरह डूब जाने के लिए जाने जाते हैं, उनका यह बयान याद दिलाता है कि किसी भी कला को निखारने के लिए की गई तैयारी केवल चमक-दमक या ग्लैमर से भरी नहीं होती। इसमें

बोल्ड सब्जेक्ट पर फिल्म बनाएंगी मिर्जापुर की गोलू, बोलीं- विषय मेरे दिल के करीब

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वेब सीरीज मिर्जापुर की गोलू अब नए रोल में दिखेंगी। मुझे जान न कहो मेरी जान फिल्म के जरिए बतौर निर्माता नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। यह फिल्म एक समलैंगिक प्रेम कहानी है। इस फिल्म में अभिनेत्री 'तिलोत्तमा शोम' महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिरी महीनों में शुरू हो सकती है।

अभिनेत्री ने फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के करीब सिर्फ इसलिए नहीं है कि मैं इस फिल्म के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर शुरुआत कर रही हूं, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि इसकी कहानी से हम दुनिया के सामने समलैंगिक प्रेम कहानियों को ईमानदारी और सुंदरता के साथ पर्दे पर पेश कर सकेंगे।

श्वेता ने अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम की तारीफ करते हुए कहा, वह ऐसी कलाकार हैं, जो अपने अभिनय से फिल्म को और भी खास बना देंगी।

उन्होंने आगे कहा, वह अद्भुत अभिनेत्री हैं, साथ ही एक ऐसी शख्सियत भी हैं, जिनका मैं दिल से सम्मान करती हूं और उन पर आंख बंद करके भरोसा भी करती हूं। हम काफी समय से साथ में काम करने के बारे में सोच रहे थे और इस बेहतर प्रोजेक्ट से शुरुआत करना वाकई शानदार रहा।

पिछले महीने, अभिनेत्री श्वेता ने ब्रिटिश नाटक 'काक' के मंचन के जरिए बतौर थिएटर निर्माता अपनी शुरुआत की थी। इस नाटक का प्रीमियर 6 जून को दिल्ली और 10 जून को मुंबई के पृथ्वी थिएटर में हुआ था।

अभिनेत्री ने इसे अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑल माई टी' के तहत निर्मित किया था। इसमें रिताशा राठौर, तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह ने अभिनय किया था।

श्वेता के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने मुंबई के एक पोस्ट-प्रोडक्शन हाउस 'पिक्सियन ट्रेलर हाउस' में काम किया था। इसके बाद उन्होंने 2009 में डिज्नी चैनल के शो 'क्या मस्त है लाइफ' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म 'मसान' से मिली, जिसमें उन्होंने अभिनेता विक्की कौशल की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी।

वह टीवी सीरीज 'द ट्रिप' का हिस्सा रह चुकी हैं। साथ ही उन्होंने श्रवण राजेंद्रन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'मेहंदी सर्कस' में भी काम किया। अभिनेत्री भारत की पहली फीचर-लेंथ फिल्म 'जू' का भी हिस्सा थीं। इस

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बुधवार, 16 जुलाई, 2025
बेंगलुरु

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आप–को व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या–क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद–विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सद–पयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव–रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन–पूजा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 जुलाई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 09:04 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 04:51 तक
योग : शोभन प्रातः 11:56 तक
करण : गर प्रातः 09:55 तक
चन्द्र राशि : मीन
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , गण्डमूल रात्रि 04:52 से , कर्क संक्रांति सायं 05:32 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक , भद्रा रात्रि 09:02 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एसीबी का 68वां स्थापना दिवस समारोह : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा

कानून से ऊपर कोई नहीं, पुलिस बिना दबाव करें सख्त कार्रवाई

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार एक ऐसी बुराई है जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से रोकती है और समाज में असमानता बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। पुलिस बिना किसी के दबाव में आए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध हैं।

भजनलाल शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के 68वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आवश्यक है। ऐसे में एसीबी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ने, गबन, आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग आदि के मामलों को उजागर करने जैसे सभी क्षेत्रों में एसीबी ने अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। अपने ही एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करना यह साबित करता है कि एसीबी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। हमने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया। पुलिस में 10 हजार पदों पर भर्ती, नए 8 जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों की स्वीकृति, 3 महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना जैसे निर्णय सरकार द्वारा लिए गए हैं। साथ ही, पुलिस के रेस्पोन्स टाइम को बेहतर करने के लिए 22 इंटरसेप्टर, 750 मोटर साइकिल तथा पुलिस मोबाइल यूनिट को 500 पुलिस मोबाइल यूनिट वाहन उपलब्ध कराकर 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम का गठन भी किया है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस आधुनिकीकरण व संबंधित आधारभूत संरचना के लिए पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का गठन, सरदार पटेल सेंटर फोर साइबर कंट्रोल रूम की स्थापना, पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र को राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में क्रमोन्नत करने जैसे कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में वर्दी भत्ते व मैस भत्ते में बढ़ोतरी, राजस्थान रोडवेज की एक्सप्रेस व सेमी डीलक्स बसों में निशुल्क यात्रा, लांगरी पदों का सृजन तथा उनके मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि जैसे निर्णय लेकर विभाग को सक्षम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने भ्रष्ट कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत हमने पूर्व अनुमोदन प्रदान करने की प्रक्रिया तेज की है। हाल ही में राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई, अभियोजन स्वीकृति एवं 17–ए के विचाराधीन प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अनाधिकृत अनुपस्थिति के गंभीर मामलों में सेवारत अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने जैसे कठोर निर्णय भी लिए गए हैं। भ्रष्ट सरकारी कर्मियों के विरुद्ध एसीबी के प्रकरणों में त्वरित एवं कठोर कार्यवाही के साथ साथ उनकी पेंशन रोकने जैसी विभागीय कार्यवाही भी प्रभावी रूप से की जा रही है।भजनलाल शर्मा ने कहा कि रिश्वत लेना अपराध है और इस अपराध को रोकने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं भी भ्रष्टाचार होता दिखे, तो बिना किसी डर के सूचित करें। जनता की भागीदारी ही इस लड़ाई को और मजबूत बनाएगी।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार शासन–प्रशासन में पारदर्शिता एवं शुचिता के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने सुशासन स्थापित करने के लिए तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया है। ई–फाइलिंग, नियम व प्रक्रियाओं का सरलीकरण, आउटरीच प्रोग्राम जैसे नवाचारों से सिस्टम में जवाबदेहिता को बढ़ावा मिला है। पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने पुलिस को बिना दबाव के कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

राष्ट्रीय ओडीओपी पुरस्कार में राजस्थान को मिला स्थान

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने उत्पादकों को दी बधाई

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

14 जुलाई 2025 को नई दिल्ली में प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित नेशनल ओडीओपी अवार्ड समारोह में वर्ष 2024 के लिए अवार्ड दिए गए। राज्य श्रेणी में दिए गए अवार्ड्स में राजस्थान को 'कांस्य शील्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पीयूष गोयल, भारत के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थे तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद विशिष्ट अतिथि थे। राजस्थान सरकार की ओर से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त आयुक्त, पी.एन. शर्मा द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया।

राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रारम्भ किये गये "एक जिला एक उत्पाद पहल" के तहत समस्त राज्यों को ओडीओपी उत्पादों के विकास के माध्यम से जिलों को एक्सपोर्ट हब बनाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2024 में राजस्थान ओडीओपी पॉलिसी लाकर ओडीओपी उत्पादकों के लिए मार्केटिंग, ई–कॉमर्स, मेला व प्रदर्शनियों में भाग लेने, कौशल विकास तथा ऋण आदि प्रदान करने में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। राजस्थान सरकार द्वारा ओडीओपी अवधारणा को आगे बढाते हुए पंच गौरव कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है जिसके माध्यम से जिला स्तर पर बजट प्रदान कर स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए विकास कार्य करवाये जायेगें। राज्य को प्राप्त पुरस्कार उन सभी दस्तकारों एवं उद्यमियों को समर्पित है जिन्होने ओडीओपी के तहत अथक परिश्रम करते हुए अपने उत्पाद के साथ–साथ राज्य का नाम रोशन किया है।

एसआईआर कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शोधन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना : नवीन महाजन

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी समय में प्रस्तावित फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान अजमेर एवं बीकानेर संभाग के संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अधीनस्थ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूचियों का शोधन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक हेल्प डेस्क स्थापित कर सुनिश्चित किया जाए कि इन हेल्प डेस्क पर नियुक्त व्यक्ति एसआईआर कार्यक्रम और उसके दिशा–निर्देशों से पूरी तरह से अवगत हों।

महाजन ने कहा कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मानव संसाधनों जैसे बीएलओ, सूचना सहायक, पर्यवेक्षक आदि की समय रहते नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। इसके अतिरिक्त, स्वयंसेवकों का चयन शीघ्र कर उन्हें भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रैंडम चेकिंग के लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रह जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय करते हुए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति शीघ्र करवाई जाए। उन्होंने कहा कि पोलिंग स्टेशनों के रेशनलाइजेशन का कार्य मतदाताओं की संख्या, दूरी, पहुंच, सहूलियत और मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि एसआईआर कार्यक्रम की जानकारी आम मतदाताओं तक सरल एवं प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए आईइसी गतिविधियों का व्यापक उपयोग किया जाए।

शिवभक्तों के लिए जींद पोस्ट ऑफिस में मिल रहा पवित्र गंगाजल

जींद, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

सावन मास की शुरुआत 11 जुलाई से हो गई। इस पावन अवसर पर शिवभक्तों के लिए हरियाणा के जींद जिले के प्रधान डाकघर की ओर से गंगाजल की विशेष सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। डाक विभाग की इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को उनके घर के पास ही पवित्र गंगाजल उपलब्ध कराना है, जिससे वे सावन में आसानी से भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सकें।

पोस्ट मास्टर नरेश कुमार ने बताया कि अभी सावन का महीना चल रहा है। इस महीने में भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लाकर अभिषेक करते हैं। बहुत से श्रद्धालु ऐसे हैं जो आर्थिक स्थिति या फिजिकली रूप से ठीक न होने के कारण हरिद्वार नहीं जा पाते, उनके लिए डाक विभाग की ओर से गंगाजल लाकर डाकघर में लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इस समय डाकघर में 100 से अधिक गंगाजल की बोतल उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को 250 एमएल गंगाजल मात्र 30 रुपए में उपलब्ध कराया जाता है। प्रतिदिन 10 से 15 बोतल की बिक्री हो रही है। हमारे यहां शिवरात्रि तक गंगाजल उपलब्ध रहेगा, हालांकि इसके बाद भी गंगाजल की व्यवस्था रहती है। हिंदू धर्म के धार्मिक अनुष्ठानों में गंगाजल का विशेष महत्व होता है, इसके लिए उपभोक्ता यहां आकर गंगाजल किसी भी समय खरीद सकते हैं।बता दें कि सावन हिंदू धर्म का पवित्र महीना है। इस बार सावन 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगा। यह पूरा महीना विशेष रूप से भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित है। सावन माह में भगवान शिव की विधि–विधान से पूजा–अर्चना करने के साथ ही व्रत भी किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। देशभर से हरिद्वार पहुंचे शिव भक्त मान्यताओं के अनुसार हर की पैड़ी से गंगाजल भरकर कावड़ यात्रा का आरंभ करते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

पानी के टैंकों में गंदगी और कागजों में सफाई से भ्रष्टाचार की गंदगी उजागर : बुवानीवाला

भिवानी, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने कहा है कि स्वच्छ पेयजल हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है, लेकिन अफसोस की बात है कि जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एवं भ्रष्टाचार ने इस मूलभूत सुविधा को भी सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। आज शहर में पेयजल की आपूर्ति करने वाले पानी के टैंकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हालात में है वर्षों से सफाई न होने, देखरेख के अभाव और केवल कागजों में किए गए टैंक क्लीनिंग के झूठे दावों ने आमजन की सेहत को गंभीर खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि बताया कि इन टैंकों की स्थिती अत्यंत चौंकाने वाली और चिंताजनक है। पानी के टैंकों के भीतर कीचड़, शैवाल, गंदगी, प्लास्टिक और मरे हुए कीट–पतंगों व जानवरों से सड़ांध से भरा माहौल था, जो न केवल जल की गुणवत्ता को खराब करता है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है। टैंकों में फैली इस गंदगी से शहर के नागरिकों में डायरिया, स्किन इंफेक्शन, हैजा और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने का डर बना हुआ है। गौरतलब है कि अशोक बुवानीवाला भिवानी के डाबर क्षेत्र मे स्थित पानी के सात टैंकों जहाँ से शहर की आधी आबादी को जल वितरण होता है उसका निरिक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इन टैंकों की सफाई हुऐ लगभग दस वर्ष हो गये हैं, लेकिन धरातल की बजाएं शायद कागजों में इनकी हर वर्ष सफाई होती है? उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य कि बात है कि शहर का जनस्वास्थ्य विभाग ही आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है और प्रशासन कुम्भकरणी नींद सो रहा है।

चरखी दादरी में रिश्वतखोर क्लर्क रंगे हाथों गिरफ्तार

चरखी दादरी, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अपनी कार्रवाई लगातार जारी रखे हुए है। इसी कड़ी में, ब्यूरो हिसार की टीम ने 15 जुलाई 2025 को चरखी दादरी में खादी ग्राम उद्योग बोर्ड के एक क्लर्क, भूपेन्द्र सिंह सांगवान, को 4,500 की नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी आरोपी के कार्यालय, खादी ग्राम उद्योग बोर्ड, चरखी दादरी से की गई। ब्यूरो को मिली शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता ने वर्ष 2020 में खादी ग्राम उद्योग बोर्ड, चरखी दादरी से सेनेट्री की दुकान के लिए 9 लाख का ऋण लिया था। इस ऋण के एवज में, शिकायतकर्ता ने अपनी 2 एकड़ जमीन बैंक के पास प्रतिभूति (गिरवी) के तौर पर रखी थी। मार्च 2025 में शिकायतकर्ता ने यह 9 लाख का ऋण पूरी तरह से चुका दिया था। ऋण चुकाने के उपरांत, जब शिकायतकर्ता 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' प्राप्त करने के लिए क्लर्क भूपेन्द्र सिंह सांगवान से मिला, तो आरोपी ने एनओसी जारी करने के एवज में उससे 4,500 की रिश्वत की मांग की।शिकायत की गंभीरता को देखते हुए, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हिसार ने तुरंत कार्रवाई की। एक जाल बिछाया गया, जिसके तहत आरोपी भूपेन्द्र सिंह सांगवान को शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि लेते हुए मौके पर ही दबोच लिया गया।

बिजली विभाग में खाली पड़े 18719 पद जानबूझकर नहीं भर रही भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश सरकार का हरेक विभाग कर्मचारियों की किल्लत से जूझ रहा है। इसके चलते सभी विभागों में भ्रष्टाचार, लीपापोती और लेटलतीफी जोरों पर है। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) में कुल 40294 पद स्वीकृत हैं। इनमें से केवल 21575 कर्मचारी कार्यरत है और 18719 पद खाली पड़े हैं। यानी राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था लगभग आधे मानव संसाधनों के सहारे चल रही है। यही हाल शिक्षा, पुलिस, पर्यटन, सिंचाई, समेत तमाम विभागों का है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज हरियाणा के सरकारी विभागों में 2 लाख से पद ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। नई भर्ती करवाना तो दूर, बीजेपी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट तक नहीं करवा पा रही है। भर्तियों को जानबूझकर लटकाना, भटकाना और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना बीजेपी की तय नीति बन चुकी है। यही वजह है कि हरियाणा पूरे देश में बेरोजगारी का सिरमौर बना हुआ है।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान दो लाख से ज्यादा पक्की नौकरियां दी गई थीं। साथ ही कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की ऐतिहासिक नीति बनाई गई थी। उस नीति के तहत लगे हजारों कर्मचारी आज भी सरकारी विभागों में नौकरी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ, बीजेपी सरकार के दौरान कच्ची तो कच्ची, पक्की नौकरी करने वालों के सिर पर भी निकाले जाने की तलवार लटक रही है। ग्रुप–सी, डी से लेकर ग्रुप–बी तक की भर्तियां कोर्ट में नहीं टिक पा रही हैं।

कौशल निगम के तहत बीजेपी ने जिन कर्मियों को पक्का करने का ऐलान किया था, लगातार उन्हें भी काम से हटाया जा रहा है। आए दिन किसी ना किसी विभाग से कौशल कर्मियों को निकाले जाने की लिस्ट जारी होती रहती है। जबकि संविदा के तहत भर्ती किए गए जिन कर्मचारियों को बाद में कौशल निगम में मर्ज करके कुछ हद तक पक्का किया गया, उनमें भी ज्यादातर कर्मी कांग्रेस कार्यकाल के दौरान ही भर्ती हुए थे। क्योंकि कांग्रेस की भर्तियां नियमों और पारदर्शिता के हरेक पैमाने पर खरी उतरी हैं जबकि बीजेपी की भर्तियों में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई गई। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी की मंशा हमेशा से सरकारी विभागों व नौकरियों को खत्म करने की रही है। कांग्रेस ने सड़क से लेकर विधानसभा और संसद तक इस सरकार के मंसूबों को जगजाहिर किया था। बार–बार जनता को बताया कि इस सरकार का मकसद नौकरी देना नहीं बल्कि नौकरी को छीनना है। लेकिन कई भर्तियों के रिजल्ट को चुनाव के टाइम रोककर और कौशल निगम कर्मियों में भ्रम व झूठ फैलाकर भाजपा ने हजारों परिवारों के वोट हासिल कर लिए। अब उन परिवारों को बीजेपी पर भरोसा जताने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

स्थानिक दाखिल-खारिज पोर्टल की शुरुआत करने वाला पहला राज्य बना बिहार

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में स्थानिक दाखिल-खारिज पोर्टल की शुरुआत करने वाला पहला राज्य बन गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार ने आज डिजिटल भू-अभिलेख प्रबंधन को एक नई दिशा देते हुए एकीकृत भू-अभिलेख प्रबंधन प्रणाली (खङठचड) स्थानिक दाखिल-खारिज पोर्टल का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम पटना के सर्वे भवन (शास्त्री नगर) में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन विभाग का महत्वपूर्ण कार्य है और झोला युग को समाप्त कर लैपटॉप युग की शुरुआत हो गई है। विशेष सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण होते ही स्थानिक दाखिल-खारिज का लाभ सभी को मिलने लगेगा। त्वरित न्याय और त्वरित काम मुख्य उद्देश्य है। इस उच्च तकनीक प्रणाली से काम करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बना है, जिससे आम लोगों को बहुत लाभ मिलेगा और विवादों का समाधान होगा।

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रणाली को उन सभी गांवों में लॉन्च करने की योजना है जहां विशेष सर्वेक्षण के तहत अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने पूरी टीम की मेहनत की सराहना की। सचिव जय सिंह ने कहा कि विभाग का आईआईटी, रुड़की के साथ समन्वय राजस्व के कार्यों को नई प्रगति दे रहा है। इस प्रणाली के तहत यदि कोई भाई अपना हिस्सा बेचता है, तो उसका नक्शा स्वतः उसके साथ लग जाएगा। वर्तमान में तीन जिलों के 80 से अधिक गांवों में इसकी शुरुआत हो रही है, और फीडबैक के आधार पर इसमें क्रमवार सुधार किया जाएगा। इससे मानचित्रों में परिवर्तन को मैन्युअल रूप से करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। अब तक यह प्रक्रिया मैन्युअल और समय लेने वाली थी, जिससे अक्सर विवाद एवं त्रुटियाँ उत्पन्न होती थीं। खङठचड के अंतर्गत यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, त्वरित और सटीक हो जायेगी ।

स्थानिक दाखिल-खारिज एक आधुनिक प्रक्रिया है, जिसमें भूमि की खरीद-बिक्री या उत्तराधिकार के पश्चात राजस्व मानचित्रों और अधिकार अभिलेखों का स्वतः अद्यतीकरण संभव होगा। इस प्रक्रिया के तहत रैयत को पहले भूमि क्रय-विक्रय से पूर्व प्री म्यूटेशन स्केच के लिए आवेदन करना होगा, जो भूमि का वास्तविक नक्शा होगा। इससे सरकारी भूमि की छेड़छाड़ भी रोकी जा सकेगी। इस प्रक्रिया के तहत अगर किसी खेसरा के सम्पूर्ण रकबा का दाखिल-खारिज होता है तो खेसरा का संख्या में कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन खेसरा के विभाजन की स्थिति में नए खेसरा को एक नया संख्या मिलेगा। साथ ही इस नयी प्रक्रिया में सभी रैयतों को एक खाता नंबर दिया जाएगा और भूमि के क्रय के पश्चात वह खेसरा उसके खाते में जुड़ जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत सरकारी भूमि आम रैयतों के लॉगिन में उपलब्ध नहीं रहेगी, इससे सरकारी भूमि छेड़छाड़ से बची रहेगी। इससे मानचित्रों में परिवर्तन को मैन्युअल रूप से करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। अब तक यह प्रक्रिया मैन्युअल और समय लेने वाली थी, जिससे अक्सर विवाद एवं त्रुटियां उत्पन्न होती थीं। इससे मानचित्रों में परिवर्तन को मैन्युअल रूप से करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी।

पत्नी का वियोग बर्दाश्त नहीं कर पाया पति, फांसी लगाकर की आत्महत्या

शिवहर (एजेंसियां)।
शिवहर जिले के तरियानी थाना क्षेत्र के कुशहर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पत्नी की मौत के सदमे में एक युवक ने भी फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान कुशहर गांव निवासी इंदल सहनी के 30 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार सहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जाता है कि बीते 15 जून को चंदन सहनी की पत्नी मनीषा देवी ने ससुराल में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उस वक्त चंदन काम के सिलसिले में बाहर प्रदेश गया हुआ था। पत्नी की मौत के बाद से ही वह गहरे सदमे में था।

इस मामले में मृतका के पिता ने मझौरा गांव निवासी के तौर पर स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें दहेज में महंगी बाइक और सोने की चैन नहीं देने पर ससुराल पक्ष के लोगों पर गला घोंटकर हत्या कर देने का आरोप लगाया गया था। प्राथमिकी में मृतका के पति चंदन सहनी, ससुर इंदल सहनी, सास भिखनिया देवी, ननद अंजली देवी और काजल कुमारी, देवर रंजन कुमार तथा बिंदेश्वर सहनी को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद चंदन के परिजन घर छोड़कर फरार हैं।

घटना के बाद आपसी समझौते के तहत चंदन सहनी अपने एक वर्षीय पुत्र ऋतिक के साथ ससुराल में ही रह रहा था। पड़ोसियों के अनुसार, पत्नी की मौत के बाद से चंदन पूरी तरह टूट चुका था और डिप्रेशन में रहता था। सोमवार को वह किसी तरह अपने घर पहुंचा और मकान के अंदर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर पर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं होने के कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए मृतक के रिश्तेदार और पड़ोसी अस्पताल लेकर पहुंचे। तरियानी थाना अध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में हथियारबंद लुटेरों का तांडव

परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूट, इलाके में दहशत

नालंदा (एजेंसियां)।
नालंदा जिले के हरनौत थाना क्षेत्र स्थित कल्याण विगहा स्टेशन रोड के सद्भावना नगर मोहल्ले में बीती रात हथियारबंद नकाबपोश लुटेरों ने एक घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया और लाखों की संपत्ति लूटकर फरार हो गए।

लूटपाट की यह वारदात श्याम किशोर प्रसाद के घर में हुई। घटना के वक्त घर में उनकी पत्नी शैली देवी अपने पोते-पोतियों के साथ सोई हुई थीं। शैली देवी ने बताया कि रात करीब दो बजे पांच नकाबपोश बदमाश चैनल गेट का ताला काटकर घर में घुसे। बदमाशों ने पिस्टल के बल पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और कैश व जेवरात के बारे में पूछताछ करने लगे।

पीड़ित शैली देवी के मुताबिक, बदमाशों ने करीब दो लाख रुपये नकद, सोने की चेन, लॉकेट, कर्णफूल और अन्य जेवरात लूट लिए। लूटपाट के दौरान दो बदमाश उन्हें पिस्टल दिखाकर धमकाते रहे, जबकि तीन अन्य कमरे के अलमारियों, स्टोर और

पेटी-बक्सों को खंगालते रहे।

बताया जा रहा है कि नाग पंचमी के अवसर पर गृहस्वामी श्याम किशोर प्रसाद अपने पैतृक गांव पटना जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मिसि गांव गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर लुटेरों ने घर में घुसपैठ की। घर में महिला और चार बच्चे ही मौजूद थे।

पीड़िता ने यह भी बताया कि सभी बदमाश स्थानीय भाषा में बातचीत कर रहे थे। उनकी उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच थी और कद-काठी सामान्य थी। लूट के बाद लुटेरे घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़कर उसकी रिकॉर्डिंग सीडीआर भी क्षतिग्रस्त कर गए।

इधर घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी टू संजय कुमार जायसवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। ग्रिल का ताला काटकर घर में घुसे बदमाशों ने हथियार के बल पर लूटपाट की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जल्द ही मामले के खुलासे का दावा किया है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता मंत्रिमंडल की बैठक संपन्न हो चुकी है। बैठक में 30 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी। सीएम नीतीश कुमार आज फिर से बिहार वासियों को बड़ी सौगात दी है।

इसमें आगामी पांच साल ने एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। मंगलवार को अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि राज्य सरकार अगले पांच साल में रोजगार सृजन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नई नौकरी रोजगार सृजन के लिए सभी संभावनाओं एवं विकल्प पर विचार करते हुए राज्य सरकार को परामर्श देने के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाएगी। इसमें 12 सदस्य होंगे। नौकरी या रोजगार से राज्य के युवाओं को

आर्थिक संबल प्राप्त होंगे।

एसीएस एस सिद्धार्थ ने बताया कि पटना मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत प्रायोरिटी कॉरिडोर के दो वर्ष आठ महीने की अवधि में रखरखाव कार्य के लिए सेवा कर रहित कुल अनुमानित व्यय 179.37 करोड़ नामांकन के आधार पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड को देने तथा प्रायोरिटी कार्यान्वयन के लिए तीन कार सिंगल ट्रेनसेट को किराए पर लेने के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए 21.1544 646 करोड़ अनुमोदन प्रदान की गई है। वहीं बिहार राज्य के निवासी एवं राज्य में निबंध नॉन कॉर्पोरेट करदाताओं की दुर्घटना मृत्यु होने पर अनुदान के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया गया। बिहार व्यवसायी दुर्घटना मृत्यु अनुदान योजना को कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। इसके तहत करदाताओं की दुर्घटना मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को पांच लाख के अनुदान राशि दी जाएगी।

एसीएस एस सिद्धार्थ ने बताया कि बम निरोधक दस्ता के कर्मियों को मूल वेतन का 30% प्रतिशत जोखिम भत्ता दिया जाएगा। इसके लिए अधिकतम 25000 रुपये जाएंगे। वहीं बिहार न्यायिक सेवा के पदाधिकारी को एक-एक 2016 से राज्य कर्मियों के अनुरूप वार्षिक वेतन वृद्धि को मिली स्वीकृति।

वहीं स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चार चिकित्सा पदाधिकारी पर कार्रवाई की गई है। इन चारों को बर्खास्त कर दिया गया है। एसीएस एस सिद्धार्थ ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंदना कुमार, सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कृतिका सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ निमिषा रानी और सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी को अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप में सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

लोक शिकायत अधिनियम से मिला न्याय, अमीना को मिली पीएम आवास योजना की पहली किस्त

पटना (एजेंसियां)।
वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किस्त का इंतजार कर रही खगड़िया के रामपुर गोगरी गांव की अमीना खातून को आखिरकार बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम की मदद से न्याय मिल गया है। बैंक की गलती से किसी और के खाते में ट्रांसफर हुई राशि को अब सुधार कर लाभार्थी के खाते में भेज दिया गया है।

अमीना खातून, पति मोहम्मद राशिद, को मकान निर्माण के लिए योजना की राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन गलती से वह राशि पूर्व ऋणधारी के खाते में चली गई थी और बैंक ने उसे पुराने कर्ज की वसूली में समायोजित कर लिया। ब्लॉक कार्यालय से मकान निर्माण पूरा करने के निर्देश के बाद जब अमीना को पता चला कि उन्हें कोई राशि ही नहीं मिली, तो उन्होंने जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के पास ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए डीपीजीआरओ खगड़िया ने संबंधित लीड बैंक मैनेजर और प्रखंड विकास पदाधिकारी गोगरी को नोटिस जारी किया। सुनवाई में यह स्पष्ट हुआ कि बैंक की लापरवाही से योजना राशि गलत खाते में गई और कर्ज वसूली में कट गई। जिला लोक शिकायत पदाधिकारी ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए बैंक को तत्काल वास्तविक लाभार्थी के खाते में पूरी राशि स्थानांतरित करने का आदेश दिया।

बैंक मुख्यालय से अनुमति मिलने के बाद राशि अमीना खातून के खाते में अंततः जमा कर दी गई। वर्षों के इंतजार के बाद योजना का लाभ मिलने पर अमीना ने प्रशासन का आभार जताया और कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम जैसे प्रावधान गरीबों के लिए बड़ा सहारा हैं।

गौरतलब है कि बिहार सरकार का यह अधिनियम 5 जून 2016 से लागू है, जिसके तहत 60 कार्य दिवसों में शिकायतों के निष्पादन का प्रावधान है। सरकार इसे न्याय के साथ विकास के विजन से जोड़कर देख रही है। इस मामले ने साबित किया है कि यदि आमजन सजग रहें तो सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंचाया जा सकता है।

प्रार्थना के दौरान छात्र की तबीयत बिगड़ी, इलाज के दौरान हुई मौत

पटना (एजेंसियां)।
राजधानी के पटना सिटी स्थित चौक थाना क्षेत्र के राजकीय उच्च विद्यालय, पटना सिटी परिसर में सोमवार को चेतना सत्र (प्रार्थना) के दौरान छठी कक्षा के छात्र साहिल कुमार (पिता टिंकू कुमार साहनी) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया जाता है कि प्रार्थना समाप्त होने के बाद छात्र जैसे ही अपनी कक्षा में जाने लगा, उसी दौरान उसे चक्कर आया और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। विद्यालय प्रशासन ने आनन-फानन में साहिल को इलाज के लिए एनएमसीएच पटना पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक चितरंजन कुमार ने बताया कि साहिल चेतना सत्र में अन्य बच्चों के साथ मौजूद था। प्रार्थना समाप्त होते ही सभी बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं में जा रहे थे, तभी साहिल अचानक गिर पड़ा।

शिक्षक उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे बचा नहीं सके। मृतक छात्र पटना सिटी के कर्मवीर क्षेत्र का रहने वाला था। उसके पिता टिंकू कुमार साहनी सब्जी विक्रेता हैं। फिलहाल पुलिस बच्चे की मौत के कारणों की जांच कर रही है। चौक थाना अध्यक्ष दुष्यंत कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं घटना के बाद विद्यालय में छात्रों और अभिभावकों में शोक की लहर है।

फ्लोर टेस्ट में खरीद-फरोख्त का है आरोप

ईओयू ने राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती को जारी किया नोटिस

पटना (एजेंसियां)।
राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती को ईओयू ने नोटिस जारी किया है। बीमा भारती सहित चार पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले में संलिप्त होने का आरोप है। ईओयू ने फरवरी 2024 में एनडीए सरकार द्वारा जीते गए विश्वास मत से पहले खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच कर रहा है। प्रमोद कुमार, संजय पटेल और सनी कुमार को विधायक सुधांशु शेखर के खरीद-फरोख्त के मामले में पूछताछ और उनके बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया है। उन्हें किस तारीख को तलब किया गया है, इसका उल्लेख नहीं किया गया है।

जनता दल यूनाइटेड के विधायक शेखर ने आरोप लगाया कि उन्हें राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने के लिए रिश्वत की पेशकश की गई थी, जिसने राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सत्ता खो दी थी। इसी वजह से शक्ति परीक्षण की आवश्यकता पड़ी थी। ईओयू इस मामले में पूर्व राजद विधायक की भूमिका के बारे में चुप्पी साधे हुए है। जनता दल यूनाइटेड के विधायक ने दावा किया था कि उन्हें यह कहा गया था कि अगर वह राजद को विश्वास मत जीतने में मदद करते और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनाते तो उन्हें 10 करोड़ रुपये नगद और मंत्री पद दिए जाते।

राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती उस समय जदयू में थी और फ्लोर टेस्ट के दौरान अचानक लापता हो गई थी। हालांकि उस समय वह मीडिया में यह जानकारी दे रही थीं कि उनके पति अवधेश मंडल बीमार हैं। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बीमा भारती नहीं पहुंचीं। बाद में जब सरकार के अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में बहुमत के आधार पर अवध बिहारी चौधरी पूर्व अध्यक्ष हो गए तो वह आयीं। उन्होंने कहा कि वह बीमार पति के साथ दो गाड़ियों में परिवार समेत पटना आ रही थीं, तभी मोकामा में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने बताया कि उनके पति और बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर थाने में बैठा रखा है, लेकिन असल बात यह थी कि अवधेश मंडल के पास हथियार होने की वजह से उन्हें आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com